3 | राजधानी
चांदनी चौक शीघ्र होगा जाम मुक्त

6 | अभिमत
अहं से निजात पाने का उपाय

10 | विदेश
बीजिंग में बाढ़ से तबाही, 33 मरे

12 | स्पोर्ट्स
भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से रौंदा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 274
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 10 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

वंशवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की विदाई जरूरी

राष्ट्रीय-11

मणिपुर हिंसा पर सियासत शर्मनाक: शाह

● गृह मंत्री ने लोकसभा में मणिपुर से जुड़े घटनाक्रम का ब्यौरा दिया और शांति बहाली के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी

● शाह ने महिलाओं से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो संसद सत्र से एक दिन पहले वायरल होने पर उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

मणिपुर हिंसा मामले पर लोकसभा में बोलते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा परिस्थितिजन्य हैं। सरकार का वहां जनसांख्यिकी में बदलाव की कोई मंशा नहीं है। इस पूरे मामले पर राजनीति उचित नहीं हैं। पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा की घटना बेहद शर्मनाक है, लेकिन उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। सभी पक्षों को मिलकर उस राज्य में शांति बहाली की अपील करनी चाहिए। लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर से जुड़े घटनाक्रम का ब्यौरा दिया और शांति बहाली के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। शाह ने कहा कि वे विपक्ष की इस बात से सहमत हैं कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ, हिंसक घटनाएं हुईं। वहां जो कुछ भी हुआ, वह शर्मनाक है। उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि यह भ्रांति देश की जनता के सामने फैलाई गई है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि सत्र आहूत होने से पहले मैंने पत्र लिखकर मणिपुर पर चर्चा के लिए कहा था। शाह ने कहा कि मणिपुर में छह साल पहले भाजपा की सरकार बनी थी और तब से गत तीन मई तक वहां एक दिन भी हिंसा नहीं हुई, कर्फ्यू नहीं लगा, बंद नहीं हुआ और उग्रवादी घटनाएं भी कम हुईं। मणिपुर के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि 2021 में म्यांमा में सैन्य शासन आया और इसके बाद वहां कुकी समुदाय पर शिकंजा कसा जाने लगा।

फिर वहां से भारी संख्या में कुकी आदिवासी मिजोरम और मणिपुर में आने लगे और वे जंगलों में बसने लगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद मणिपुर के बाकी हिस्सों में असुरक्षा की भावना ने जन्म ले लिया। इसके बाद स्थिति को समझते हुए सरकार ने सीमा को बंद करने की दिशा में काम किया। शाह ने कहा कि इस बीच ऐसी अफवाह फैल गई कि 53 बसावटों को अस्थाई जंगल गांव घोषित किया गया है जिससे पहले से व्याप्त असुरक्षा की भावना और बढ़ गई। उन्होंने कहा कि इसमें घी डालने का काम किया उच्च न्यायालय के एक फैसले ने। इसमें कहा गया कि मैतेई को आदिवासी घोषित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि इसके बाद मणिपुर में हिंसक घटनाओं में अब तक 152 लोग मारे गए हैं। इन घटनाओं को लेकर 1106 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शाह ने दो महिलाओं की निर्वस्त्र परेड से संबंधित वीडियो मामले पर कहा कि यह घटना 4 मई की है और बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने (शेष पेज 9)

लोस की सभी पक्षों से शांति बहाली में सहयोग की अपील

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव पर मणिपुर में सभी पक्षों से शांति बहाल करने और वार्ता की अपील की। गृह मंत्री शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि मणिपुर में शांति बहाली के लिए इस सदन की ओर से अपील होनी चाहिए। शाह ने सदन में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लेते हुए मणिपुर के मुद्दे पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण दिया और अपने भाषण के अंत में अध्यक्ष बिरला से प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि मैं इस सदन के माध्यम से मणिपुर की जनता से और वहां सभी पक्षों से आग्रह करता हूं कि वार्ता करें और शांति बहाली में सहयोग दें। सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि इस तरह का प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में रखा जाता तो अच्छा होता।

राहुल का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

● कहा- सरकार ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की और ऐसा करने वाले लोग देशद्रोही

● राज्य का दौरा न करने पर पीएम पर साधा निशाना, सदस्यता बहाल करने के लिए लोस अध्यक्ष का आभार जताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में बोलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर की स्थिति को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में भारत माता की हत्या की गई है और ऐसा करने वाले लोग देशद्रोही हैं। उन्होंने लोकसभा में सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मणिपुर का दौरा नहीं करने को लेकर उन पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री इस राज्य को हिंदुस्तान (का हिस्सा) नहीं समझते।

सत्तापक्ष के सदस्यों की टोकाटोकी के बीच कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि भारत एक आवाज है और अगर इस आवाज को सुनना है तो अहंकार और नफरत को त्यागना होगा। उन्होंने लोकसभा सदस्यता बहाल होने के बाद सदन में यह वक्तव्य दिया और सदस्यता बहाल करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच कई बार तीखी नोकझोंक हुई। हंगामे के बीच पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने आरोप लगाया कि देश में 70 साल तक राज करने वाली कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को बर्बाद कर दिया था।

सत्तापक्ष के सदस्यों की टोकाटोकी पर सदन में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जवाब देते समय इसका (टोकाटोकी का) सूद सहित जवाब दिया जाएगा। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन में वह इस तरह की बात नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने अपने मणिपुर दौरे के अनुभव का उल्लेख किया और सरकार पर आरोप लगाया, आपने मणिपुर में हिंदुस्तान की हत्या की है.... भारत माता की हत्या की है और ये भारत माता के खत्यारे नहीं हो सकते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह आरोप भी लगाया, आप देशद्रोही हैं, आप देशप्रेमी नहीं हैं.... इसलिए आपके प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं जा रहे। इन्होंने मणिपुर में हिंदुस्तान को मार दिया है।

उन्होंने कहा, आप भारत माता के खवाले नहीं हो, आप भारत माता के हत्यारे हो। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, भारत माता के बारे में कोई भी ऐसा शब्द नहीं बोला जाना चाहिए जो उचित नहीं हो। इसके जवाब में राहुल ने कहा, भारत माता मेरी भी माता हैं। मेरी एक माता (सोनिया गांधी) यहां बैठी हुई हैं और दूसरी भारत माता हैं। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी सदन में उपस्थित थीं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, कुछ दिनों पहले मैं मणिपुर गया। हमारे प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गए क्योंकि उनके लिए मणिपुर हिंदुस्तान (का हिस्सा) नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, आज (शेष पेज 9)

सत्र में दो दिन शेष, लेकिन राज्य सभा में नहीं टूटा गतिरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मणिपुर मुद्दे पर सत्ता पक्ष नियम 176 और विपक्ष नियम 267 के तहत चर्चा कराने के लिए अड़ा

संसद के मानसून सत्र को समाप्त होने में अब महज दो ही दिन बचे हैं, लेकिन मणिपुर के मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा कराने को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध बुधवार को भी जारी रहा। उच्च सदन में सत्ता पक्ष जहां नियम 176 के तहत चर्चा कराने पर अड़ा हुआ है, वहीं विपक्ष भी कार्यस्थगन प्रस्ताव के जरिए नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग से पीछे हटने को तैयार नहीं है।

सभापति जगदीप धनखड़ ने गतिरोध दूर करने का बुधवार को भी प्रयास किया, लेकिन यह प्रयास विफल नजर आया। अलबत्ता हंगामे और नारेबाजी के कारण उच्च सदन की बैठक तीन बार स्थगित करनी पड़ी। तीन बार के स्थगन के बाद जब सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई तो सदन में वही नजारा देखने को मिला। सभापति ने हंगामे के बीच ही विधेयकों पर चर्चा शुरू करवाई। विपक्ष के सदस्यों ने मणिपुर मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया। इससे पहले हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग की।

खरगे ने कहा कि न सिर्फ उन्होंने बल्कि विपक्ष के कई नेताओं ने नियम 267 के तहत नोटिस देकर नौ बिंदुओं को स्पष्ट किया है कि क्यों इस मुद्दे पर चर्चा की जरूरत है। खरगे ने एक बार फिर मांग की कि प्रधानमंत्री मणिपुर मुद्दे पर सदन में एक बयान दें। सभापति ने कहा कि वह एक बार इस संबंध में अपनी व्यवस्था दे चुके हैं, इसके बाद भी नेता प्रतिपक्ष बार-बार इस मुद्दे को उठाने का प्रयास कर रहे हैं। सभापति ने खरगे से पूछा कि वह कब तक इस विषय को उठाते रहेंगे। इस पर खरगे ने कहा कि जब तक वह सभापति का दिल नहीं जीत लेते और प्रधानमंत्री सदन में आकर बयान नहीं देते। धनखड़ ने कहा कि वह पहले ही मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए अनुमति दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विषय को सूचीबद्ध भी किया गया और चर्चा के लिए समय की अवधि को भी बढ़ाकर असीमित कर दिया ताकि सभी पक्ष अपनी बात रख सकें।

खरगे ने कहा कि मणिपुर मुद्दे पर पूरा सदन चर्चा चाहता है और इस सदन में पहले भी नियम 267 के तहत दिए गए नोटिस को स्वीकार किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री क्यों सदन में नहीं आ रहे हैं और इस विषय में उन्होंने क्यों चुप्पी साध रखी है? खरगे की मांग से असहमति जताते हुए सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार सत्र के पहले दिन से मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और इस संबंध में गृह मंत्री अमित (शेष पेज 9)

कोर्ट का हरियाणा और दिल्ली को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश

यमुना प्रदूषण

● तीन अक्टूबर को मामले पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा और दिल्ली को यमुना के प्रदूषण को लेकर अपनी-अपनी स्थिति रिपोर्ट दायर करने का निर्देश देते हुए कहा है कि वह तीन अक्टूबर को मामले पर सुनवाई करेगा।

शीर्ष अदालत ने मंगलवार को प्रदूषित नदियों का उपचार शीर्षक वाले स्वत: संज्ञान मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि उसे बताया गया है कि यमुना और तटीय क्षेत्रों के प्रदूषण व उपचारात्मक उपायों से संबंधित मामले उसके समक्ष हैं। न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह बताया गया है कि उचित होगा कि इन मुद्दों को विभाजित कर सुनवाई की जाए ताकि उपचारात्मक उपायों का प्रभावी कार्यान्वयन हो सके। अदालत ने कहा, इसको मद्देनजर रखते हुए, हमें लगता है कि यमुना नदी के प्रदूषण से संबंधित मुद्दों पर पहले सुनवाई उचित है।

इस संबंध में हरियाणा और दिल्ली को अलग-अलग स्थिति रिपोर्ट पेश करनी चाहिए। पीठ ने कहा कि यमुना के प्रदूषण से संबंधित मुद्दे पर विचार करने के लिए मामले को तीन अक्टूबर को सूचीबद्ध किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने 13 जनवरी 2021 को विषाक्त कचराप्रवाहित होने की वजह से नदियों के प्रदूषित होने का संज्ञान लेते हुए कहा था कि प्रदूषण मुक्त जल संवैधानिक ढांचे (शेष पेज 9)

फिर विवाद में फंसे राहुल गांधी

● स्मृति ईरानी ने फ्लाइंग किस पर कांग्रेस नेता की आलोचना की, बचाव में उतरी पार्टी ने सामान्य अभिव्यक्ति बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा में बोलतीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईशानी

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आग उगलता भाषण देने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी उस समय विवाद में फंस गए जब केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और कई अन्य महिला भाजपा सांसदों ने उन पर सदन में फ्लाइंग किस की भाव-भंगिमा प्रदर्शित करते हुए महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार दिखाने का आरोप लगाया और उन्हें महिलाओं से द्वेष रखने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि सदन में पहले कभी ऐसा आचरण नहीं देखा गया। बहरहाल, यह मुद्दा भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव में बदल गया, प्रत्येक पार्टी ने इस मामले पर विरोधी दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। कांग्रेस ने गांधी के बाहर निकलते समय सदन के सभी सदस्यों के प्रति व्यक्त एक सामान्य अभिव्यक्ति के रूप में उनके हावभाव का बचाव किया।

उन्होंने दावा किया कि फ्लाइंग किस विशेष रूप से किसी मंत्री या व्यक्तिगत सांसद पर निर्देशित नहीं था। कांग्रेस सदस्यों का कहना था कि गांधी का इशारा भाजपा सांसदों के लिए था जो जोर-जोर से नारे लगा रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सौहार्द का भाव था, किसी विशिष्ट व्यक्ति का अपमान नहीं। बाद में भाजपा की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

चर्चा के दौरान स्मृति ईरानी ने कहा जिन्हें (राहुल गांधी को) आज मुझसे पहले वक्तव्य देने का अधिकार दिया गया उन्होंने जाते-जाते एक अभद्र कार्य किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल महिला से द्वेष रखने वाला व्यक्ति ही हो सकता है जो संसद में महिला सदस्यों के रहते हुए फ्लाइंग किस की मुद्रा प्रदर्शित करे। ईरानी ने कहा कि ऐसा गरिमाविहीन आचरण इस देश की संसद में कभी नहीं देखा गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे देश ने देखा है कि इस परिवार की संस्कृति (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

तुषार गांधी ने भारत छोड़ो दिवस मनाने जाते समय हिरासत में लिए जाने का दावा किया

मुंबई। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने बुधवार को दावा किया कि भारत छोड़ो दिवस मनाने के लिए मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान जाते समय उन्हे पुलिस ने हिरासत मे ले लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि तुषार गांधी उपनगर सांताक्रूज मे अपने आवास से जब बाहर निकले, तो उन्हे बताया कि वह रैली मे भाग लेने नही जा सकते क्योकि उसकी अनुमति नही दी गई है। अधिकारी ने बताया कि उन्हे बाद मे अगस्त क्रांति मैदान जाने की अनुमति दे दी गई। तुषार गांधी ने ट्वीट किया, नौ अगस्त को भारत छोड़ो दिवस मनाने के लिए घर से निकलने के बाद मुझे सांता क्रूज पुलिस थाने मे हिरासत मे लिया गया। ऐसा स्वतंत्र भारत के इतिहास मे पहली बार हुआ है। मुझे अपने परदादा-परदादी- बापू (महात्मा गांधी) और बा (कस्तूरबा गांधी) पर गर्व है जिन्हे इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजो ने हिरासत मे लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तुषार गांधी मैदान पहुंच गए। उन्होने कहा कि तुषार गांधी के एक रैली मे भाग लेने की संभावना थी, जो गिरगांव चौपाटी से अगस्त क्रांति मैदान तक निकाली जानी थी।

ईडी ने गोपाल कांडा के परिसरों पर छापा मारा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● हरियाणा के विधायक कांडा के ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत हो रही छापेमारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक धनशोधन मामले की जांच के तहत हरियाणा के विधायक गोपाल कांडा और अन्य के परिसरों पर बुधवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी गुरुग्राम के सिविल लाइंस इलाके में कांडा की अब बंद हो चुकी विमानन कंपनी एमडीएलआर के कार्यालय और उनके आवास पर सुबह करीब छह बजे पहुंचे।

सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है और दिल्ली एवं सिरसा में भी कुछ परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। अभी यह पता नहीं है कि कांडा के खिलाफ किस मामले में जांच की जा रही है। हरियाणा लोकहित पार्टी के नेता कांडा (57) सिरसा से विधायक हैं। इस पार्टी की स्थापना कांडा ने ही की थी। वह पूर्व में राज्य के गृह, उद्योग एवं नगर निकाय मंत्री के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं।

दिल्ली की एक अदालत ने एमडीएलआर की एयर होस्टेस गीतिका शर्मा को आत्महत्या के लिए उकसाने के हाई प्रोफाइल मामले में नेता को हाल में ही बरी किया था। ऐसा समझा जाता है कि कांडा ने इस जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों से पहले मुलाकात की थी।

हिंडन एयरपोर्ट से लुधियाना, बठिंडा की फ्लाइट जल्द

● रूट को मिली हरी झंडी, जल्द गाजियाबाद पहुंचेंगे एयरक्राफ्ट

रिकू यादव। गाजियाबाद

प्रतीकात्मक चित्र

पांच महीने से बंद पड़ा गाजियाबाद का हिंडन एयरपोर्ट अब शुरू होने वाला है। जल्द ही यहां से लुधियाना और बठिंडा के लिए फ्लाइट शुरू होने जा रही है। भारतीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रूट को क्लियरेंस दे दिया है। इस रूट पर सेवा देने की तैयारी कर रही है एयरलाइंस कंपनी के 50 और 70 सीटर एयरक्राफ्ट देहरादून पहुंच गए हैं और एक दो दिन में गाजियाबाद आ जाएंगे।

हिंडन एयरपोर्ट की डायरेक्टर सरस्वती वेंकेट ने बताया कि कंपनी ने हमें 12 अगस्त से लुधियाना, बठिंडा की फ्लाइट शुरू करने का प्रपोजल दिया है। हमने एयरलाइंस कंपनी को एयरपोर्ट पर स्पेस दे दिया है। हालांकि अभी कई औपचारिकताएं बाकी हैं, जिन्हें पूरा होना है। रूट पर क्लियरेंस पहले ही मिल गई है। फिर भी 12 अगस्त से उड़ान शुरू होने पर थोड़ा संदेह है। उसकी वजह ये है कि हिंडन एयरपोर्ट और भारतीय वायुसेना के हिंडन एयरबेस का रनवे एक ही है।

15 अगस्त की वजह से यहां दो-तीन दिन पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम हो जाएंगे। सिविल गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लग जाती है। इसलिए मुश्किल है कि 12 अगस्त से उड़ानें शुरू हो पाएं। फिर भी हमारी तरफ से तैयारियां पूरी हैं। रनवे उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार है। सरस्वती वेंकेट ने आगे बताया स्टार एयरलाइंस ने मुंबई और कोलकाता के लिए यहां से जल्द फ्लाइट चलाने की बात कही है। ये वही कंपनी है, जिसने मार्च-2023 में हिंडन एयरपोर्ट पर कुछ दिक्कतों की वजह से उड़ानें बंद कर दी थीं।

लेकिन अब ये कंपनी दोबारा से उड़ानें शुरू करने के लिए तैयार हुई है। हालांकि इस कंपनी ने अभी हमें लिखित में कुछ नहीं दिया है। इसलिए मुंबई, कोलकाता की फ्लाइट संचालन शुरू होने के बारे में अभी स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। साल 2019 में घरेलू उड़ान योजना के तहत गाजियाबाद में हिंडन एयरपोर्ट का निर्माण हुआ था। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसका मकसद था लोगों को सस्ती उड़ानें उपलब्ध कराना। इसके बाद मार्च 2020 में कोविड महामारी आने से हिंडन एयरपोर्ट बंद हो गया। कोविड महामारी समाप्त होने के बाद यहां से उत्तराखंड में पिथौरागढ़ के लिए उड़ान शुरू हुई, जो बाद में बंद हो गई।

इसके बाद कर्नाटक के हुबली और कलबुर्गी के लिए हफ्ते में 2 बार उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन वे भी ज्यादा दिन नहीं चल पाईं। मार्च 2023 में एयरलाइंस कंपनी के एयरक्राफ्ट खराब हो गए। कंपनी घाटे में होने की वजह से वे एयरक्राफ्ट ठीक नहीं हो पाए। ऐसे में मार्च 23 में मेंटिनेंस के बहाने हिंडन एयरपोर्ट को फिर से बंद कर दिया गया, जो अभी तक बंद ही है। हालांकि एयरपोर्ट डायरेक्टर, पूरा स्टाफ और सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी रोज यहां आते हैं और कागजी कार्रवाई पूरी करते हैं। यहां सिर्फ वीवीआईपी उड़ानें आती-जाती रहती हैं।

कांग्रेस ने संसद टीवी पर लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि जब उसके नेता राहुल गांधी अविश्वास प्रस्ताव पर अपने विचार रख रहे थे तो ज्यादातर समय कैमरा आसन पर केंद्रित रहा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि राहुल गांधी ने लोकसभा में मणिपुर पर 15 मिनट 42 सेकेंड तक बात की और इसमें से सिर्फ 4 मिनट 34 सेकंड उन्हें कैमरे पर दिखाया गया। रमेश ने ट्वीट किया, यह और भी खराब है। राहुल गांधी ने मणिपुर पर 15 मिनट 42 सेकेंड तक बात की। इस दौरान संसद टीवी का कैमरा 11 मिनट 08 सेकेंड यानी 71 प्रतिशत समय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर केंद्रित रहा। जब राहुल गांधी मणिपुर पर बोले तो संसद टीवी ने सिर्फ 4 मिनट 34 सेकंड उन्हें दिखाया।

सितंबर तक 6 लाख लोगों को मिलेगा गंगाजल

37.50 क्यूसेक पानी की परियोजना, 304 करोड़ रुपए हो रहे खर्च, 26 सेक्टरों को मिलेगा लाभ

● गंगाजल की सभी अड़चनों को पूरा कर लिया गया : डीजीएम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

26 सेक्टरों के 6 लाख लोगों को मीठा जल गंगाजल मिलने लगेगा। इसके लिए तीसरे फेज 37.50 क्यूसेक गंगाजल 90 एमएलडी परियोजना का 94.50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। ये काम उप्र जल निगम कर रही है। परियोजना पर 304.18 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इसमें 228.14 करोड़ रुपए प्राधिकरण खर्च कर रहा है।

इसके करीब 100 मीटर पैच में जमीन विवाद था जिसे निपटा लिया गया है। ऐसे में अब यहां काम शुरू करा दिया गया है। इस मामले को बोर्ड में लाया जाएगा। डीजीएम आरपी सिंह ने बताया कि गंगाजल की सभी अड़चनों को पूरा कर लिया गया है। सितंबर तक नोएडा में 90 एमएलडी अतिरिक्त गंगाजल की सप्लाई की जाने लगेगी।

परियोजना से नोएडा को कुल 330 एमएलडी गंगाजल की सप्लाई हो जाएगी। वर्तमान में 240 एमएलडी गंगाजल की आपूर्ति की जा रही है। यह योजना 50 क्यूसेक गंगाजल की है। जिसमें नोएडा का 75 प्रतिशत 37.50 क्यूसेक गंगाजल मिलेगा और यूपीएवीपी का 25 प्रतिशत 22.5 क्यूसेक गंगाजल की सप्लाई की जाएगी। 14 मार्च 2018 को योजना पर कार्य शुरू किया गया।

30 नवंबर 2021 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। प्राधिकरण ने बताया कि उप्र जल निगम गाजियाबाद की ओर से डासना में 80 मीटर भूमि अधिग्रहीत न होने पर यहां 1200 एमएम का पाइप नहीं डाला जा सका था। इस विवाद को निपटा लिया गया है। ये काम जल्द पूरा हो जाएगा। इसके अलावा विभाग की ओर से हैड रेग्यूलेटर से प्राइमरी ट्रीटमेंट प्लांट तक चैनल का निर्माण नहीं होना है। इन दोनों काम को पूरा कर लिया जाएगा।

वर्तमान में प्राइमरी ट्रीटमेंट का कार्य 100 प्रतिशत पूरा किया जा चुका हैं। 120 एमएलडी क्षमता का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य करीब पूरा हो चुका है। 1500 एमएमडाया की 7.8 किमी लंबाई में पाइप बिछाने के का काम किया जा रहा है।

ये पैंच पूरा होने के बाद लोगों को गंगाजल मिलेगा। इस परियोजना से 26 सेक्टरों के लाखों लोगों को गंगाजल की आपूर्ति की जा सकेगी। इसमें सेक्टर.122, 128, 130, 131, 133, 134, 135, 137, 143, 144, 145, 143बी, 146, 147, 151, 168, शामिल है। इन सेक्टरों में करीब 6 लाख लोग रहते है। साथ ही इनमें से कुछ सेक्टर औद्योगिक विकास के है।

पानी और अस्पताल के लिए सांसद ने लिखा शासन को पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● डूंडाहेड़ा में 100 बैड का मैटरनिटी अस्पताल के लिए जमीन का मामला लंबित

केन्द्रीय मंत्री वीके सिंह ने जिले की योजनाओं को क्रियान्वित कराने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अवगत कराया है। वीके सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि विजयनगर के डूंडाहेड़ा में सौ बैड का मैटरनिटी अस्पताल के लिए जमीन का मामला लम्बे समय से लम्बित रहा है।

अब जमीन मिल गई है ऐसे में यहां सौ के बजाए दो सौ बैड का अस्पताल बनाया जाए। खोड़ा मकनपुर में 30 बैड के स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण को भी आगे बढाया जाए। ट्रांस हिंडन क्षेत्र के सौ बैड के अस्पताल को तीन सौ किया जाए। ब्लॉक भोजपुर में 30 बैड के स्वास्थ्य केन्द्र के लिए जमीन उपलब्ध नहीं हो रही है, तिला फारूख नगर रोड पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के स्थापना कराई जाए। वीके सिंह ने अपने पत्र में सौ क्यूसेक गंगाजल का मुद्दा भी उठाया। जिसमें कहा कि जिले के कई क्षेत्रों में खारा पानी है। ऐसे में 2017 में सिंचाई विभाग से 100 क्यूसेक कच्चा गंगाजल उपलब्ध कराने की अनुमति मांगी गई थी जो अभी तक लम्बित है। इस कार्य के लिए सिंचाई विभाग 350 करोड़ रुपए की मांग नगर निगम से कर रहा है जबकि इस व्यय को सिंचाई विभाग द्वारा ही किया जाना चाहिए।

हिंडन नदी में बाढ से बचाव के लिए सफाई बेहद जरूरी है। अधिशासी अभियंता नीरज लांबा ने इसके लिए डीपीआर और रिपोर्ट बनाई थी लेकिन तबादला होने के कारण काम रूक गया।

संक्षिप्त समाचार

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह पर 'मेरी माटी, मेरा देश' एवं हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पुलिस आयुक्त कार्यालय पर अधिकारियों/कर्मचारियों को पंचप्रण की शपथ दिलाई गई।

नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों को बांटी किट

गाजियाबाद। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटीज की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ ने सफाई किट का वितरण किया। सफाई किट सफाई मित्रों को दी गई। इस कार्यक्रम मे नगर निगम के हेल्थ अफसर डॉ. मिथिलेश कुमार, नंदग्राम से नगर निगम पार्षद वीरेन्द्र त्यागी आदि मौजूद रहे। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटीज अलग अलग प्रोग्राम करती है। जिससे सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जा सके। इसी क्रम में एक कार्यक्रम का आयोजन सोसायटीज की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम में मेयर सुनीता दयाल को भी शरीक होना था। मगर किन्हीं कारण से वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकी। नगर आयुक्त डॉ0 नितिन गौड़ ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों के स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए किट वितरित की। ताकी सफाई के साथ साथ वह अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रख सके। नगर आयुक्त ने इस दौरान सभी सफाई मित्रों से कहा कि वह स्वस्थ्य रहे इसके लिए नगर निगम भी कदम उठा रहा है। सफाई के साथ सफाई नायक अपने और परिवार के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखे।

पुलिस ने दबोचा चोरों का अंतराज्जीय गैंग

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक थाने के एसएचओ उमेशचंद्र नैथानी की टीम को उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी कि जब चोरी करके भाग रहे चोरों के अंतर्राज्जीय गैंग के दो शातिर अपराधियों को घेरकर दबोच लिया। पकड़े गये बदमाशों के पास से चोरी किये गये जेवरात, पैसे व मोबाइल के अलावा तमंचे भी बरामद हुए। यह जानकारी देते हुए एसीपी वेब सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने जिन शातिर चोरों को दबोचा है उनके नाम सलमान निवासी कसाईवाड़ा कोतवाली बुलंदशहर एवं चांद निवासी मौहल्ला व्यापारियान ककोड़ बुलंदशहर हैं। ये बदमाश दिल्ली एनसीआर के अलावा कई जनपदों में चोरी व सेंधमारी जैसी दो दर्जन वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

रेलवे लाइन में आई खराबी

गाजियाबाद। मुरादाबाद-अलीगढ रेल रूट पर कोटगांव फाटक के पास कांटा खराब होने के चलते दो घंटे तक यह रूट प्रभावित रहा। इसकी वजह से एक दर्जन से अधिक इस रूट पर जाने वाली ट्रेनें लेट हो गई। सुबह चार बजे रेलवे अधिकारियों को इस खराबी का पता चला इसके बाद लाइन को ठीक करने का काम शुरू कराया गया व इस रूट पर परिचालन रोका गया। दो घंटे की मशक्कत के बाद लाइन को सुबह छह बजे ठीक किया गया और फिर ट्रेनों का परिचालन रूट पर सामान्य रूप से शुरू किया। ट्रेक में आई खराबी के चलते सुबह के समय चलने वाली लखनऊ शताब्दी, मुरादाबाबाद एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, पूर्णागिरी जन शताब्दी एक्सप्रेस, काठगोदाम शताब्दी एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस, सम्भलपुर एक्सप्रेस, नेताजी एक्सप्रेस, गाजियाबाद टूंडला आदि ट्रेनें प्रभावित हुई।

विद्युत विभाग के अधिकारियों पर हुआ मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना क्षेत्र में हिसाली गांव के पास एचटी लाइन की चपेट में आकर एसी व डीफ्रिजर से भरा ट्रक जलकर खाक हो गया था। इतना ही नहीं उक्त हादसे में राजस्थान निवासी ट्रक चालक लक्ष्मण व उसके साथी की की भी मौत हो गई थी। उक्त घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे मृतकों के परिजनों ने मुरादनगर थाना पुलिस को तहरीर देते हुए लक्ष्मण और उसके साथी की मौत के लिये विद्युत विभाग के अधिकारियों को कसूरवार ठहराया। पुलिस के मुताबिक तहरीर मिलने के बाद उक्त मामले की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो प्राधिकरण के खिलाफ किसानों का धरना जारी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 84 दिनों से किसानों का धरना प्रदर्शन चल रहा है। बुधवार को भी भारी संख्या में किसान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाहर जमे रहे। इस दौरान महिलाओं ने भी बढ़.चढ़कर इस धरना प्रदर्शन में हिस्सा लिया। सभी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि जब तक उनकी सभी मांगे पूरी नहीं होगी तब तक उनका धरना और प्रदर्शन इसी तरह से चलता रहेगा। डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि 10 प्रतिशत आबादी प्लाट, खेतिहर मजदूरों के प्लाट, रोजगार और नए कानून को लागू करने के संबंध में एवं अन्य मुद्दों पर सीईओ स्तर से बातचीत होनी है।

ऑनलाइन जूलरी मालिकों को ठगने वाले 4 गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● पहले क्रेडिट कार्ड धारक को ठग कर उसी पैसे से खरीदते थे गोल्ड, 2 लाख कैश बरामद

पहले क्रेडिट कार्ड धारक को ठग कर उसी पैसे से खरीदते थे गोल्डए 2 लाख कैश बरामद साइबर टीम व थाना सेक्टर 20 नोएडा पुलिस ने संयुक्त रूप से क्रेडिट कार्ड का अमाउंट बढ़ाने के नाम पर ठगी कर, उसी अमाउंट से गोल्ड लोन खरीदने के नाम पर दोबारा ठगी करने वाले अन्तर्राज्यी गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर इनको गिरफ्तार किया है। इनका कोई भी स्थायी ऑफिस नहीं है। ये फोन और लैपटॉप से आपरेट करते थे। इनकी पहचान भुपेन्द्र पुत्र मुकेश कुमार, हिमांशु पुत्र सुनील कुमार, ध्रुव रहलान पुत्र अशोक कुमार और सचिन परिहार पुत्र अनिल हुई है। डीसीपी ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है। जिसका मुख्य सदस्य भूपेन्द्र है।

ये पहले भी हैदराबाद में इसी मामले में जेल जा चुका है। उन्होंने बताया कि इनका टारगेट जूलरी शॉप होती थी। जांच के बाद इस गिरोह को पकड़ा गया। डीसीपी ने बताया कि ये लोग धोखाधड़ी करके बैंक से विवरण लेकर खाता धारक को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए फोन करते थे। उससे कार्ड की डिटेल लेकर ये जूलरी शॉप को फोन करके गोल्ड के आभूषण और सिक्कों को खरीदने के लिए बातचीत करते थे। इसके बाद खरीदे गए सिक्कों एवं आभूषण की क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन पेमेंट कर देते थे। सिक्के और आभूषण लेने के लिए खुद नहीं जाते थे।

शासन स्तर पर तय होगा चिल्ला एलिवेटड का भुगतान

● 801 करोड़ होना है निर्माण, दो राज्यों को जोड़ेगी एलिवेटेड, 5 लाख लोगों को होगा फायदा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दिल्ली को नोएडा से जोड़ने चिल्ला एलिवेटेड का निर्माण एक बार फिर पेमेंट मोड पर आकर फंस गया है। प्राधिकरण और ब्रिज कॉर्पोरेशन के साथ बैठक हुई। बैठक में ब्रिज कॉर्पोरेशन ने ईपीसी पेमेंट मोड की बात की। इसमें पेमेंट प्रोजेक्ट को स्टेज वाइज दिया जाता है।

प्राधिकरण आइटम बेस्ड पेमेंट देने के लिए तैयार है। प्राधिकरण के डीजीएम श्रीपाल भाटी ने बताया, जिस मोड में ब्रिज कॉर्पोरेशन कह रहा है वह नोएडा प्राधिकरण के नियम में नहीं है। इसलिए इसका फैसला शासन स्तर पर लिया जाएगा। डीजीएम ने बताया, पहले 13 अगस्त को होने वाली बोर्ड में इसे लाया जाएगा। वहां से निर्णय लेने बाद मिनट्स और ब्रिज कॉर्पोरेशन की डिमांड शासन को भेज दी जाएगी। निर्णय लेने के बाद ही टेंडर की प्रक्रिया की जाएगी। उन्होंने बताया, चिल्ला एलिवेटेड का 13 प्रतिशत काम ही हो सका है। एलिवेटेड निर्माण का सुपरविजन भी नोएडा प्राधिकरण को करना है। ऐसे में प्राधिकरण के सीईओ इस प्रोजेक्ट में अब कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे। ये एलिवेटेड दिल्ली और नोएडा के बीच ऐसा इंटर सेक्शन होगा जिसके जरिए लोग नोएडा एक्सप्रेस वे तक सीधे जा सकेंगे। इस एलिवेटेड को दिल्ली के मयूर विहार फ्लाइ ओवर से जोड़ा जाएगा। यानी जिन वाहन चालकों को यमुना या लखनऊ एक्सप्रेस वे जाना है।

वे इस इसका प्रयोग कर सीधे एक्सप्रेस पर जा सकेंगे। इससे 5 लाख वाहन चालकों को जाम से निजात मिलेगा। चिल्ला एलिवेटेड का शिलान्यास खुद मुख्यमंत्री ने किया था। वर्तमान में वाहन चालकों को नोएडा प्रवेश द्वार से महामाया फ्लाई ओवर तक का जाम झेलना पड़ता। इनको महज 4.50 किमी के इस पैच को पार करने में 30 मिनट का समय लग जाता है। एलिवेटेड के बनने से उनको जाम में नहीं फंसना होगा। इसके अलावा अक्षरधाम, मयूर विहार से नोएडा, परी चौक, कालिंदी कुंज, सरिता विहार से आने वाले वाहन चालकों को जाम नहीं मिलेगा।एलिवेटेड को बनाने की जिम्मेदारी ब्रिज कॉर्पोरेशन की है। जो जल्द ही टेंडर जारी करने जा रहा है। इसके निर्माण में 801 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें प्राधिकरण 74 करोड़ का काम पहले ही पूरा कर चुका है।

ये एलिवेटेड दो राज्यों को कनेक्ट करेगी। इसलिए एग्रीमेंट के तहत 50: पैसा केंद्र सरकार करीब 393 करोड़ रुपए लेकर आएगा। बाकी 50: नोएडा प्राधिकरण खर्च करेगा। परियोजना वर्ष 2008 में तैयार की थी, लेकिन वर्ष 2019 में धरातल पर उतर सकी। हालांकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिलान्यास के बावजूद भी इसका काम पूरा नहीं हो सका। इसका फिजिकल काम 13 प्रतिशत हो चुका है। इसकी नई डेड लाइन मार्च 2025 तय की गई है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General public thatMr. Neeraj Achhals absolute owner ofEntire First Floor (Without Roof Rights), "Said Floor", Built on Property Bearing No. E-474, land area measuring 527 Sq. yds. Situated at Greater Kallash Part-II, New Delhiby way ofSale Deed, dated 31.05.2018, Doc No-3241,executed by Mr. Anup Malhotra. Now Mr. Neeraj Achhais mortgaging the said property with HDFC Bank Ltd.& in case anyone has any objection, the same may be raised within 07days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/ 9818228636 (M).

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Shashi Prabha, W/o Ashwani Malik, Cont. 9711811153, Email: sarladevie16@gmail.com , R/o. DDA Built-Up SFS Flat No-12C Second Floor Block-GH-10 CAT-II Paschim Vihar Delhi, has applied for the conversion of aforesaid property. The original documents like Original 5th And Final Allotment Letter, DDA Possession Letter, Water And Electric NOC Of DDA Built-Up SFS Flat No-12C Second Floor Block-GH-10 CAT-II Paschim Vihar Delhi, issued by DDA, of aforesaid property have been lost somewhere in DDA Market Paschim Vihar New Delhi. An F.I.R to this effect has been lodged in police station on dated 01/08/2023. Any person(s) claiming any right, having any objection or found in possession of original document may write/ contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice & can personally contact- Deputy Director (LAB Housing) D-Block , 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PEARL GLOBAL INDUSTRIES LIMITED

Regd.Off.: C-17/1, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi - 110057
Email: investor.pgil@pearlglobal.com; Website: www.pearlglobal.com; CIN: L74899DL1989PLC036849

NOTICE OF LOSS OF SHARE CERTIFICATE

Notice is hereby given that the share certificates as per details given below have been reported lost by the shareholder and he has applied for issue of duplicate share certificate.

F. No.	Name of the Shareholder	Cert. No.	Distinctive No.	No. of Shares
001997	Narendra Bhattad Jointly with Shakun Bhattad	2108	19719889-19720888	1000

Any person who has a claim in respect of the aforesaid certificates should lodge the claim with the undersigned so as to reach our New Delhi office within 15 days from the date hereof. The Company will proceed to issue duplicate share certificates after the expiry of the said period of 15 days and shall not entertain claims received subsequently.

For Pearl Global Industries Limited
Sd/-
(Shilpa Budhia)
Company Secretary

Date : August 9, 2023
Place : New Delhi

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS" and "AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

Case Details	Asset Details
ICICI BANK LTD VS AKSHAY GIRI, OA 494/2019; IA 2240/2019	Vehicle No. UP14GT8288, Make and Model-SML SAMRAT, Manu Year-2017
ICICI BANK LTD VS HARNAM SINGH BAWA, CS (COMM) No. 483/2022	Vehicle No. HR26EF8839, Make and Model-MARUTI SWIFT, Manu Year-2020
ICICI BANK LTD. VS. SANJU KUMAR, CS (COMM) 2975/19	Vehicle No. UP16FT6541, Make and Model-HYUNDAI MOTORS INDIA LTD XCENT, Manu Year-2018
ICICI BANK LTD VS MOHD HANEEF, CS (COMM) No. 1192/2022	Vehicle No. DL5CS7599, Make and Model-HYUNDAI I20, Manu Year- 2021

Auction Date: August 25, 2023 From 11:00 am to 2:00 pm.
Place of Auction:- Godara Yard, Khewat No. 166/1, Near Atul Kataria Chowk, Behind Gyan Devi, School, Sec-17, Sukhrali, Gurugram- 122022
Contact Person- Swapnil Upadhyay (8126013708)/ Rajeev Ranjan (8584874809)

Case Details	Asset Details
ICICI BANK LTD VS SANJAY KUMAR, CS (COMM) 2884/19	Vehicle No. UP14HT5870, Make and Model- ASHOK LEYLAND LTD PARTNER, Manu Year-2019

Auction Date: August 25, 2023 From 11:00 am to 2:00 pm.
Place of Auction: Mahakal Parking yard,Khasra No 527 Village Banthla Near Indane Gas Plant Loni Ghaziabad-UP, 201102
Contact Person- Swapnil Upadhyay (8126013708)/ Rajeev Ranjan (8584874809)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to come at auction site with original KYC documents to participate in the auction. .
Successfully bidder shall have to deposit sale amount within 5 days from the approval date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT.
The intending bidders may visit at ICICI Bank Ltd, SHAL TOWERS, Plot No 23, New Rohtak Road, Karol Bagh Delhi- 110005 for details and inspection of the said hypothecated vehicles.

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

मुरादनगर। रावली सुराना मार्ग पर गांव मिल्क रावली गेट के सामने सुबह सात बजे के आसपास बाइक व कार की आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक गाजियबाद डयूटी जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार को कब्जे में ले लिया है।

निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव ग्यासपुर निवासी धर्मपाल सिंह अपनी पत्नी कुसुम व पुत्र सुमित कुमार के साथ रहते हैं। उनका 25 वर्षीय इकलौता पुत्र सुमित कुमार गाजियाबाद की एक निजी कंपनी में नौकरी करता था।

200 करोड़ की एफडी मामले में जांच पूरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सीईओ को एक सप्ताह में सौंपी जाएगी रिपोर्ट, 25 से ज्यादा लोगों के दर्ज हुए बयान

नोएडा प्राधिकरण से जुड़े 200 करोड़ रुपए की एफडी मामले में प्राधिकरण अधिकारी.कर्मचारियों व बैंक के स्टॉफके बयान लेने का काम पूरा हो गया है। अब सभी साक्ष्य व बयानों को एकत्रित कर फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट जांच समिति सीईओ को सौंप देगी। इस प्रकरण में 25 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज हुए है।

प्राधिकरण ने करीब डेढ़ महीने पहले सेक्टर-62 स्थित बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच में 200 करोड़ रुपए एफडी के लिए जमा कराए थे। इन पैसों को जालसाज ने फर्जी तरीके से दूसरे खातों में ट्रांसफर कराना शुरू कर दिया। पहली बार में 2 करोड़ 90 लाख रुपए ट्रांसफर करा दिए जबकि दूसरी 9 करोड़ रुपए और ट्रांसफर कराए लेकिन इस बीच फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। जालसाज़ की साजिश पूरे 200 करोड़ रुपए की हड़पने की थी। इस मामले में कोतवाली सेक्टर-58 में एफआईआर के अलावा प्राधिकरण स्तर पर भी जांच कमेटी गठित कर दी गई थी।

प्राथमिक जांच में नोएडा प्राधिकरण के सीएफओ मनोज कुमार सिंह की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। इस मामले में सीईओ ने नोटिस जारी कर जबाब मांगा। सीएफओ की ओर से दिए गए जबाब से सीईओ संतुष्ट नजर नहीं आए।

सार्वजनिक सूचना- पहचान पत्र खो जाना

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता के ध्यान में लाना है कि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा जारी **श्री तरूण कुमार** का एक आईडी कार्ड। आईडी कार्ड नं **2303546 दिनांक 31 जुलाई 2022 दोपहर 13.08** को लापता और/या खो गया पाया गया है। जो कोई भी उक्त आईडी कार्ड पाता है, उससे अनुरोध है कि उक्त आईडी कार्ड प्रबंधक ऋण सेवा एवं प्रबंधन समूह, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, को वापस कर दें।
इसलिए, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के सभी ग्राहकों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त आईडी कार्ड नंबर **2303546** धारण करने वाले किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को कोई भुगतान न करें।
कृपया आगे ध्यान दें कि उक्त आईडी कार्ड रखने वाले किसी भी व्यक्ति को भुगतान करने वाला कोई भी व्यक्ति अपनी लागत, जोखिम और जोखिम पर ऐसा करेगा और आईसीआईसीआई बैंक किसी भी भुगतान के लिए बाध्य और/या जिम्मेदार नहीं होगा।

दिनांक: 10/08/2023
स्थान: दिल्ली

के लिए :-
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
एस.डी.

सार्वजनिक सुचना

आम जनता को सूचित करने के संबंध में कि अपार्टमेंट फ्लैट नंबर 724, सिद्धि टॉवर, महागुनपुरम NH-24 गाजियाबाद, संबंधित फ्लैट सुपर एरिया-1100 sqft एवं बिल्डअप एरिया-900 sqft स्क्वायर फीट अनुमोदित है को इंडिया इंफोलाइन फाइनेंस लिमिटेड ने क्रय करता वंदना राणा धरम पत्नी उत्तम सिंह राणा को दिनांक 8.3. 2019 विक्रय राशि 2737000 कर दिया ,जिसकी रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्ट्रार गाजियाबाद, जिला गाजियाबाद में बही नंबर 1 रजिस्ट्रेशन संख्या 1644 पर दिनांक 8.3. 2021 को रजिस्टर होकर दर्ज हुई अतः इसके साथ ही यह निर्धारित हो गया कि उपरोकण अपार्टमेंट का मालिकाना हक वंदना राणा के पक्ष में कर दिया गया। यदि किसी व्यक्ति आदि को उक्त अपार्टमेंट के स्वामित्व या मालिकाना हक या उसकी बिक्री/ बंधक आदि पर कोई आपत्ति है तो वह कृपया 07 दिन के अंदर निम्न हस्ताक्षर कर्ता अधिवक्ता को दिये हुए पते पर लिखित रूप से सूचित करें अन्यथा यह समझा जायेगा कि उपरोक्त अपार्टमेंट सभी अतिक्रमणों से मुक्त है और इसपर किसी अन्य व्यक्ति आदि का कोई दावा नही है।

RAHUL CHAUDHARY(Advocate)
Chamber no. 565 Civil Court
Rajanagar Ghaziabad, 9582938685

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	नलिन मोहन अग्रवाल/रचित अग्रवाल/बृज नारायण अग्रवाल/ मिथलेश अग्रवाल/ LBNOD00001882522	फ्लैट नंबर-1001, 10वीं मंज़िल, एचबीटीएन-टावर-16, यूनिटेक हैबिटेट, प्लॉट नंबर-09, सेक्टर-पीआई-II, ग्रेटर नोएडा/ अगस्त 07, 2023	अप्रैल 28, 2023/ रु. 12,20,019/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	दिलीप कुमार पटेल/ राधा पटेल/ LBDEL00004105521	प्लॉट नंबर सीई-322, ब्लॉक सी अंसल गोल्फ लिंक्स-I ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301/ अगस्त 07, 2023	मार्च 09, 2023/ रु. 46,33,928/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अगस्त 10, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

कंस्ट्रक्शन साइट में घुसे बदमाश की गोली लगने से हुई मौत

● पूछताछ के लिए पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में मंगलवार रात बदमाशों ने एक कंस्ट्रक्शन साइट पर धावा बोल दिया। वे यहां से लोहा चोरी करके ले जाने लगे। इस दौरान बदमाशों और सिक्योरिटी गार्ड के बीच फायरिंग हुई। गोली लगने से एक बदमाश की मौत हो गई। काउंटर फायरिंग होने से बदमाश सरिया लूटकर ले जाने में कामयाब नहीं हो पाए। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में ले रखा है।

एसीपी निमिष पाटिल ने बताया ये वारदात विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित प्रताप विहार में हुई है। यहां पर इयोटोपिया हाउसिंग सोसाइटी निर्माणाधीन है। मंगलवार रात करीब 11 बजे 3.4 चोर यहां पर घुस आए और सरिया चोरी करके ले जाने लगे। आहट हुई तो सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें ललकारा। चोरों ने गार्ड के ऊपर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में गार्ड ने भी गोली चलाई। इसमें एक चोर की गोली लगने से मौत हो गई है। बाकी चोर फरार हो गए।

गार्ड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। डीसीपी निपुण अग्रवाल और एसीपी निमिष पाटिल ने भी घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड से पूरी घटना की जानकारी ली। सिक्योरिटी गार्ड ने जो घटनाक्रम बताया है, प्रथम दृष्टया वो सही लग रहा है। ये जांच का विषय है कि पहली गोली किसने चलाई। फिलहाल सुरक्षाकर्मी को हिरासत में ले रखा है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मौलवी पर एनएसए को बोर्ड ने दी मंजूरी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के रासुका बोर्ड ने गाजियाबाद की मस्जिद के पूर्व मौलवी अब्दुल रहमान पर लगाई गई राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम रासुका को मंजूरी दे दी है। अब्दुल रहमान अब एक साल तक जेल से बाहर नहीं निकल पाएगा। आरोप है कि रहमान ने एक नाबालिग जैन लड़के को ब्रेनवॉश करके नमाज पढ़ाई और धर्मांतरण की तरफ धकेला। रहमान के साथी खान शहनवाज मकसूद उर्फबद्दो की फाइल शासन में गई हुई है। इस पर भी जल्द संज्ञान लिया जाएगा।

30 मई को गाजियाबाद के राजनगर में रहने वाले एक जैन परिवार ने पुलिस को शिकायत की। बताया कि उनका नाबालिग बेटा घर से पांच बार जिम के नाम पर निकलता है और मस्जिद में नमाज पढ़ने जाता है। गैजेट्स की जांच से पता चला है कि वह मुंबई के बद्दो नामक व्यक्ति के संपर्क में था। वह जाकिर नाइक से भी प्रभावित है। पुलिस ने इस मामले में मुंबई के खान शहनवाज मकसूद उर्फ बद्दो और गाजियाबाद की मस्जिद के मौलवी अब्दुल रहमान पर एफआईआर दर्ज की। अब्दुल रहमान और 11 जून को बद्दो पकड़ा गया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 10 अगस्त , 2023

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी 263 डॉक्टर बने सीएमओ

उपराज्यपाल ने वर्ष 2018 से लंबित डॉक्टरों की पदोन्नति को मंजूरी दी, बेहतर सुविधा देने में मिलेगी मदद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विभिन्न अस्पतालों में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के रूप में तैनात 263 डॉक्टरों को पदोन्नति देकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने डॉक्टरों के प्रमोशन को मंजूरी दे दी है। इन डॉक्टरों का वर्ष 2018 से प्रमोशन रुका हुआ था। कार्यभार संभालने के बाद से ही एलजी भर्ती नियमों में बदलाव पर जोर दे रहे हैं। उपराज्यपाल कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन डॉक्टरों की पदोन्नति पिछले 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित थी और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के पद पर पदोन्नति से संबंधित फाइल तब स्थानांतरित की गई जब एलजी सक्सेना ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कर्मचारियों को लालफीताशाही खत्म कर जल्द से जल्द इन्हें पदोन्नति दी जाए। ये डॉक्टर दिल्ली सरकार के अस्पताल जैसे पंडित दीन दयाल उपाध्याय, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, लोक नायक अस्पताल, बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल, दीप चंद बंधु अस्पताल, अरुणा आसफ अली सरकारी अस्पताल, जी.बी. पंत अस्पताल, डीजीएचएस, स्कूल स्वास्थ्य योजना, मोबाइल स्वास्थ्य योजना आदि में काम कर रहे थे। उपराज्यपाल का कार्यभार संभालने के बाद से ही सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों और चिकित्सा अधिकारियों व स्वास्थय कर्मचारियों को बेहतर सेवा और सुविधाएं प्रदान करने पर जोर दे रहे हैं। एलजी ने उनकी पदोन्नति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कई मौकों पर इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कर्मचारियों की सेवा शर्तें, पदोन्नति और पेंशन कानून के अनुसार सुनिश्चित की जाए और लालफीताशाही और विभागीय उदासीनता के कारण इनमें देरी नहीं होनी चाहिए। उपराज्यपाल यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती नियमों में बदलाव पर भी जोर दे रहे हैं जिससे नई नियुक्तियां और पदोन्नति जल्द से जल्द हो सकें।

इस वर्ष जनवरी में उपराज्यपाल ने विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत 139 डॉक्टरों (गैर-शिक्षण विशेषज्ञों) को ग्रेड- दो से ग्रेड एक में पदोन्नत करने को मंजूरी दी थी। इन सभी पात्र डॉक्टरों की पदोन्नति 4 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद वर्ष 2020/2021 से लंबित थी।

जुलाई माह में एलजी ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में 777 संविदा पैरा-मेडिकल कर्मचारियों की सेवाओं को 1 जुलाई 2023 से एक वर्ष के लिए या जब तक वे डीएसएसएसबी के माध्यम से खुली भर्ती के लिए आवेदन करने का एक अवसर नहीं पाते हैं, तब तक सेवाओं के विस्तार को मंजूरी दी थी। उपराज्यपाल ने पिछले महीने दिल्ली स्वास्थ्य सेवा सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) नियम, 2016 के तहत 8 चिकित्सा अधिकारियों (होम्योपैथिक) और 23 मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (एनएफएसजी) को मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (एसएजी) में पदोन्नति देने को भी मंजूरी दी थी।

70 हजार में खरीदकर की शादी फिर गला घोंटकर कर दी हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी जिला पुलिस ने पिछले दिनों एक महिला की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। महिला शव पांच अगस्त को झील खुर्द फतेहपुर बेरी इलाके में मिला था।

महिला की उसके पति ने ही दो रिश्तेदारों के साथ मिलकर हत्या की थी। आरोपी पति ने महिला को 70 हजार रुपए में खरीदा था। मगर उसकी हरकतों से परेशान रहने लगा। जिसके बाद उसने साजिश कर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर शव को जंगल में ले जाकर फेंक दिया था। पुलिस ने महिला के पति अरुण, रिश्तेदार धर्मवीर व सत्यवान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि गत पांच अगस्त को झील खुर्द फतेहपुर

बेरी के पास जंगल में एक महिला की लाश मिली थी। काफी कोशिश के बाद भी महिला की पहचान नहीं हो सकी। टेक्निकल और मैन्युअल सर्विलांस के जरिए चार-पांच अगस्त की रात लगभग 1.40 बजे एक संदिग्ध ऑटो नजर आया।

फतेहपुर बेरी थाने में हत्या व साक्ष्यों को नष्ट करने के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर की गई। पुलिस ने ऑटो रजिस्ट्रेशन नंबर के जरिए चालक अरुण तक पहुंच गई। इसे 60 फुटा रोड छतरपुर एरिया से पकड़ा गया। आरोपी से की गई पूछताछ के बाद मृत महिला की

पति ने रिश्तेदारों की मदद से की थी पत्नी की हत्या, शव को जंगल में फेंका, तीन गिरफ्तार

पहचान धर्मवीर की पत्नी स्वीटी के रूप में हुई। आरोपी ने बताया कि धर्मवीर उसका बहनोई है। वारदात में एक अन्य आरोपी सत्यवान शामिल है। वह उसका साढ़ू है।

उसने बताया कि उन्होंने पहले हरियाणा बार्डर के पास स्वीटी की गला घोंटकर हत्या की, फिर उसकी लाश को जंगल इलाके में लाकर ठिकाने लगा दिया। उसने बताया धर्मवीर अपनी पत्नी के व्यवहार से खुश नहीं था,। मृतक स्वीटी के माता-पिता या उसके पिछले पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में कोई नहीं जानता। क्योंकि धर्मवीर ने एक अज्ञात महिला से स्वीटी को 70 हजार रुपये देकर शादी के लिए खरीदा था। स्वीटी सिर्फ यही बताती थी कि वह पटना बिहार की रहने वाली है।

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के मौके पर बुधवार को आम लोगों, छात्राओं और बच्चों ने 'तिरंगा पदयात्रा' में भाग लिया। फोटो: रंजन डिमरी

'विस सत्र बुलाने में नियमों का हो रहा खुला उल्लंघन'

विपक्ष बाढ़ से निपटने में नाकामी, भ्रष्टाचार के मामलों की फाइलों की चोरी, डीजेबी और डीटीसी के घाटे के मुद्दों पर घेरेगाः भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा सत्र में भाजपा आम आदमी पार्टी की सरकार को एक्साइज पॉलिसी, फीडबैक यूनिट, सीएम आवास का नवीनीकरण, विज्ञापन घोटाले और आधी रात को सचिवालय से इधर-उधर कराने के

मुद्दे पर घेरेगी। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ल परिवहन निगम के बढ़ते घाटे का मामला भी जोरशोर से उठाने की योजना बनाई है।

प्रदेश भाजपा के नेताओं का आरोप है कि 16 और 17 अगस्त को होने वाले विधानसभा सत्र सारे नियम-कायदों को तोड़कर बुलाया जा रहा है लेकिन केजरीवाल सरकार की हर समस्या पर विफलता को भाजपा उजागर करेगी। साथ ही उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से विधायकों के संवैधानिक हितों की रक्षा करने का भी अनुरोध किया गया है क्योंकि इस बार भी सरकार ने प्रश्नोत्तर काल न रखने का फैसला किया है।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में उन ज्वलंत सवालों का जिक्र किया जिनका जवाब विधानसभा सत्र में देने के लिए आम आदमी पार्टी सरकार से मांगने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ आई और प्रत्येक नाजुक मौके की तरह इस बार भी आप सरकार नाकाम साबित हुई। बाढ़ के बाद आई फ्लू और डेंगू तेजी से फैल रहा है लेकिन दिल्ली सरकार ने लोगों को संक्रामक बीमारी से बचाने का कोई जमीनी प्रयास नहीं किया।

बिधूड़ी ने कहा कि इसके अलावा भाजपा दिल्ली सरकार से जवाब मांगेगी कि फैसला आने के बाद एक्साइज पॉलिसी, फीडबैक यूनिट, सीएम आवास का नवीनीकरण, विज्ञापन घोटाले और निजी बिजली कंपनियों को गैरकानूनी रूप से लाभ पहुंचाने की फाइलें आधी रात को सचिवालय से क्यों हटाई गईं। पिछले पांच सालों में जल बोर्ड का घाटा 72 हजार करोड़ को पार कर गया है।

चांदनी चौक जल्द होगा जाम मुक्त

बहुमंजिला पार्किंग के प्रारूप को देखते मेयर शैली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना पूरा होने के बाद लगभग 2300 कारों की पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी

ऐतिहासिक चाँदनी चौक में लोगों को यातायात जाम से जल्द निजात मिलेगी। यहां पीपीपी मॉडल पर गांधी मैदान मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना को विकसित किया जा रहा है। इस मल्टी लेवल पार्किंग में लगभग 2300 कारों की पार्क करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

महापौर शैली ओबरॉय ने बुधवार को चांदनी चौक क्षेत्र में दिल्ली नगर निगम द्वारा विकसित की जा रही बहुमंजिला पार्किंग का निरीक्षण किया। इस दौरान निगम अधिकारियों ने उनको परियोजना की कार्य योजना, निर्माण और परिसर में विकसित की जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। मेयर अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश जारी दिए ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द इस सुविधा का लाभ मिल सके।

शैली ओबेरॉय ने कहा कि अभी पार्किंग की बेहतर सुविधा उपलब्ध नहीं होने से गाडियां सड़क पर खड़ी रहती हैं।

इससे सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा होती है। चांदनी चौक में एक महीने के भीतर पार्किंग की सुविधा मिलने लग जाएगी। उन्होंने कहा कि निगम के इस प्रोजेक्ट से क्षेत्र में पार्किंग की समस्या का समाधान होगा और ऐतिहासिक चांदनी चौक क्षेत्र में यातायात भी सुगम होगा।

ऐतिहासिक चांदनी चौक एक शॉपिंग हब भी है, जहां देश के कोने-कोने से नागरिक खरीदारी करने आते हैं। इस लिहाज से यह प्रोजेक्ट बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सोफा कारखाना और प्लाईवुड फैक्टरी में लगी आग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में आग की अलग-अलग घटनाओं में दो पुलिसकर्मियों समेत नौ लोग झुलस गए। आग से झुलसे लोगों को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात दो बज कर पांच मिनट पर फोन आया कि कबाड़ के कारोबार के लिए मशहूर मार्केट में दो मंजिला सोफा कारखाने में आग लग गई है। मौके पर पहुंची अग्निशमन की पांच गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग सोफा सप्रिंग के पैकिंग बॉक्स में लगी थी और आग से भूतल पर रखा एक गोंद का ड्रम भी फट गया। आग से सात लोग मामूली रूप से झुलस गए

गांधी नगर में आग को बुझाते दमकलकर्मी

दो पुलिसकर्मियों समेत नौ घायल, झुलसे सात लोगों को इलाज के बाद दी गई छुट्टी

और उन्हें दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि घायल लोगों की पहचान राकेश, राम निवास, संतोष, हरिचंद, विक्रांत, किशन और इंद्रजीत के रूप में हुई है। हेड कांस्टेबल रणधीर सिंह और विक्रांत भी इस घटना में झुलस गए। पुलिस के अनुसार, मायापुरी फेज-2 में कारखाने में लोहे के सप्रिंग (सोफे बनाने में इस्तेमाल होने वाले) का कारोबार होता था। अपराध जांच दल को भी मौके पर बुलाया गया। उन्होंने बताया कि मायापुरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

दूसरी घटना में पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर इलाके में एक प्लाईवुड फैक्टरी में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। दमकल की 21 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। मध्य मंडल के मंडलीय अधिकारी राजेंद्र अटवाल ने पहले बताया था, उन्हें प्लाईवुड गोदाम में आग लगने के बारे में सुबह चार बजकर सात मिनट पर सूचना मिली जिसके बाद हमने दमकल की तीन-चार गाड़ी भेजीं।

राघव चड्ढा की शिकायत विशेषाधिकार समिति से की

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कुछ सांसदों की उन शिकायतों को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया, जिनमें आरोप लगाया गया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने नियमों का उल्लंघन करते हुए उनकी सहमति के बिना सदन की एक समिति में उनका नाम शामिल करने का प्रस्ताव किया।

सभापति को उच्च सदन के सदस्यों से शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों में राघव पर अन्य बातों के साथ-साथ सात अगस्त को एक प्रस्ताव पेश करके प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों का उल्लंघन करते हुए सहमति के बिना उनके नाम शामिल करने का आरोप लगाया।

बिना यौन मंशा के किसी महिला को गले लगाना अपराध नहीं: बृजभूषण सिंह

पायनियर समाचा सेवा। नई दिल्ली

महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बुधवार को अदालत से कहा कि बिना यौन मंशा के किसी महिला को गले लगाना या स्पर्श करना कोई अपराध नहीं है। अदालत ने बुधवार को इस बिंदु पर दलीलें सुनना शुरू किया। सिंह की ओर से उनके वकील राजीव मोहन ने अदालत से कहा कि आरोप काफी पुराने हैं।

कृत्रिम आधार नहीं टिकेंगे कि मुझपर (शिकायतकर्ता पर) खतरा था। यदि आप (शिकायतकर्ता) स्वतंत्र रूप से घूम रही हैं और पांच साल तक आप सामने नहीं आईं एवं फिर कह रही हैं कि आप पर खतरा है, तो यह वैध स्पष्टीकरण नहीं है। वकील ने कहा कि इस अदालत का इस मामले की सुनवाई करने का क्षेत्राधिकार नहीं है क्योंकि अपराध भारत के बाहर किए जाने का आरोप है। यदि इन आरोपों को लें तो भारतीय क्षेत्राधिकार बस तीन आरोपों में आता है। भारत के बाहर हुए अपराधों पर मंजूरी के अभाव में सुनवाई नहीं हो सकती है।

दो अपराध अशोक रोड और सिरी फोर्ट से जुड़े हैं। सिरी फोर्ट का अपराध आलिंगन करने का है। बिना किसी आपराधिक बल प्रयोग या यौन मंशा के किसी महिला को स्पर्श करना अपराध नहीं है। मोहन ने कहा, कुश्ती ऐसा कार्यक्रम है जहां ज्यादातर कोच मर्द हैं। महिला कोच बमुश्किल हैं। यदि कोई किसी उपलब्धि के बाद खुशी के मारे किसी खिलाड़ी को गले लगा रहा है तो यह अपराध की श्रेणी में नहीं आ सकता है। कार्यक्रम ऐसा है कि यदि कोई मर्द कोच चिंतित होकर किसी खिलाड़ी को गले लगाता है तो यह अपराध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

प्रो एके भागी और अन्य पदों के लिए पैनल के अन्य उम्मीदवार

डूटा अध्यक्ष के लिए प्रो एके भागी बने उम्मीदवार

नई दिल्ली। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट ने डूटा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। डूटा अध्यक्ष और 15 कार्यकारिणी सदस्यों के लिए सितंबर के आखिरी सप्ताह में चुनाव होगा। एनडीटीएफ की ओर से डूटा अध्यक्ष के लिए एक बार फिर से प्रो अजय कुमार भागी मैदान में है। भागी दयाल सिंह कॉलेज में रसायन शास्त्र विभाग में कार्यरत है और वर्तमान में डूटा अध्यक्ष हैं। वह डीयू की अकादमिक और कार्यकारी परिषद में दो -दो बार सदस्य रह चुके हैं। प्रो. भागी ने तीन दशक के राजनीतिक अवधि में शिक्षक और शिक्षा हितैषी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। एनडीटीएफ ने डूटा कार्यकारिणी सदस्य के लिए इस बार पांच उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे हैं जिनमें दो महिलाएं हैं। इन उम्मीद्वारों में डा. अदिति पासवान, समाज शास्त्र विभाग, लक्ष्मीबाई कॉलेज, डा आकांक्षा खुराना, कॉमर्स विभाग, डी सी ए सी कॉलेज , डा अमित खरब, हिंदी विभाग, श्यामलाल कॉलेज, डा चमन सिंह, गणित विभाग, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज और डा कमलेश रघुवंशी, कम्प्यूटर साइंस, रामानुजन कॉलेज से हैं।

अगस्त क्रांति दिवस पर चांदनी चौक में फहराया ध्वज

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर आजादी के लिए शहीद हुए क्रांतिकारियों को नमन करते हुए बुधवसार कों ऐतिहासिक चाँदनी चौक, टाउन हॉल के नजदीक राष्ट्रीश झंडा फहराया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त उन क्रांतिकारियों को याद करने का दिन है, देश को आजादी दिलाने के लिए शहीद हुए थे। अनिल कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका बयान भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण भारत छोड़ो लोगों को सिर्फ गुमराह करने वाला है। क्योंकि भाजपा ने तुष्टीकरण की राजनीति कर, सरकार में भ्रष्टाचार को चरम पर पहुँचा दिया है। देश की पूंजी निजी लोगों के हाथों में सौंप दी है और भाजपा नेता वंशवाद की एक नई पीढ़ी तैयार कर रहे है।

डीयू में जनजातीय अध्ययन केंद्र स्थापित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारत केंद्रित परिप्रेक्ष्य के जरिए जनजातीय प्रथाओं, संस्कृति, भाषा, धर्म, अर्थव्यवस्था, समानताओं और प्रकृति के साथ संबंधों की विविधता को समझने के उद्देश्य से जनजातीय अध्ययन केंद्र की स्थापना की घोषणा की।विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि यह जनजातीय अध्ययन केंद्र मौजूदा समय में और आने वाले भविष्य में जनजातीय समुदाय के संपूर्ण विकास और कल्याण से संबंधित समकालीन मुद्दों को हल करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। अध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निदेशक प्रोफेसर प्रकाश सिंह होंगे और उनके साथ कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक शिक्षाविद प्रोफेसर पायल मागो, विधि संकाय के प्रोफेसर के. रत्नाबलि और भूगोल विभाग के प्रोफेसर वी. एस. नेगी सदस्य के रूप में काम करेंगे।

शहीदी पार्क को केंद्र ने दिए थे 15 करोड़ : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा में आईटीओ स्थित शहीदी पार्क स्थल पर दिल्ली के तीसरे वेस्ट टू वंडर पार्क का निर्माण कराने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा दिये गये 15 करोड़ रूपये के अनुदान से इस पार्क का पुनर्विकास किया गया है और पूरे देश की सांस्कृतिक झलक दिखाता हुआ यह पार्क अब मध्य दिल्ली का एक उत्कृष्ट पर्यटक केन्द्र बनेगा।

नगर निगम छात्रों की यूनिफॉर्म के पैसों में कटौती नहीं

इस साल पूरे 1100 रुपए मिलेंगे, पिछले साल स्पेशल ऑफिसर की वजह से बच्चों को नहीं मिली थी पूरी राशि : गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल ने दावा किया कि दिल्ली नगर निगम स्कूलों के छात्रों की यूनिफॉर्म के पैसों में कोई कटौती नहीं की गई है। पिछले साल भाजपा के स्पेशल ऑफिसर की वजह से बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए पूरी राशि नहीं मिली थी। लेकिन इस साल निगम में आप की सरकार बनने पर पूरे 1100 रुपए मिलेंगे।

पार्षद अंकुश नारंग ने कहा कि शिक्षा मंत्री आतिशी के साथ मेयर शैली ओबरॉय ने स्कूलों का निरीक्षण किया और स्कूलों की मरम्मत के लिए फंड जारी किया है। अभी तक 240 स्कूलों को मरम्मत के लिए चिन्हित किया जा चुका है।दिल्ली नगर निगम के नेता सदन मुकेश गोयल और पार्षद अंकुश नारंग ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा के नेताओं ने मंगलवार को मेयर के ऊपर झूठे आरोप लगाए थे कि निगम स्कूलों के बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए मिलने वाले पैसों में कटौती की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी तरफ से कोई कटौती नहीं की गई है। एमसीडी में 2022-23 में स्पेशल ऑफिसर नियुक्त थे। उनकी जिम्मेदारी बच्चों को समय से यूनिफॉर्म उपलब्ध करवाने की थी। सर्व शिक्षा अभियान के तहत एससी-एसटी वाले बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए 600 रुपए मिलते थे। दिल्ली सरकार 500 रुपए मिलाकर देती थी। इस तरह छात्रों को 1100 रुपए मिलते थे। लेकिन पिछले साल आदेश आया कि 600 रुपए जो केंद्र सरकार की तरफ से मिलता है, वह सीधे बच्चों के खाते में जाएगा। ऐसे में स्पेशल ऑफिसर की जिम्मेदारी थी कि 500 रुपए साथ के साथ ट्रांसफर करवाएं। ऐसे में आप की निगम सरकार ने कोई कटौती नहीं की है।

उन्होंने कहा कि यह गलती केंद्र सरकार की तरफ से बिठाए गए स्पेशल ऑफिसर की थी। उससे आम आदमी पार्टी का कोई लेना देना नहीं था। क्योंकि दिसंबर 2022 में चुनाव हुए और जनवरी 2023 में पार्षदों ने शपथ ली थी। पहले बच्चों को जो 1100 मिलते थे उसी तरह 2023-24 में भी 1100 रुपए मिलेंगे। इसके अंदर आप की निगम सरकार द्वारा कोई कटौती नहीं की गई है भाजपा के लोग केवल दुष्प्रचार करते हैं। वह कोई मुद्दा ना मिलने पर इस तरह का झूठा प्रचार करते हैं। अंकुश नारंग ने कहा कि एमसीडी में आम आदमी पार्टी के सत्ता संभालते ही पार्षदों ने स्कूलों का जायजा लिया। उस दौरान पाया कि स्कूलों में छोटी-छोटी मरम्मत की जरूरत है। एमसीडी के ऐसे 191 स्कूल हैं जिनको चिन्हित किया गया। इन्हें 50 हजार से ढाई लाख तक का बजट दिया गया।

दुष्कर्म के आरोपी को कोर्ट ने किया बरी

नई दिल्ली। अदालत ने एक व्यक्ति को बलात्कार के आरोप से इस आधार पर बरी कर दिया कि पीड़िता कानूनी रूप से वैध विवाह के जरिए आरोपी की पत्नी बनी है। अदालत ने इस बात को भी रेखांकित किया कि सात फेरे पूरे होने पर विवाह कानूनी तौर पर पूरी तरह से वैध होता है।

आरोपी के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जगमोहन सिंह की अदालत ने हालिया आदेश में कहा, मौजूदा मामले में बलात्कार का अपराध नहीं बनता है क्योंकि आरोपी और पीड़िता कानूनी रूप से विवाहित हैं। उसने कहा कि पीड़िता ने बयान दिया है कि 21 जुलाई 2014 को एक मंदिर में एक पुजारी की मौजूदगी में आरोपी के साथ अग्नि के चारों ओर सात फेरे लेने के बाद उसका विवाह संपन्न हुआ था।

नूंह हिंसाः भाजपा नेत्री बबीता करहाना व कुलभूषण भारद्वाज पर एफआईआर

तिगरा महापंचायत में सीएम के खिलाफ बोलने पर की गई एफआईआर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नूंह हिंसा के चलते गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित एक मस्जिद में आगजनी व इमाम की हत्या में गिरफ्तार किए गए युवाओं की रिहाई के लिए बुलाई गई महापंचायत में भडक़ाऊ भाषण देना भाजपा की पूर्व महिला पदाधिकारी और भाजपा के पूर्व नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट को महंगा पड़ गया। इन दोनों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए युवाओं को लेकर तिगरा गांव में महापंचायत बुलाई गई थी। महापंचायत में विपक्षी दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिरकत की थी। इस महापंचायत में समुदाय विशेष के खिलाफ भडक़ाऊ भाषण दिए गए। गुरुग्राम में धारा 144 के बीच यह महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा प्रधान बबीता करहाना गुर्जर व हिन्दू संगठन नेता एवं भाजपा के पूर्व नेता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट ने सरकार, मुख्यमंत्री मनोहर लाल के खिलाफ खूब आग उगली गई। कुलभूषण भारद्वाज ने तो यहां तक कह दिया कि हमें या तो योगी जैसे मुख्यमंत्री दें या फिर मेवात को यूपी में मिला दें। इन दोनों नेताओं द्वारा विवादित और भडक़ाऊ भाषण देने के आरोप में सेक्टर-56 थाना में केस दर्ज किया गया है। सेक्टर-56 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतीश कुमार की शिकायत पर यह केस दर्ज किये गये हैं।

बबीता करहाना व कुलभूषण भारद्वाज।

अपने समाज की आवाज को नहीं दबने देंगे : कुलभूषण

अपने खिलाफ दर्ज हुए केस पर हिंदू संगठन नेता कुलभूषण भारद्वाज एडवोकेट ने कहा कि एफआईआर की जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से मिली है। वह इसके लिए तैयार हैं। अपने समाज की सेवा के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे। अपने समाज के लोगों की आवाज को बिल्कुल भी दबने नहीं देंगे।

हेट स्पीच सरकार को अच्छी लगती है : बबीता करहाना

एफआईआर पर ही बीजेपी की महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष बबीता करहाना गुर्जर ने कहा कि अगर हेट स्पीच की जाती है तो सरकार को बड़ा अच्छा लगता है। बबीता ने कहा कि वह इतनी हिम्मत रखती हैं कि अपनी गिरफ्तारी के लिए खुद सीएम हाउस के बाहर जाकर सीएम से कहेंगी कि सीएम साहब मुझे गिरफ्तार कराइये। उन्होंने कोई भड़काऊ भाषण नहीं दिया।

गौरतलब है कि सेक्टर-57 स्थित मस्जिद में आगजनी और इमाम की हत्या के मामले में पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई करते हुए गांव तिगरा के चार युवाओं को गिरफ्तार किया था। उन पर हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप लगाए गए हैं। चारों को पुलिस ने अदालत में पेश किया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। युवाओं की रिहाई के लिए तिगरा गांव में महापंचायत बुलाई गई। महापंचायत में लोगों ने सरकार के खिलाफ खुलकर भाषणबाजी की।

गांव दोहा में डीएसपी सतीश कुमार ने ली दोनों समुदाय के लोगों की बैठक

फिरोजपुर झिरका। 31 जुलाई सोमवार को बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद की ब्रिज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान जिले के मुख्यालय पर हुई हिंसक घटना के बाद पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए गांव गांव जाकर दोंनो समुदाय के लोगों की बैठक लेकर लगातार क्षेत्र में अमन चैन और भाईचारे की अपील की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को डी एस पी सतीश ने खण्ड के गांव दोहा में लोगों की बैठक ली।

बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बरसों पुराना भाईचारा है। कुछ शरारती तत्वों द्वारा इस भाईचारे में जो दरार पैदा करने की कोशिश की गई है। उन मंसूबों को पूरा नहीं होने दिया जाएगा। शरारती तत्वों की पहचान की जा रही है। क्षेत्र में आगजनी व लूटपाट की घटना सहित अन्य गोलीबारी करने वाले लोगों की पहचान लगभग कर ली है। ऐसे लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। लेकिन क्षेत्र के लोगों का यह फर्ज बनता है कि आपसी हिंदू मुस्लिम भाईचारा कायम रखने के लिए एक दूसरे का सहयोग करें। अपने-अपने समुदाय के लोगों से संपर्क कर गलत लोगों की पहचान करने में प्रशासन की मदद करें ।

विधायक सुधीर सिंगला की टीम की मौजूदगी में चालू हुई सीवर लाइन

अशोक विहार फेज-3 से छोटू राम चौक तक डाली गई है नई सीवर लाइन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हाल ही में 1.70 करोड़ रुपये के खर्च से अशोक विहार फेज-3 से छोटू राम चौक तक सीवर लाइन डाली गई थी, उसे बुधवार को विधायक सुधीर सिंगला की टीम की मौजूदगी में चालू कर दिया गया।

विधायक सुधीर सिंगला के निजी सचिव आरपी सिंह ने कहा कि इस सीवर लाइन से शीतला कालोनी, आयुध डिपो से आने वाली पुरानी सीवर लाइन से छोटू राम चौक पर जोड़ा गया है। इसका शीतला कालोनी के लोगों को भी लाभ मिलेगा। जलभराव से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित के छोटे-छोटे विषयों पर विधायक सुधीर सिंगला बारीकी से काम करते हैं। बड़ी

सड़कों से लेकर गलियों तक का निर्माण, सीवरेज लाइन, नालों का निर्माण कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कालोनियों, सेक्टरों में सुविधाएं देने के लिए विधायक सुधीर सिंगला जी सदैव सक्रिय और तत्पर रहते हैं। वे हर काम का समय-समय पर अपडेट भी लेते रहते हैं, ताकि काम पूरे होने में देरी ना हो। निर्धारित अवधि में काम पूरे हो जाएं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम की विभिन्न कालोनियों में बिजली, पानी, सीवरेज से संबंधित जितनी भी समस्याएं विधायक के पास लोगों ने पहुंचाई हैं। उनके खुले दरबार में आई हैं, उन सभी का या तो मौके पर ही निराकरण कर दिया गया या फिर अधिकारियों को समय देकर उन कार्यों को कराया गया। इस अवसर पर विधायक की टीम से उनके निजी सचिव आरपी सिंह, अमित तंवर, कपिल अग्रवाल के अलावा परमिंदर कटारिया, सुरेंद्र सांगवान, भगत कटारिया, दयानंद, जितेंद्र, मोहन सिंह, सुरेंद्र यादव, अभय दहिया, नवाब सिंह मौजूद रहे।

एक महीने तक मतदाताओं को चुनाव में भागीदार होने के प्रति किया जागरुक : गार्गी कक्कड़

भाजपा गुरुग्राम चुनाव आयोग संपर्क विभाग की बैठक हुई संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम के जिला मीडिया प्रमुख अजीत यादव ने बताया कि जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की अध्यक्षता में भाजपा गुरुग्राम चुनाव आयोग संपर्क विभाग की बैठक संपन्न हुई। बैठक में चुनाव आयोग संपर्क प्रमुख विभाग के प्रदेश प्रमुख प्रमोद कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार ने 9 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किया है। इस अवसर पर पार्टी ने 1 महीने तक विशेष संपर्क अभियान चलाए थे। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से काम करता है। आप सभी मतदाता तथा पंजीकरण की प्रासंगिकता एवं महत्व के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाकर चुनावी भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान चुनाव आयोग संपर्क के प्रदेश प्रमुख प्रमोद कौशिक ने अभियान को लेकर बताया कि पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के निमित्त आगामी 13 और 14 अगस्त को गुरुग्राम जिले में 250 स्थानों पर यह अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा चुनाव आयोग संपर्क विभाग की बैठक लेती जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़।

इस दौरान बैठक में गुरुग्राम लोकसभा सम्पर्क प्रमुख पूर्व विधायक तेजपाल तंवर, जिला महामंत्री मनीष गाड़ौली, महेश यादव कार्टरपुरी, जिला प्रभारी सम्पर्क प्रमुख प्रहलाद शर्मा, जिला प्रमुख सचिन शर्मा, अजीत सिंह, नेहा जयसवाल, सुरेंद्र डागर, करण लोहिया, देवेंद्र यादव, जयपाल यादव, मुकेश कुमार, कमल कांत गुप्ता, चंचल जिंदल, सचिन, सुनील कुमार, कार्यालय मंत्री यादराम जोया उपस्थित रहे।

हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठन से क्षेत्रवासी हुए गद-गद, गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

हनुमान चालीसा पाठ के नित्य पठन से समस्त संकल्प होते हैं सार्थक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हनुमान मंदिर मदनपुरी में हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान डा. परमेश्वर अरोड़ा व उनकी धर्मपत्नी यजमान के रूप में पहुंचे। गजेंद्र गोसाई ने विधिवत पूजन करवाकर हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय माध्यम से शुभारंभ किया।

प्राय: सवा घंटे के अंदर 21 बार पाठ करते हैं, परंतु इस बार लोगों के उत्साह, जनसमूह और इतनी अधिक संख्या को देखते हुए गोसाईं ने सम्पुट लगाकर के इस कार्यक्रम को पौने 2 घंटे में पूरा किया। अभी तक 41 बैठक हनुमान चालीसा पाठ की हो चुकी है। ये 42 वीं बैठक थी। लगभग साढ़े 5 माह पूर्व इस मुहिम का शुभारंभ हुआ था। इस बार 500 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ कर 10 हजार से ऊपर कुल पाठ किए और 2 लाख 55 हजार का पिछले सप्ताह का जो आंकड़ा 2 लाख 65 हजार को पार कर गया। इसमें 16 हजार से अधिक लोग अभी तक जुड़ चुके हैं। हनुमान चालीसा पाठ के बाद बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि द्वापर युग में हनुमान जी ने अपनी कैसे भगवान कृष्ण की स्तुति जो उनके आराध्य हैं।

त्रेता युग से जो उनके इष्टदेव हैं, किस प्रकार महाभारत के युद्ध में अर्जुन की सहायता करी। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से समाजसेवी, धार्मिक व्यक्ति, सनातन धर्म सभा के पदाधिकारी, पंजाबी बिरादरी महासंगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी व अन्य समुदाय के लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, डॉ. गीतांजलि अरोड़ा, गजेन्द्र गोसाईं, रमेश कामरा, धर्मेंद्र बजाज, ओम प्रकाश कालरा, द्वारका नाथ मक्कड़, राम लाल ग्रोवर, उमेश ग्रोवर, किशोर लाल डुडेजा, रमेश कालड़ा, सुभाष गांधी, रवि मनोचा, युधिष्ठिर अलामादी, राजपाल आहूजा, अनिल कुमार, लीलाधर, रमेश मुंजाल, डॉ. अलका शर्मा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, नरेन्द्र कथुरिया, सुरेन्द्र बरेजा, सतपाल नासा, पुष्पा नासा, सी.बी.मनचन्दा, राज कुमार जुनेजा, सुरेन्द्र खुल्लर, उदय भान ग्रोवर, रवीन्द्र खुल्लर, सुरेंद्र बजाज, राकेश गोसाई, राजेन्द्र, वीणा अरोड़ा व कपूर, मीनाक्षी मुंजाल, दलीप लूथरा, मोहिंदर सेठी, एसपी अग्रवाल उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में हनुमान चालीस पाठ कार्यक्रम में बोलते बोधराज सीकरी।

रक्षाबंधन पर बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा देना सराहनीय कार्य : रेखा

कुरुक्षेत्र। भाजपा हरियाणा की प्रदेश सचिव रेखा बाल्मीकि ने महिलाओं को रक्षाबंधन पर हरियाणा परिवहन की बसों में इस वर्ष भी मुफ्त यात्रा सुविधा देने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल और परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा का आभार व्यक्त किया है। रेखा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने महिलाओं को रक्षाबंधन का तोहफा देते हुए हरियाणा परिवहन की बसों में इस वर्ष भी मुफ्त यात्रा सुविधा देने का निर्णय लिया है, ताकि बहनें अपने भाइयों के घर जाकर राखी बांध सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में किरायेदारों की वेरीफिकेशन के लिए सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

खंड फरुखनगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तथा गांव में आने वाले फेरी वाले, किरायेदारों व बाहरी आदमी काम करने वाले लोगों की सत्यापन कराने के लिए सरपंचों व गणमान्य लोगों ने नायब तहसीलदार नरेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। एसडीएम पटौदी के नाम धर्मपाल सरपंच की अगवाई में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि ग्रामीण क्षेत्र व फरुखनगर में रहने वाले किराएदारों की वेरिफिकेशन कराई जाए। उन्होंने का है कि एक महीने के अंदर पीजी में रहने वाले लोगों की वेरिफिकेशन की जाए, ताकि क्षेत्र में बढ़ रही चोरी व अन्य वारदातों पर रोक लग सके। इसके अलावा बस स्टैंड के नजदीक बनी मीट मार्केट को जल्द से जल्द बंद करने की मांग की हैं। उन्होंने एक महीने की चेतावनी दी है कि मीट मार्केट को बंद नहीं किया तो क्षेत्र के लोग एकत्रित होकर पंचायत करके विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुचाता है। ज्ञापन देने के दौरान सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल, ब्लाक समिति चेयरमैन सुधीर यादव, सरपंच शिवताज, रमेश सरपंच समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फरूखनगर में नायब तहसीलदार नरेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपते लोग।

एडीजीपी ने फिरोजपुर झिरका के बाजारों में फ्लैग मार्च निकाला

एडीजीपी ममता सिंगल को देखने के लिए महिलाओं में भी भारी उत्साह देखा गया

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

31 जुलाई को मेवात में बृज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा में अपनी जान की परवाह किए बगैर धार्मिक यात्रा में आई महिलाओं और बच्चों को बचाने को पुलिस के जवानों के साथ लेकर सैकड़ों बच्चों और महिलाओं को अपनी सूझबूझ और रणनीति के चलते बचाने वाली एडीजीपी ममता सिंह ने आज फिरोजपुर झिरका के मुख्य बाजारों में पुलिस के अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान उन्होंने लोगों से बातचीत भी की और क्षेत्र में कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखें। अफवाहों में ना आएं किसी से डरने की कोई जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तरह से आपके साथ है । एडीजीपी ममता सिंह ने आगे कहा कि आपसी भाईचारा को बनाकर रखें।

मेवात पर लगे इस दाग को दोनों समुदायों को मिलकर धोना होगा। ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के गुनहगारों को बक्सा नहीं जाएगा और निर्दोष लोगों को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। वह लोग डर कर इधर-उधर ना भागे। लेडी सिंघम के नाम से मशहूर एडीजीपी ममता सिंह को देखने के लिए महिलाओं में काफी रुचि दिखाई दी। शहर के लोगों आपस मे चर्चा करने लगे कि यह वही अधिकारी है जिसने चंद पुलिस वालों के साथ मिलकर सैकड़ों महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा की ढाल बनाकर आगे खड़ी हो गई और पुलिस प्रशासन के पहुंचने के बाद मंदिर से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

शहर के मुख्य बाजारों में फ्लैग मार्च निकालतीं एडीजीपी ममता सिंह।

जिला मुख्यालयों पर कर्मचारी संगठनों ने डाला महापड़ाव

करनाल। केंद्रीय श्रमिक संगठनों व कर्मचारी फैडरेशनों के आह्वान पर प्रदेश में सभी जिला मुख्यालयों पर कर्मचारी संगठनों ने महापड़ाव डाला। महापड़ाव के अध्यक्ष मंडल में सुशील गुर्जर सिरसी, राजिंदर पुनिया, सतपाल सैनी, जगमाल व जिले सिंह पाल शामिल रहे। संचालन राकेश गौतम, जगपाल राणा व लाल सिंह ने किया। सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा कर्मचारी महासंघ,भारतीय किसान यूनियन, सीटू, इंटक व एटक के प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के एतिहासिक दिवस पर यह महापड़ाव डाला गया है। उन्होंने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्के करने, आशा वर्कर्स व मिड डे मील वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, समान काम समान वेतन देने, मेडिकल सुविधाएं देने सहित कई मांगों को लेकर लगातार सरकार के साथ संघर्ष किया जा रहा है।

मेवात हिंसा को लेकर कांग्रेस ने आयोजित की शांति सभा

शांति सभा में कांग्रेसियों ने विपक्ष पर साधा निशाना

भाजपा पर धर्म के नाम पर जाति और समाज को बांटने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कांग्रेसियों ने नूंह में हुई हिंसा के बाद बुधवार को स्वतन्त्रता सेनानी भवन में शांति सभा का आयोजन पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान कांग्रेसी नेता भाजपा सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा और भेदभाव का आरोप लगाया।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहाकि कल जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नूंह में पीड़ितों का हाल जानने के लिए जा रहे थे तो उन्हें रोक दिया गया। यहां धारा 144 लगाए होने की बात कही गई। यहां तक कि चार नेताओं को भी जाने की अनुमति नहीं दी गई। वहीं, आज जब भाजपा के नेता वहां गए हैं तो उनके लिए कोई नियम कानून नहीं है। उन्हें तो नूंह प्रशासन ने जाने की अनुमति दे दी। क्या अब नूंह में धारा 144 नहीं है। पूर्व मंत्री ने खट्टर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को इंटेलिजेंस की रिपोर्ट मिली थी कि वहां शोभा यात्रा के दौरान माहौल खराब हो सकता है लेकिन उसके बावजूद वहां पुलिस बल की तैनाती सरकार ने नहीं की।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुखबीर सिंह कटारिया ने कहा कि भाजपा आजादी से पहले भी अंग्रेजो से मिलकर फूट डालो और शासन करो की राह पर चली थी। आज भी इसी राह पर चल रही है। इस तानाशाह सरकार से हर वर्ग दुखी हो चुका है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने कहा कि आज तक प्रधानमंत्री मणिपुर में हुई हिंसा पर चुप्पी साधे हुए हैं। भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है।

इस मौके पर सुधीर चौधरी, पूर्व विधायक रामबीर, पंकज डावर, सुनीता सहरावत, केएल यादव, कुलदीप कटारिया, वर्धन यादव, इंदर सिंह सैनी,राहुल यादव, लालसिंह यादव, शेखर गुर्जर, अमित गुर्जर, निर्मल यादव आदि मौजूद रहे।

नूंह हिंसा को लेकर शांति सभा करते कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता।

10 से 12 अगस्त तक प्रगति मैदान में लगेगा स्मार्ट लाइटिंग इंडिया एक्सपो और इलेक्ट्रोटेक एक्सपो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्मार्ट लाइटिंग इंडिया एक्सपो और इलेक्ट्रोटेक एक्सपो 10-12 अगस्त 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान एक्सीबिशन सेंटर में हो रहे हैं। लाइटनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजीज की संपूर्ण वैल्यू चैन लाते हुए, इस एक्सपो में तीन दिनों में 10,000 से अधिक व्यापार प्रोफेशनल्स और 160 से अधिक एक्सीबीटर्स भाग लेंगे।

भारत भर से उपस्थित लोग एलईडी लाइटिंग, आर्किटेक्चरल और डेकॉर लाइटिंग, इनडोर/आउटडोर लाइटिंग, इंटेलिजेंट लाइटिंग सिस्टम, आईओटी स्मार्ट सलूशन, स्मार्ट कंट्रोल्स, इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट्स और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज और बहुत कुछ के लिए इनोवेटिव सलूशन प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तत्वावधान में नारेडको के सहयोग से मंच कम्युनिकेशंस द्वारा आयोजित इस एक्सीबिशन का उद्देश्य क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति में तेजी लाना है।

मंच कम्यूनिकेशन्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुज माथुर ने कहा, ''हम इंडस्ट्री के लोगों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से खुश हैं। हमारे स्ट्रेटेजिक पार्टनर्स, नारेडको, आईआईआईडी, सीओए और आईजीबीसी मुख्य इंस्टिट्यूशनल बायर्स के डेलीगेशन को आश्वस्त करने में सहायक रहे हैं। इस शो में लेडवंस, ऊनीग्लोबस (पॉलीकैब) कैलकॉम, पैनासोनिक ल्यूमिस्टार, लीप, नीलगिरी, गोल्डविन एलईडी, एसएसएस टेक्नोलॉजीज, लिटेज, सेललाइफ, टेक्ट्रोनिक्स, तेजस, एसआर इलेक्ट्रो, फाखरी मेटल्स, शिवानी ट्रांसफॉर्मर्स जैसे प्रमुख ग्लोबल प्लेयर्स भाग ले रहे हैं। एक्सपो के दौरान, इंडिया लाइटिंग समिट सीईओ राउंड टेबल भी आयोजित किया जाएगा।

आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए

सर्वोच्च स्तर पर रहा आर्टेमिस का ग्रॉस रेवेन्यू और ईबीआईटीडीए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड ("Artemis" or the "Company") (BSE: 542919 | NSE: ARTEMISMED) ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में कंपनी कुल 713 बेड के अस्पतालों का संचालन करती है, इनमें गुरुग्राम स्थित 541 बेड के क्वाटरनरी केयर वाला सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और आर्टेमिस लाइट एवं डैफोडिल्स ब्रांड के तहत 5 अस्पताल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही का प्रदर्शन (सालाना आधार पर तुलना करते हुए) - परिचालन से नेट रेवेन्यू 25.3 प्रतिशत बढ़कर 167.2 करोड़ रुपये से 209.5 करोड़ रुपये हो गया। 13.9 प्रतिशत के मार्जिन के साथ ईबीआईटीडीए 35.4 प्रतिशत बढ़कर 21.5 करोड़ रुपये से 29.2 करोड़ रुपये हो गया। 6.3 प्रतिशत के मार्जिन के साथ पीबीटी 23.5 प्रतिशत बढ़कर 10.6 करोड़ रुपये से 13.1 करोड़ रुपये हो गया। 30 जून, 2023 को कंपनी पर कुल कर्ज 210.5 करोड़ रुपये था, नेट डेट और शेयरहोल्डर इक्विटी का अनुपात 0.5 गुना रहा।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में आर्टेमिस हॉस्पिटल गुरुग्राम का प्रदर्शन (सालाना आधार पर तुलना) - प्रत्येक ऑक्यूपाइड बेड से औसत ग्रॉस रेवेन्यू (एआरपीओबी) 67,000 रुपये की तुलना में 76,000 रुपये रहा। परिचालन से नेट रेवेन्यू 20.1 प्रतिशत बढ़कर 160.6 करोड़ रुपये से 192.9 करोड़ रुपये रहा। नेट ईबीआईटीडीए मार्जिन 12.9 प्रतिशत की तुलना में 16.2 प्रतिशत रहा। नए टॉवर समेत बेड कैपेसिटी यूटिलाइजेशन 68 प्रतिशत रहा। विदेशी मरीजों से रेवेन्यू 23.2 प्रतिशत बढ़कर 39.7 करोड़ रुपये से 48.9 करोड़ रुपये रहा। विदेशी मरीजों ने नेट रेवेन्यू में 25.4 प्रतिशत का योगदान दिया। कुल 95,323 मरीज आए, जो 10.7 प्रतिशत ज्यादा है। 3,620 सर्जरी की गईं, जो 11.3 प्रतिशत ज्यादा है। मरीजों का औसत ठहराव (एएलओएस) 3.73 दिन से घटकर 3.55 दिन रहा।

नतीजों की घोषणा करते हुए आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने कहा, 'हम वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के नतीजों का एलान करते हुए उत्साहित हैं। सीजन के आधार पर कमजोर तिमाही होने के बावजूद यह अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और इसने वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत दी है। दक्षता बढ़ाने और लागत घटाने की दिशा में हमारे प्रयासों से रेवेन्यू और लाभ दोनों मोर्चे पर प्रभाव दिखा है।'

'वित्त वर्ष 2021-22 के आखिर में परिचालन में आए नए टॉवर में भी ऑक्यूपेंसी बढ़ रही है। हमारी निगाह अब तीसरे टॉवर पर है, जो योजना के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत में परिचालन में आ जाएगा, इससे हमारा प्रदर्शन और बेहतर होगा।'

तिमाही के दौरान हमने गुरुग्राम में आर्टेमिस लाइट ब्रांड के तहत एक नया हॉस्पिटल खोला।

वैज्ञानिक अवधारणाओं को मातृभाषा में समझने की आवश्यकता : तोमर

वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के संस्थापक निदेशक तथा सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. एसएस भटनागर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ से प्रोफेसर गौरव वर्मा मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने की।

कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभा हरियाणा के अध्यक्ष डॉ. जवाहर लाल के स्वागत संबोधन से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम का परिचय दिया तथा डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जयंती के उपलक्ष्य में 12 अगस्त को एनआईटी कुरुक्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रोफेसर गौरव वर्मा ने डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के जीवन और कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने डॉ. भटनागर के दूरदर्शी नेतृत्व पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के माध्यम से भारत में विज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले, प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने अपने संबोधन में डॉ. शांति स्वरूप भटनागर के अमूल्य योगदान, दृष्टिकोण और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. भटनागर की विरासत को संरक्षित करने और वर्तमान पीढ़ी को उनके आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के महत्व पर बल दिया। प्रो. तोमर ने भारतीय विज्ञान की गहराई और भारतीय वैज्ञानिकों की बुद्धिमत्ता को रेखांकित किया तथा विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा में वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने के महत्व पर बल देते हुए वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन करते हुए, विभा हरियाणा के सदस्य प्रो. सेथंस ने समापन भाषण दिया और प्रोफेसर गौरव वर्मा को उनके ज्ञानवर्धक मुख्य भाषण के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिंदु मंगला, डॉ. अरुण कुमार तथा विज्ञान भारती फरीदाबाद की टीम ने किया।

क्लब के सदस्य ने जन्मदिन पर पौधे वितरित किए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 21-ए के सेंट्रल पार्क में वरिष्ठ नागरिक वॉकर क्लब ने जीवन के 88 बसंत पार कर चुके मैत्री ब्लॉक निवासी बालकराम शर्मा का जन्मदिन एक अलग अंदाज में मनाया। पारिवारिक, सामाजिक व्यस्ताओं के चलते क्लब से जुड़े सदस्यों का काफी समय से मंगल मिलन नहीं हो पा रहा था। इस बार क्लब के सदस्यों ने सामाजिक वातावरण में सकारात्मकता में वृद्धि करने के लिए हरित पर्यावरण पर केंद्रित विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की व्यवस्था करने में एचएस नेगी ने सराहनीय भूमिका निभायी। वरिष्ठ नागरिकों ने एक दूसरे की कुशलक्षेम पूछने के साथ साथ धार्मिक आध्यात्मिक विषयों पर भी चिंतन मनन किया। इस मौके पर शर्मा परिवार की तरफ से कार्यक्रम में आए मौजिज लोगों को पौधा वितरण किया गया। साथ ही वरिष्ठ नागरिक वॉकर क्लब के सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे अपने घर आंगन में पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता से नई पीढ़ी को भी उत्साहित करेंगे। इस अवसर पर एमएमएल सेठी, डॉ अमरजीत सिंह कालरा, आरएन शर्मा, सरदार अमरजीत सिंह, अनिल बजाज, सुधीर जैन, गजराज नागर, एजेएस लाकरा, मखीजा, युगल किशोर शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कैंप बाजार में स्कार्पियो सवार बदमाशों ने पिस्तौल तान लूटी कार

गाड़ी में रखे 45 हजार रुपये व कागजात भी ले गए

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पीड़ित कपिल देव

शहर के बीचोंबीच ताऊ देवीलाल पार्क के पास कैंप बाजार से हथियारबंद बदमाश एक युवक से उसकी कार व कार में रखे 45 हजार रुपए व कागजातों को लेकर फरार हो गए। पुलिस ने कार मालिक की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के अनुसार, भमरोला जोगी गांव निवासी कपिल देव ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वह अपनी कार को लेकर जवाहर नगर कैंप बाजार से सामान लेने के लिए आया था। जब वह हाईवे से ताऊ देवीलाल पार्क के साथ वाली सड़क से कैंप बाजार के पास पहुंचा, तभी सामने से आई एक काले रंग की स्कार्पियो गाड़ी ड्राइवर ने अपनी गाड़ी को उसकी गाड़ी के आगे लगा कर उसे रुकवा लिया।

उसने बताया कि स्कॉर्पियो गाड़ी से दो युवक उतरकर उसके पास आए। जब तक वह कुछ समझ पाता एक युवक ने पिस्टल निकाल कर उसकी कनपटी पर लगा दी और उसे गाड़ी से बाहर उतार दिया। जिसके बाद आरोपी उसकी गाड़ी, गाड़ी में रखे 45 हजार रुपए, गाड़ी की आरसी, इंश्योरेंस व अन्य कागजातों को भी ले गए।

कपिल ने बताया कि जब शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इससे वह डर गया और आरोपी उसकी गाड़ी को लेकर हाईवे की तरफ फरार हो गए। उनके जाने के तुरंत बाद 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और लुटेरों की तलाश शुरू कर दी। लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं लग सका।

पलवल में ट्रक से दो करोड़ का तांबा गायब

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

खाली ट्रक को लावारिस छोड़कर ड्राइवर फरार, जामनगर से दिल्ली के लिए चला था

एक ट्रक ड्राइवर कंपनी के दो करोड़ रुपये कीमत का माल गायब कर ट्रक को लावारिस हालत में खड़ा कर गायब हो गया। पुलिस ने ट्रक मालिक की शिकायत पर ड्राइवर के खिलाफ ट्रक से दो करोड़ का माल गायब करने सहित अनेक धाराओं में केस दर्ज किया है। अभी ड्राइवर का सुराग नहीं लगा है। चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद भड़ाना के अनुसार, रोशनआरा रोड़ दिल्ली निवासी मंजीत सिंह ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी लॉजिस्टिक नाम की फर्म है। उसकी फर्म के ट्रक पर बतौर ड्राइवर नूंह के बाडका गांव निवासी सुबूद्दीन तैनात था। चार अगस्त को सुबूद्दीन ट्रक में दो करोड़ रुपए का 31 टन तांबे का माल गुजरात के जामनगर से दिल्ली के लिए लेकर चला था।

उन्हें मंगलवार को सूचना मिली कि उनका ट्रक लावारिस हालत में चादंहट थाना की बागपुर चौकी के अंतर्गत शेखपुर गांव के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर वह चांदहट थाना पहुंचे तो वहां उनका ट्रक खाली खड़ा हुआ था। ट्रक से पूरा माल गायब था। मनजीत ने कहा कि ट्रक से यह माल ड्राइवर ने साजिश के तहत षडयंत्र रचकर गायब किया है। माल गायब कराने के बाद ट्रक को लावारिस हालत में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ड्राइवर सुबूद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऊंचा गांव में मनाया वन महोत्सव

फरीदाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऊंचा गांव में 40 विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ ने मिलकर वन महोत्सव मनाया। विद्यालय में वन विभाग से तथा कुछ नर्सरी से लाकर फलदार, छायादार व खुशबूदार पौधे लगाए गए। विद्यालय प्रधानाचार्य जयप्रकाश ने कहा कि शुद्ध वातावरण होगा तो विद्यार्थियों की पढ़ाई भी अच्छी होगी। अध्यापकों ने मिलकर कक्षा नौ के विद्यार्थियों को अगले चार साल तक पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी दी। इस कार्य में विशेष सहयोग नरेंद्र कुमार, जयपाल, सुरेश चंद शास्त्री, विजयपाल शिक्षकों के साथ सुमित, अरुण, विवेक आदि विद्यार्थियों का रहा।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट, संदिग्ध पर रहेगी नजर

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिला में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट कर दिया गया है। जिले में कानून व्यवस्था एंव शांति की दृष्टि से अलग-अलग जगह नाके स्थापित किये जाएंगे। कड़ी सुरक्षा को लेकर पुलिस के द्वारा संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है और आने जाने वाले सदिंग्ध लोगों व वाहनों को चेक किया जा रहा है। एसपी लोकेंद्र सिंह का कहना है कि सभी थाना प्रबंधकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने के लिए भीड़भाड़ इलाकों में गश्त पड़ताल करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा उन्हें निर्देशित किया गया कि अगर कोई सदिंग्ध पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही सभी थाना व क्राइम युनिट द्वारा भी इलाकों में स्थित होटल, धर्मशालाओं व बाजारों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, धर्मशाला, गेस्ट हाउस इत्यादि को बारीकी से चेक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नें कहा कि बिना नंबर वाले वाहनों की भी लगातार चेकिंग के निर्देश दिए हुए हैं, ताकि किसी प्रकार की कोई असमाजिक गतिविधि उत्पन्न न हो।

एसपी ने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि किसी संदिग्ध व्यक्ति का बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, होटल व ढाबा, धर्मशाला, गेस्ट हाउस में ठहरने का पता चलता है तो इसकी सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन/चौकी या पुलिस कंट्रोल रूम को तुरंत दे। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कोई लावारिस वस्तु दिखाई देती है तो उसे न छुएं, क्योंकि इसमें कोई बम या विस्फोटक पदार्थ हो सकता है।

11 अगस्त की तिरंगा यात्रा के लिए बैठक में की चर्चा

पलवल। होडल विधानसभा सेन धर्मशाला गढ़ी मोड में भाजपा ओबीसी मोर्चा की बैठक हुई। जिसमें 11 अगस्त को होने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। भाजपा अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया व ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयराम प्रजापति उपस्थित रहे। भाजपा ओबीसी मोर्चा की तिरंगा यात्रा सुबह नौ बजे बस स्टैंड से शक्ति के तालाब तक निकाली जाएगी। रैली देश के लिए शहिद हुए स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में आयोजित की जा रही है। जिसमें ओबीसी मोर्चा के साथ सभी बिरादरियों के लोग हिस्सा लेंगे। तिरंगा रैली की अध्यक्षता होडल के विधायक जगदीश नायर करेंगे। जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया और जयराम प्रजापति ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की की इस रैली में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर भाजपा को मजबूत करें और अपने देश के लिए मरने मिटने वालों को याद करें। बैठक में भाजपा नेता भूपराम पाठक, महामंत्री डॉ. भारत भूषण, महामंत्री आशीष कुमार, उपाध्यक्ष पार्षद हुकम प्रजापति, जिला सचिव कैप्टन अशोक कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष जय कुमार पांचाल, मंडल महामंत्री डीपी सिंह आदि मौजूद थे।

ड्राइवर से मारपीट कर बाइक के टुकड़े करके तालाब में डाली

पीड़ित की शिकायत पर एक नामजद सहित 20-25 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

एक व्यक्ति का रास्ता रोककर मारपीट कर, बाइक व नकदी लूट ली। पुलिस ने बाइक के टुकड़े जोहड़ से बरामद कर लिए है। होडल थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक नामजद सहित 20-25 अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। होडल थाना प्रभारी महेंद्र सिंह के अनुसार, जिला भरतपुर राजस्थान निवासी पीड़ित ने दी शिकायत में कहा है कि वह ट्रक ड्राइवर है और 31 जुलाई को दंगे होने के बाद वह ट्रक को कंपनी के ऑफिस पर पटौदी में खड़ा करने के बाद अपने साथी राजू की बाइक लेकर अपने गांव जा रहा था। जब उसकी बाइक होडल-पुन्हाना मार्ग पर संपत अस्पताल के पास होडल पहुंची तो वहां 20-25 युवक आए और उसकी बाइक को रुकवा कर मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट के दौरान आरोपियों ने उससे बाइक, मोबाइल फोन व 9200 रुपए लूट लिए। उसने जैसे-तैसे पैदल खेतों के रास्ते भागकर अपनी जान बचाई। दूसरे दिन जब पूरी घटना अपने साथी राजू को बताई, तो राजू के परिजन घटना स्थल पर पहुंचे और पूछताछ की। वहां किसी ने बताया कि तुम्हारी बाइक होडल निवासी पवन के पास है।

पवन के घर गए तो वहां से एक व्यक्ति ने पवन से फोन पर बात कराई तो पवन ने कहा कि एक-दो दिन में तुम्हारी बाइक मिल जाएगी। इसके बाद उन्होंने पवन से संपर्क किया तो कहा कि आपकी बाइक मेरे पास नहीं है, मुझे पता चला है कि बाइक जोहड़ में पड़ी हुई है। वे जोहड़ पर पहुंचे और वहां से बाइक को निकाला तो बाइक के टुकड़े-टुकड़े कर कट्टे में भरकर जोहड़ में डाली हुई थी, जोहड़ से निकाल कर इंजन, चेचिस नंबर मिलाए तो मिल गए। जिसके बाद पीडित बाइक को टुकड़ों में लेकर पुलिस चौकी पहुंचे।

पुलिस ने पीडित की शिकायत पर होडल निवासी पवन सहित उसके 20-25 अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दहेज में कार के लिए विवाहिता की हत्या का प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

दहेज में कार न मिलने पर विवाहिता का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। गदपुरी थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर पति सहित चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गदपुरी थाना प्रभारी राजवीर सिंह के अनुसार, धतीर गांव निवासी नेहा ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वर्ष 2021 में उसकी शादी रेवाड़ी के बुड़ौली गांव निवासी रवि के साथ हुई थी। शादी में दिए गए दहेज से उसके ससुराल पक्ष के लोग संतुष्ट नहीं हुए और उसे अधिक दहेज लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। शादी से पहले उन्हें बताया गया था कि उसका पति रेलवे में नौकरी करता है, परंतु रवि ने शादी से पहले ही वर्ष 2020 में ही नौकरी छोड़ दी थी। यह बात उनसे छुपाई गई। आरोपी आए दिन उसे दहेज में गाड़ी लाने के लिए प्रताड़ित करते थे और उसके साथ मारपीट करते थे। आरोपी उसे भूखा रखते और कमरे में बंद कर देते व गाड़ी की मांग करते। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालजनों ने उसका गला दबाकर जान से मारने का भी प्रयास किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति रवि, सास मुन्नी देवी, ससुर धर्मवीर और ननद नीलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

केएमपी पर सवारी के इंतजार में खड़े पटवारी को चाकू मारा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सवारी का इंतजार कर रहे पटवारी पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल पटवारी को सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। मामले में पीड़ित ने पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। जानकारी के अनुसार सरकारी अस्पताल में घायल हालत में गुरुग्राम निवासी हुकम सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह बहीन गांव हलका में बतौर पटवारी तैनात है। देर शाम वह पलवल लघु सचिवालय में मीटिंग अटेंड करने के बाद कुसलीपुर स्थित केएमपी-केजीपी एक्सप्रेस वे के इंटरचेंज पर गुरुग्राम अपने घर जाने के लिए सवारी के इंतजार में खड़ा हुआ था। उसी समय वहां एक युवक आया और आते ही उसने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब तक वह कुछ समझ पाता उसने आवाज देकर अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और उस पर चाकू से हमला किया। तीन चार युवक उसके साथ मारपीट करते कर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।

जच्चा व गर्भवती महिलाओं ने लिया शिशुओं को स्तनपान कराने का संकल्प

मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने शिशुओं और माताओं को स्तनपान के लाभ के बारे में किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने माताओं को स्तनपान के लाभों के बारे में जागरूक कर 'स्तनपान सप्ताह' मनाया। अस्पताल द्वारा इस पहल में भाग लेने के लिए हाल ही में मां बनी महिलाओं और गर्भवती महिलाओं को आमंत्रित किया गया। अपने छोटे नवजात शिशुओं के साथ उत्सव का हिस्सा बनने के लिए शहरभर की महिलाएं उत्सुकता के साथ अस्पताल में आईं। इस दौरान इस बात पर ध्यान दिया गया कि स्तनपान कराने वाली माताएं कैसे काम पर लौट सकती हैं और फिर अपने शिशुओं की देखभाल भी ठीक से कर सकती हैं। सेशन का नेतृत्व डॉ. निशा कपूर, डायरेक्टर एवं एचओडी, स्त्री रोग और मिनिमली इनवेसिव गायनी सर्जरी ने किया। इस अवसर पर डॉ. महिमा बख्शी, एसबीओ मदर एंड चाइल्ड, मैरिंगो एशिया अस्पातल भी उपस्थित रहीं।

गर्भावस्था जीवन का वह चरण है, जिसमें एक महिला कई परिवर्तनों से गुजरती है, चाहे वह उसके शरीर में हो या दैनिक जीवन में। खुशी के कई क्षण होते हैं और उतनी ही संख्या में आशंका और संदेह के क्षण भी होते हैं। गर्भ के अंदर एक नन्ही सी जान को नौ महीने तक संभालने की कठिनाई पर महिलाएं आमतौर पर उनकी गर्भावस्था के दौरान शिक्षा, क्या करें और क्या न करें, अपने और अपने अजन्मे बच्चे के लिए सुरक्षित समय अवधि सुनिश्चित करने की जानकारी की मदद से जीत हासिल कर लेती हैं। डॉक्टर प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के दौरान पोषण पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पूरे कार्यकाल का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे मां और बच्चे दोनों के लिए मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सूचकांक में सुधार सुनिश्चित होगा। डॉक्टरों और माताओं के बीच बातचीत में स्तनपान पर विशेष ध्यान दिया गया।

डॉ. निशा कपूर, निदेशक और एचओडी, स्त्री रोग और मिनिमली इनवेसिव गायनी सर्जरी, मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने कहा कि मां बनने का अहसास शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। हाल में बनी मां अपने जीवन का हर पल अपने नवजात शिशु को समर्पित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए जागरूक हैं कि उसका बच्चा स्वस्थ है। इस दिशा में और अधिक जानकारी देने के लिए उद्देश्य से, हमने हाल ही मां बनी महिलाओं और गर्भवती माताओं के लिए यह जागरूकता कार्यक्रम रखा गया। नवजात शिशु की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए मां का दूध कुदरती रूप से बना होता है। यह शिशु के स्वास्थ्य और विकास को सही संतुलन प्रदान करता है। मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन बनाने के अलावा, यह बच्चे में उच्च संज्ञानात्मक विकास में भी योगदान देता है और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करता है। हाल के दिनों में, माताओं और शिशुओं के लिए लाभ के बारे में जागरूकता बढ़ने और सहायक नीतियों और कार्यक्रमों के कारण कई देशों में स्तनपान दरों में सुधार हुआ है। लेकिन स्तनपान अभ्यास को प्रभावित करने वाले कारकों के कारण चुनौतियां बनी हुई हैं। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सबसे बड़ी चुनौती है, कार्यस्थल पर स्तनपान के लिए अनुकूल स्थानों की कमी है।

स्तनपान से नवजात शिशु के मां को भी लाभ

डॉ. महिमा बख्शी, एसबीओ मदर एंड चाइल्ड, मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने कहा कि गर्भावस्था गर्भ के भीतर एक नन्ही सी जान रखने का एक खूबसूरत एहसास है, जिसे दुनिया में आने के लिए पोषित किया जाएगा। हमने मातृत्व के सबसे खूबसूरत अनुभवों में से एक, शिशु को स्तनपान कराने का जश्न मनाया। स्तनपान से नवजात शिशु के साथ-साथ लाभ के अलावा मां को भी लाभ होता है। प्रसव के बाद वाले चरण में मां की रिकवरी तेजी से होती है और माताओं में स्तन कैंसर, ओवेरियन कैंसर (यूटरस कैंसर) और टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करने में योगदान देता है। स्तनपान शिशु के साथ निकटता की भावनाओं को भी बढ़ावा देता है, माताओं के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी योगदान देता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए बच्चों ने की तैयारी

पलवल। होडल उपमंडल स्तर पर होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक तथा अन्य कार्यक्रमों भाग लेने वाली टीमों का चयन तथा अभ्यास कार्यक्रम राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होडल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते खंड शिक्षा अधिकारी होडल किरण बाला ने बताया कि इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह अनाज मंडी होडल में मनाया जाएगा। आयोजन में पांच सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त आयोजन में परेड, डंबल, लेजियम तथा पीटी शो का प्रदर्शन होगा। एनसीसी ब्वॉयज तथा एनसीसी गर्ल्स टीम के साथ-साथ मौजूद थे।

संशोधन विधेयक

'आप' की पराजय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली संशोधन विधेयक, 2023 को हाल ही में मंजूरी से भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। इस महत्वपूर्ण विधायी परिवर्तन से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रशासन में गतिशीलता आएगी। विधेयक के केन्द्र में दिल्ली के नौकरशाहों व प्रशासन पर केन्द्र सरकार का वर्चस्व स्थापित होगा। कुछ लोगों को चिन्ता है कि इससे भारतीय लोकतंत्र की संघीय संरचना प्रभावित होगी। विधेयक के समर्थकों का कहना है कि शक्तियों के केन्द्रीकरण से निर्णय लेने की प्रक्रिया तथा समन्वय में आसानी होगी, लेकिन आलोचकों को डर है कि इससे क्षेत्रीय सरकारों की स्वायत्तता को खतरा पैदा हो सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण दिल्ली का विशेष राजनीतिक महत्व है। विधेयक के पास होने से दिल्ली की निर्वाचित सरकार तथा केन्द्र सरकार के बीच शक्ति संतुलन बदल सकता है। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी-आप ने विधेयक का भारी विरोध किया था। उसका मानना है कि इससे निर्वाचित प्रतिनिधियों का प्रभाव कमजोर होगा तथा वे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार किए गए अपने वादे पूरे नहीं कर सकेंगे। इस विधेयक का विरोध नवगठित 'इंडिया' गठबंधन ने किया था, पर भाजपा इसे पास कराने में बीजद व वाईएसआरसीपी का समर्थन प्राप्त करने में सफल रही। भाजपा ने यह दावा करते हुए विधेयक का समर्थन किया कि इससे निर्वाचित सरकार के अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा, लेकिन कांग्रेस व आप समेत अन्य विपक्षी पार्टियां इसके खिलाफ थीं। ये पार्टियां विधेयक को क्षेत्रीय स्वायत्तता पर हमला बताकर इस मुद्दे पर एकता प्रदर्शित कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती हैं। विधेयक को राज्यसभा में 102 मतों के मुकाबले 131 मतों से मंजूर किया गया। लोकसभा इसे पहले ही मंजूर कर चुकी है और अब इसे कानून बनने के लिए बस राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है।

इस विधेयक को मंजूरी सत्तारूढ़ दल तथा विपक्ष के बीच देश भर में बढ़ते राजनीतिक टकराव का संकेत देती है। विपक्ष ने इसे अविश्वास प्रस्ताव के पहले 'सेमीफाइनल' बताया था जिसमें भाजपा की विजय हुई है। विपक्ष की आलोचनाओं व आशंकाओं का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संशोधन किसी प्रकार भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परिभाषित निर्वाचित दिल्ली सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करता है। उन्होंने याद दिलाया कि यह संशोधन विधेयक कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई व्यवस्था ही स्थापित करता है, पर विडंबना है कि राजनीतिक कारणों से आज 'कांग्रेस आप की गोद में बैठी है।' उन्होंने कहा कि 2015 से पहले दिल्ली तथा केन्द्र में कई बार अलग-अलग दलों की सरकारें रहीं, पर कभी दिल्ली सरकार के अधिकार पर कोई टकराव नहीं हुआ। अध्यादेश तथा इसके बाद संशोधन विधेयक लाने की तात्कालिकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में मामले पर विचार का लाभ उठा कर केजरीवाल सरकार 'अपने घोटाले बचाने के लिए एक और घोटाला करने जा रही थी।' अमित शाह ने जोर देकर कहा कि दिल्ली सीमित विधायी शक्तियों वाला संघशासित क्षेत्र है तथा देश की राजधानी होने के कारण उसका अलग स्थान है। सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार को दिल्ली सरकार के किसी कानून में संशोधन करने या उसे समाप्त कर नया कानून बनाने का अधिकार दिया है। इस प्रकार इस संशोधन विधेयक को किसी प्रकार संघीय संरचना या क्षेत्रीय स्वायत्तता पर प्रहार नहीं कहा जा सकता है जिसका आरोप विपक्ष लगा रहा है।

जीएसटी से बुराइयों का मुकाबला

हमें उचित व अनुचित रोजगार परिभाषित करने की जरूरत है। उचित रोजगारों को बढ़ावा देने के लिए अनुचित रोजगार पर अधिक टैक्स लगाया जा सकता है। आनलाइन गेमिंग पर टैक्स बढ़ा कर जीएसटी इसमें सहयोग दे रहा है।

अश्विनी महाजन
(लेखक, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं)

हाल ही में जीएसटी परिषद ने आनलाइन रियल मनी गेम्स की पूरी शुरुआती धनराशि पर जीएसटी लगाने का निर्णय किया। इसके पहले जीएसटी केवल आनलाइन रियल मनी गेम्स में आनलाइन गेमिंग प्लेटफार्मों को कमीशन के रूप में प्राप्त धनराशि पर ही टैक्स लगाने का प्राविधान करता था जो कुल बोलियों की धनराशि का बहुत छोटा अंश होता है। हालांकि, प्रस्तावित जीएसटी का तुरन्त क्रियान्वयन नहीं होगा क्योंकि इसके लिए जीएसटी एक्ट के प्राविधानों में परिवर्तन करना होगा। इस बात पर लगभग पूर्ण सहमति थी कि इन गेम्स से हमारे असंख्य नौजवानों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, पर इन गेमिंग प्लेटफार्मों को संचालित करने वाली कंपनियों व वेंचर फंड ने जीएसटी परिषद के निर्णय का विरोध किया है।

इन प्लेटफार्मों तथा इनकी फंडिंग करने वाले वेंचर कैपिटल फंडों का तर्क है कि इस निर्णय से इन गेमों को आपरेट करने वाले स्टार्टअप प्लेटफार्मों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है और उनको अपना बिजनेस बंद करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। इससे इन प्लेटफार्मों से जुड़े लोगों का 'रोजगार' समाप्त हो जाएगा। उनका कहना है कि इससे इन आनलाइन गेमों में भावी निवेश प्रभावित होगा, बल्कि इससे समग्र रूप से स्टार्टअप इकोसिस्टम भी प्रभावित हो सकता है। उनका तर्क है कि इससे आने वाले विदेशी निवेश में भी बाधा पड़ सकती है। लेकिन सभी जानते हैं कि आनलाइन गेमों पर जीएसटी लगाने का निर्णय राजस्व के लिए नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि देश के लाखों नौजवान आनलाइन गेमों के नशे के कारण दिग्भ्रमित हो रहे हैं। कई बार इस नशे के कारण वे इस सीमा तक कर्ज के जाल में फंस जाते हैं कि आपराधिक व अनैतिक गतिविधियां करने लगते हैं तथा यहां तक कि आत्महत्या भी कर लेते हैं। इस सामाजिक बुराई से मुक्ति पाने के लिए सरकार ने कराधान का सहारा लिया है। हानिकारक चीजों को हतोत्साहित करने के लिए उन पर ऊंची दर से टैक्स लगाना कोई नई परिघटना नहीं है। इसके पहले भी सिगरेटों, तंबाकू, शराब, आदि पर अधिकतम दर से टैक्स लगाया गया है, लेकिन ऐसे निर्णयों का कोई विरोध नहीं हुआ क्योंकि समाज हानिकारक चीजों पर अधिक टैक्स लगाने का लाभ समझता है। हानिकारक चीजों को हतोत्साहित करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। वित्त मंत्रालय के प्रतिनिधि का कहना है कि अब तक गेमिंग प्लेटफार्मों पर लगने वाली बोलियों की धनराशि पर प्रभावी टैक्स मुश्किल से 2 से 3 प्रतिशत होता है क्योंकि यह टैक्स इन प्लेटफार्मों के जीजीआर पर लगता है।

ग्राम गेमिंग रेवेन्यू या जीजीआर उस सारी धनराशि का माप है जो खिलाड़ी एक निश्चित समय में हार जाता है। इसके कारण पिछले साल इससे केवल 1700 करोड़ जीएसटी राजस्व की प्राप्ति हुई थी। लेकिन अब शुरुआती धनराशि पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगने पर जीएसटी प्राप्ति में कम से कम दस गुना वृद्धि की आशा है।

वैश्वीकरण तथा नई तकनीक उभरने के साथ ही अनेक प्रकार के नए बिजनेस सामने आ रहे हैं और वे विदेश तथा देश के भीतर से काफी निवेश आकर्षित कर रहे हैं। इन बिजनेसों का संबंध सोशल मीडिया एपों व प्लेटफार्मों, ई-कामर्स, गेमिंग एप, कृषि, आवागमन, रोजगार संबंधी प्लेटफार्मों, डिजाइन व अन्य विनिर्माणा संबंधी सेवाओं व अन्य पर प्रयोग होने वाली तकनीक से है। इनमें से अधिकांश बिजनेस हमारा जीवन सहज बनाते हैं तथा व्यवस्था में नई क्षमतायें पैदा करते हैं। लेकिन हम देखते हैं कि कुछ बिजनेस सामाजिक रूप से हानिकारक होते हैं, भले ही वे नए युग की तकनीकों का प्रयोग कर रहे हों। उदाहरणार्थ, हम देखते हैं कि कुछ सोशल मीडिया एप, जैसे टिकटाक के कारण नौजवान अपने महत्वपूर्ण समय की बरबादी करते हैं जिसका प्रयोग वे उत्पादक कामों में कर सकते हैं।

इसके अलावा कुछ लोग अश्लील सामग्रियों, डेटा की चोरी व अनेक अन्य सामाजिक बुराइयों में लिप्त हो जाते हैं। चीनी निवेश के कारण थोड़े ही समय में टिकटाक 100 बिलियन डालर की कंपनी बन गया जिसका अधिकांश बिजनेस भारत में था। इस पर प्रतिबंध के बाद इसका पूंजीगत मूल्य 90 प्रतिशत घट गया। इसी प्रकार मनोरंजन उद्योग में नए रास्ते खोलने वाले ओटीटी प्लेटफार्म भी अश्लीलता तथा अनेक सामाजिक बुराइयों का कारण बन रहे हैं।

आनलाइन गेमिंग ने नौजवानों को लगभग कभी समाप्त न होने वाले नशे की ओर धकेल दिया है। इनमें से अधिकांश नौजवान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त होकर अपना पैसा गंवाते हैं और कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। पूरे प्रकरण में मजेदार बात है कि इन प्लेटफार्मों पर निवेश देशी व विदेशी स्रोतों से आता है। हालांकि, इनसे इन प्लेटफार्मों को बनाने व इनका संचालन करने वालों को रोजगार भी मिलता है। लेकिन यह सोचने का समय आ गया है कि क्या ऐसा रोजगार उचित है। आजकल क्रिप्टोकरेंसी की प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर नौजवानों को आकर्षित कर रही है। जल्दी पैसा कमाने के लालच में नौजवानों ने क्रिप्टो में भारी निवेश किया है। इस प्रकार जनता की कड़ी मेहनत की कमाई का जो पैसा राष्ट्र-निर्माण के काम में लग सकता था, वह क्रिप्टोकरेंसी के अंधे कुंए में बड़ी मात्रा में जा रहा है। सरकार ने क्रिप्टो के व्यापार पर भी टैक्स लगाने का निर्णय किया है। अब तक शामिल प्राविधानों के अनुसार, धारा 115बीबीएच के अंतर्गत क्रिप्टो परिसंपत्तियों में व्यापार पर 30 प्रतिशत टैक्स तथा 4 प्रतिशत सेस लगता है।

धारा 194एस के अनुसार 1 जुलाई, 2022 से क्रिप्टो संपत्तियों के हस्तांतरण पर 1 प्रतिशत टीडीएस काटा जाता है। इन प्राविधानों के बाद क्रिप्टो के व्यापार में काफी कमी आई है और इससे अनेक नौजवानों को इस विभीषिका से बचाने में मदद मिली है। थोड़ा ठहर कर यह सोचने का समय आ गया है कि क्या हमें ऐसे रोजगारों में निवेश की आवश्यकता है जो हमारे नौजवानों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले हों। हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था में हमेशा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संभावनायें पैदा होती हैं। इन क्षेत्रों में उद्योग, सेवायें व कृषि शामिल हैं। भारत ऐसा देश है जिसने 'आत्मनिर्भर' होने का संकल्प किया है। हमने वे सारी चीजें स्वयं पैदा करने का निर्णय लिया है जिनका पहले आयात किया जाता था। इस उद्देश्य से विभिन्न योजनायें व कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में कुछ क्षेत्रों में निवेश आ रहा है जिसके कारण कुछ नौजवानों को रोजगार मिल रहा है। लेकिन सरकार को उन क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जो नौजवानों को रोजगार देते हैं, वस्तुएं व सेवायें पैदा कर अर्थव्यवस्था में मूल्य संवर्धन करते हैं और इस प्रकार हमारी अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। इनमें विनिर्माण या साफ्टवेयर, विनिर्माण डिजाइन, बैंकिंग, बीमा अथवा ड्रोन, एआई व स्वचालन जैसी नई तकनीकों वाले क्षेत्र शामिल हैं। कृषि क्षेत्र में अनेक नए स्टार्टअप विकसित हो रहे हैं जो हमारे किसानों का जीवन सुधार रहे हैं तथा उनकी आय बढ़ाने में योगदान कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किया गया ओपेन नेटवर्क डिजिटल कामर्स-ओएनडीसी एक नई पहल है। यह गतिशील होकर ऐसे पैसा बरबाद करने वाले माडलों को समाप्त कर रहा है जो रोजगार सृजन में बहुत बड़ी बाधा बन गए हैं। ओएनडीसी ई-कामर्स का लोकतांत्रीकरण कर विक्रेताओं व उपभोक्ताओं का शोषण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। ओएनडीसी के माध्यम से भारी संख्या में रोजगार सृजन अवसर भी पैदा हो रहे हैं। हमें उचित व अनुचित रोजगारों को परिभाषित करना जरूरी हो गया है। इसके साथ ही केवल उचित रोजगारों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुचित रोजगारों को हतोत्साहित करना भी जरूरी हो गया है। इस दिशा में हमें सभी प्रकार के कदम उठाने चाहिए जिनमें टैक्स या गैर-टैक्स उपाय शामिल हैं। इससे हम उन गतिविधियों को हतोत्साहित कर सकेंगे जो सामाजिक बेहतरी के लिए हानिकारक हैं। इसके साथ ही उचित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए नकद प्रोत्साहन व कर रियायतों के माध्यम से समर्थन दिया जाना चाहिए।

अहं से निजात पाने का उपाय

व्यक्ति को इस तथ्य को भी समझना चाहिए कि अहंकार-शून्य अवस्था प्राप्त करना अपने आप में एक यात्रा है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हममें से अधिकांश, किसी न किसी रूप में, अहंकार के पात्र हैं। क्या हम नहीं हैं? यह बड़ी अजीब बात है कि अहंकार के वशीभूत होने के बावजूद बहुसंख्यक लोग इसे स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं। क्यों? क्योंकि हममें से अधिकांश लोग अपने सच्चे स्व और अपने अहंकार के बीच अंतर नहीं जानते हैं। दरअसल, हमें इस बात का एहसास ही नहीं होता कि दोनों में कोई अंतर है। इसका मुख्य कारण यह है कि हम स्वयं को केवल मैं ही पहचानते हैं, और हमारी यह गलती ही हमारे जीवन में अनावश्यक पीड़ा और भावनात्मक पीड़ा पैदा करती है। इसलिए, यह स्वीकार करना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे सच्चे स्व और हमारे अहंकार अलग-अलग हैं।

अहंकार हमारे व्यक्तिगत विकास में बहुत बड़ी बाधा बन सकता है और हमें इसका अंदाज़ा भी नहीं होता। ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश लोगों के लिए अहंकार की पहचान करना थोड़ा मुश्किल है क्योंकि इस पर अधिकांश साहित्य अहंकार, जिद्दीपन, निर्णय का डर, विफलता का डर जैसे लक्षणों की पहचान करता है, लेकिन यह मुख्य बिंदु से चूक जाता है। इन सभी तत्वों में एक समान मूल तत्व है : वे केवल तब होते हैं जब आप जिस तरह से महसूस करना चाहते हैं उसे महसूस करने के लिए बाहरी वातावरण पर निर्भर होते हैं।

जब आप अच्छा महसूस करने के लिए अन्य लोगों की धारणाओं पर भरोसा करते हैं, तो आप निर्णय से डरेंगे, आप असफलता से डरेंगे, आप उस बात को साबित करने के लिए लड़ेंगे जिसके बारे में आप जानते हैं कि वह गलत है, और आप ऐसा करेंगे। जीवन में अपनी स्थिति के लिए दूसरों को दोष देने का प्रयास करें। यही अहंकार के मूल में है यानी आप जैसा महसूस करना चाहते हैं, वैसा महसूस करने के लिए बाहरी वातावरण पर निर्भर रहना।

इतिहास ने दिखाया है कि कैसे महान सभ्यताएँ, शक्तिशाली राजवंश और साम्राज्य अहंकारी, अहंकारी और अहंकारी शासकों के हाथों में पड़कर पूरी तरह से गायब हो गए। यह अतीत और यहां तक कि कई आधुनिक शासकों के अहंकार या अहंकार के कारण है कि यह कहावत गढ़ी गई कि सत्ता भ्रष्ट करती है, और पूर्ण शक्ति पूरी तरह से भ्रष्ट करती है। जिस व्यक्ति में अहंकार होता है वह सदैव अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करता रहता है। ऐसे व्यक्ति का दिमाग कुछ नहीं के बारे में सोचना और योजनाएं बनाना चाहता है, एक परेशान करने वाले अर्थ के साथ एक महत्वपूर्ण कुछ बनाना चाहता है। याद करना!

जब तक हमारे अंदर कुछ बनने की चाहत है तब तक हमें अहंकार का अनुभव होता रहेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि इच्छाएं भविष्य काल में काम करती हैं और उनका पीछा करते समय हम वर्तमान में जीने की आवश्यकता के बारे में भूल जाते हैं। हमें इस तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि हम जो कुछ भी करते हैं उसका एक परिणाम होता है, चाहे वह अच्छा हो या बुरा, और वह परिणाम इस आधार पर काम करता है कि हम क्या हैं। इसलिए, करना केवल होने का परिणाम है। इसलिए, जिस क्षण हम अपने जीवन में कुछ करने की इच्छा करते हैं, उदाहरण के लिए, तेजी से प्रगति करना, अधिक सफल होना या कुछ ऐसा बनना जो हम नहीं हैं... उसी क्षण से हम आनंद लेना बंद कर देते हैं और संघर्ष करना शुरू कर देते हैं।

तो कोई इस जटिल विरोधाभास से कैसे उबर सकता है? क्या यह व्यवहारिक रूप से संभव है? अरे हां!! केवल एक अलग पर्यवेक्षक के रूप में विश्व नाटक में अपनी भूमिका की चेतना में रहकर, क्योंकि विश्व नाटक प्राकृतिक परिणामों के बारे में है न कि व्यक्तिगत इच्छाओं के बारे में। लेकिन व्यक्ति को इस तथ्य को भी समझना चाहिए कि अहंकार-शून्य अवस्था प्राप्त करना अपने आप में एक यात्रा है। व्यवहारिक रूप से इसका एहसास होने में बस एक सेकंड लगता है लेकिन... इससे पहले कि हम वहां पहुंचें, हमें कई कर्मों के हिसाब-किताब को जलाना होगा। महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा में कहा है: एक ट्रस्टी की तरह काम करें, जो बड़ी संपत्तियों पर नियंत्रण रखते हुए भी उनमें से रत्ती भर को भी अपना नहीं मानता है। इस चरण को विनम्रता के साथ हासिल किया जा सकता है क्योंकि यह हमें एक ट्रस्टी के रूप में कार्य करने और मिशन को पूरा करने की महान क्षमता देता है, न कि स्वामित्व की भावना के साथ। यह गुण किसी ऐसे व्यक्ति की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है जिसकी महत्वाकांक्षाएं निस्वार्थ हैं और क्रोध, लालच, अहंकार, वासना और मोह से पूरी तरह रहित हैं। याद करना! विनम्रता का अर्थ है क्रोध, आक्रामकता, स्वार्थी प्रेरणा या छिपे हुए एजेंडे का अभाव।

यह किसी भी तरह से अधीनता या कमजोरी का कार्य नहीं है बल्कि ताकत और ताकत का लक्षण है। याद करना! हमारा अहंकार हमारे आंतरिक तंत्र का एक हिस्सा है और हम कभी भी इससे पूरी तरह छुटकारा नहीं पा सकते हैं, हालांकि, हम अपने सच्चे स्व को अपनाकर इसे पहचानना और उस पर काबू पाना सीख सकते हैं।

आप की बात

सराहनीय कदम

भारत सरकार ने विदेशी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाए हैं। इनका उद्देश्य देश में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। यह नीति विदेशी बाज़ारों के प्रति हमारी आवश्यकता को कम करने के साथ-साथ नए व उन्नत तकनीकी उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देगी। नवंबर 2023 से लागू होने वाले विदेशी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध एक महत्वपूर्ण निर्णय है जिसकी सबको सराहना करनी चाहिए। महत्वपूर्ण है कि पहले इनके आयात के लिए लाइसेंस नहीं लेना पड़ता था, जबकि अब लाइसेंस लेना पड़ेगा। हालांकि, इस नीति के प्रभाव से कुछ अल्पकालीन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आयातकों को लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया से थोड़ी परेशानी पैदा हो सकती है। लेकिन कुल मिला कर यह नीति देश के घरेलू निर्माताओं के लिए बड़े स्तर पर अवसर प्रदान कर सकती है। इससे देश में नए उद्यमियों को काम करने का अवसर मिलेगा। भारत ने पहले ऐसी नीति मोबाइल फोन, टीवी, आदि के बारे में लागू की थी जिसका लाभ आज भारतीय उद्योगों और भारतीय अर्थव्यवस्था को देखने को मिल रहा है।

-अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

कश्मीर का अतीत

सरकार ने 1989-90 के दौरान कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार की फाइलों को 34 साल बाद अब फिर से खोलने का फैसला किया है। इसमें पहले जस्टिस नीलकंठ गंजू की 1989 में हुई हत्या का मामला खोला जा रहा है। यह एक सराहनीय कदम है। 1990 के दौरान कश्मीर घाटी में हुए खूनी खेल की बड़ी अपराधिक साजिश का पता लगाने के लिए केंद्र सरकार ने राज्य जांच एजेंसी एसआईए को जिम्मेदारी सौंपी है। एसआईए ने भी एक आधिकारिक संदेश जारी कर इन हत्याओं के बारे में सभी लोगों से आग्रह किया है कि वह इन हत्याओं के विषय में कोई भी जानकारी, तथ्य या उपयोगी सामग्री जांच एजेंसी से साझा करें। कश्मीर फाइल बनाने वालों का हार्दिक आभार कि उन्होंने इस विषय को गंभीरता से उठाकर जनजागृति का कार्य किया है। कश्मीर का अतीत देश-प्रदेश के साथ ही सारी दुनिया के सामने आना चाहिए कि किस प्रकार हिंदू-मुस्लिम एकता, प्राचीन भारतीय सभ्यता व संस्कृति तथा अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय व असाधारण प्रतिभाओं वाल कश्मीर इतनी बुरी दशा में कैसे पहुंच गया। कश्मीर की बरबादी के जिम्मेदारों व उनके वारिसों की पहचान होनी ही चाहिए।

-एम एम राजावत, शाजापुर

अमेजन वनों की रक्षा

ब्राज़ील ने कहा था कि पिछली जुलाई की तुलना में अमेज़न वनों की कटाई में 60 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। हाल में ब्राजील के बेलेम में अमेज़न सहयोग संधि संगठन का शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। यह संगठन 45 साल पुराना है जिसकी पहले केवल तीन बार बैठक हुई है। इस गठबंधन को पुनर्जीवित करने का सारा श्रेय ब्राज़ील के राष्ट्रपति 77 वर्षीय लूला दा सिल्वा को है। उनके सत्ता में आने के कुछ ही महीने हुए हैं, पर वे पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए जी जान से काम कर रहे हैं। अमेजन वर्षा वन संरक्षण के लिए आठ देश इसमें भाग ले रहे हैं। अमेज़न वन बचाना सिर्फ दक्षिण अमेरिका ही नहीं बल्कि पुरी धरती के लिए जरुरी है। इसे धरती का फेफड़ा कहा जाता है। पर्यावरण संरक्षण में ऐसे ही क्षेत्रवार सम्मेलनों की जरुरत है। अब क्षेत्रवार सभी देशों, उनके प्रांतों, शहरों, कस्बों, कालोनियों, गलियों व मुहल्लों में ऐसे सम्मेलन होने चाहिए ताकि हर घर-परिवार पेड़-पौधों की सुरक्षा में अपना योगदान दे सके। इससे लोगों को जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूक किया जा सकेगा।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

डाटा संरक्षण

संसद में डाटा प्रोटक्शन बिल पास हो जाने के बाद उपभोक्ताओं के डाटा का दुरुपयोग करना कंपनियों के लिए मुश्किल होगा, परंतु शायद यह नामुमकिन न हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई के बाद सोशल मीडिया या किसी भी तरह के ऐप डाउनलोड करते ही वह तभी एक्टिवेट होते हैं जब 20 -25 पृष्ठों की प्राइवेसी पॉलिसी को एक्सेप्ट नहीं कर लिया जाता। 98 प्रतिशत उपयोगकर्ता इसे पढ़े बिना हीं एक्सेप्ट करके अपना अकाउंट एक्टिवेट करवा लेते हैं। जब कहीं अनजान नंबरों से मैसेज व फोन काल आने लगते हैं। तब हमें समझ में आता है कि हमारा डाटा बेचकर कंपनी अच्छा खासा पैसा कमा चुकी है। आम नागरिक की पर्सनल जानकारी से लेकर महत्वपूर्ण व्यक्तियों तक की जानकारियां महंगे दामों में बेचकर ये कंपनियां बेफिक्र हो जाती हैं। लेकिन इसका खामियाजा कई रूपों में उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है। साइबर ठगी में भी यह डाटा बहुत काम आता है। एआई से आवाज की नकल करके भी साइबर ठग लाभ उठा सकते हैं। अत: जनता को भी सावधानी बरतनी होगी।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

यूपी सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करने से किया इंकार

● विधानसभा में सपा ने जोर-शोर से उठाया मामला, सरकार के जवाब से असंतुष्ट होकर किया सदन का बहिष्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा के मनसून सूत्र के तीसरे दिन बुधवर को पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सरकार के जवाब से असंतुष्ट समाजवादी पार्टी के सदस्यों सदन से वाकआउट किया। प्रश्नप्रहर में समाजवादी पार्टी के लालजी वर्मा, जयप्रकाश अंचल तथा रालोद के गुलाम मोहम्मद ने प्रदेश के सभी राज्यकर्मियों की पुरानी पेंशन से आच्छादित करने की योजना लागू किए जाने की मांग की। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली नहीं होगी। इस मौके पर उन्होंने नई पेंशन स्कीम के फायदे भी गिनाए।

उन्होंने कहा कि नई पेंशन स्कीम से कर्मचारियों का ज्यादा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पांच लाख 59 हजार सरकारी कर्मचारियों ने नई पेंशन स्कीम का लाभ लेना शुरू कर दिया है। तीन लाख से अधिक अशासकीय कर्मचारी हैं। नई पेंशन स्कीम में ज्यादा लाभ है। इसलिए इसे लागू किया गया है। नई पेंशन जब लागू हुई तब हमारी सरकार नहीं थी। कुल राजस्व का लगभग 59 फीसदी हिस्सा वेतन और पेंशन पर हम खर्च कर देते हैं। ज्यादातर स्टेट नई पेंशन लागू कर रहे हैं। यह स्कीम कर्मचारियों के हित में हैं। इसलिए इसे बदलने की कोई योजना नहीं है। खन्ना के जवाब से असन्तुष्ट सपा ने सदन से बहिर्गमन किया। संसदीय कार्यमंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर सपा के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

आज ही प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी के अभय सिंह ने कषि यंत्रों से जीएसटी समाप्त किए जाने का मामला उठाया। इस पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जीएसटी राज्य सरकार का विषय नहीं है। इस विषय को जीएसटी की मीटिग में ही उठाया जाना चाहिए। राज्य स्तर से सरकार किसानों को जितनी सुविधाएं दे सकती है वो दे रही है। किसानों का हित सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। समाजवादी पार्टी के सदस्य डा आर के वर्मा ने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान एक दिन कम से कम पर्यावरण पर चर्चा भी होनी चाहिए। जवाब में वन एवं पर्यावरण मंत्री डा अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि हाल में राज्य सरकार द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया।

उन्होंने कहा कि पेड़-पौधों के माध्यम से पर्यावरण को संतुलित किया ज सकता है। प्रश्न प्रहर में समाजवादी पार्टी के देवेन्द्र प्रताप सिंह ने विधायक निधि को जीएसटी से मुक्त किए जाने की मांग की। जिसपर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विधायक निधि पर कोई जीएसटी नहीं है। शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी के इकबाल महमूद ने कल सदन में गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा पूर्वप्रधानमंत्री के बारे किसी टिप्पणी पर आपत्ति दर्ज कराते हुए उसे सदन की कार्यवाही से निकाले जाने की मांग की। इसपर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि चौधरी साहब किसानों के मसीहा थे उन्हें किसी दल की सीमा में नहीं बांधा जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि दिखवा लेगें यदि कुछ अमर्यादित या आपत्तिजनक है तो उसे कार्यवाही से निकाल दिया जायेगा। हालांकि इससे पूर्व गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण ने कहा कि उन्होंने चौधरी साहब के बारे में ऐसा कुछ भी नहीं कहा जिसकों यहां मुददा बनाया जा रहा है। उन्होने कहा कि वे चौधरी साहब की नर्सरी से निकले है। कहा कि वही एक ऐसे मंत्री है जिनके कार्यालय और घर में चौधरी साहब की तस्वीर लगी है। उनके प्रति असम्मान करना तो दूर सोंचा भी नहीं जा सकता।

नई कार्यसंचालन नियमावली में संशोधन को लेकर विधायकों ने दिए सुझाव

लखनऊ। विधानसभा में विधानसभा की नई कार्यसंचालन नियमावली में संशोधन को लेकर सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। इस पर सदस्यों के सुझाव आने से पहले विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि नई नियमावली में सरलीकरण किया गया है। लोकसभा में अभी तक अंग्रेजी में नियमावली थी वहां भी नई नियमावली बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि नई नियमावली संशोधन पर सदस्यों के सुझाव को विचारार्थ स्वीकार किया जाएगा। सपा के सदस्य लाल जी वर्मा ने कहा कि नियमावली में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदन की कार्यवाही साल में कम से कम नब्बे दिन तो चलना ही चाहिए। सदन जितना लंबा चलेगा जनता के मुद्दों को उठाया जा सकेगा। उन्होंने विधानसभाध्यक्ष द्वारा नई नियमावली बनाए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया।

गलत बिलिंग पर तत्काल एक्शन ले रही सरकारः एके शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में बिजली मीटर बिलिंग को लेकर सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों पर जबाव देते हुए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं को बिजली का सही बिल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गलत बिलिंग की शिकायत पर तत्काल प्रभाव से एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही समय-समय पर बिलिंग प्रॉसेस की रैंडम चेकिंग भी हो रही है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि. की अधिकृत वेबसाइट पर गलत बिल की शिकायत स्वत: दर्ज करने या निकटतम विभागीय कार्यालय की सहायता से दर्ज कराने की व्यवस्था है। गलत बिल की शिकायत प्राप्त होने पर उपखंड अधिकारी, अधिशासी अभियंता कार्यालय द्वारा तत्परता से कार्यवाही कर गलत बिलों को सही किए जाने की व्यवस्था की गई है। गलत बिलिंग के सवाल पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लिखित जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ऊर्जा विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के परिसर पर जाकर एंड्रायड आधारित बिलिंग एप द्वारा मीटर रीडिंग लेकर बिल उपभोक्ताओं को उनके परिसर पर ही उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था लागू है। इसके अंतर्गत डाउनलोडेबल मीटरों में प्रोब के माध्यम से मीटर रीडिंग डाउनलोड कर बिल जारी किए जा रहे हैं। बिलिंग न हो पाने पर मीटर रीडर द्वारा मीटर की रीडिंग स्वयं अंकित कर बिलिंग एप से बिल जारी किया जाता है। उपभोक्ता को बिल जारी होने के बाद एसएमएस के माध्यम से भी बिल की जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही, डिस्काम्स द्वारा बिलिंग एजेंसियों से संपादित अनुबंध में माह में की जा रही बिलिंग की 1 प्रतिशत रैंडम चेकिंग बिलिंग एजेंसी के सुपरवाइजर द्वारा तथा 1 प्रतिशत रैंडम चेकिंग अतिरिक्त रूप से डिस्काम्स के आधिकारियों द्वारा किया जाना प्राविधानित है।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर से होगा समाधान

उपभोक्ता को त्रुटिरहित बिल जारी किए जाने के लिए यूपीसीएल की ओर से कई और सुविधाएं दी जा रही हैं। इसके तहत, 10000 रुपए प्रति किलोवाट प्रतिमाह से अधिक तथा 100000 रुपए प्रति किलोवाट से अधिक की कुल बिल धनराशि वाले बिलों को बिलिंग प्रणाली पर रोके जाने की व्यवस्था है। ऐसे प्रकरणों में संबंधित उपखंड अधिकारी, अधिशासी अभियंता वितरण द्वारा बिल पर विचार किए जाने के बाद ही त्रुटिरहित बिल जारी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त रिवैम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के अंतर्गत वर्तमान मीटरों को बदल कर प्रीपेड स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने की योजना क्रियाशील है जिससे गलत बिलिंग की समस्या का निदान हो जाएगा। स्मार्ट मीटर को लेकर किए गए एक अन्य सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री ने बताया कि स्मार्ट मीटर ज्यादा यूनिट के बिल जनरेट नहीं कर रहे हैं। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का विद्युत बीजक मीटर में रिकॉर्ड की गई वास्तविक ऊर्जा खपत के आधार पर बनाया जाता है। अभी तक स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं द्वारा स्मार्ट मीटर तेज चलने की प्राप्त कुल 1005 शिकायतों में से जांच कराए जाने पर 961 स्मार्ट मीटर सही पाए गए एवं मात्र 44 स्मार्ट मीटर तेज चलते पाए जाने पर इन्हें तत्काल परिवर्तित कर दिया गया।

यदि उपभोक्ता को स्थापित स्मार्ट मीटर में रिकॉर्ड की जा रही रीडिंग पर संदेह होता है तो उपभोक्ता द्वारा अनुरोध करने पर चेक मीटर लगाकर स्थापित स्मार्ट मीटर की जांच की जाती है। किसी कमी के परिलक्षित होने पर मीटर को 15 दिनों के भीतर नए मीटर से बदलते हुए उस माह के, जिसमें शिकायत प्राप्त हुई, से पूर्व तीन माह का बिल अंतिम परिणाम के अनुसार पश्चातवर्ती बिल में समयोजित कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 20 मार्च 2023 तक 11.79 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए गए हैं। जून 2018 में स्मार्ट मीटर स्थापना की शुरुआत से 20 मार्च 2023 तक स्मार्ट मीटर संबंधित कुल 72846 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसके बाद मीटरों को परिवर्तित कर दिया गया। इन परिवर्तित मीटरों में से 52250 स्मार्ट मीटर खराब होने एवं 4431 मीटर अन्य तकनीकी कारणों से परिवर्तित किए गए।

बिल और ऑर्डिनेंस के लिए स्टैंडिंग कमेटी का गठन होः आराधना मिश्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने विधानसभा के मानसून सत्र में आज युवाओं की बेरोजगारी और विधानसभा की नई नियमावली में महिला विधायकों की प्रश्न करने की भागीदारी को कानूनी रूप से सुनिश्चित करने, और विधानसभा में बिल एवं ऑर्डिनेंस बनाने के लिए स्टैंडिंग कमेटी गठित करने का मुद्दा उठाया।

आराधना मिश्रा मोना ने नियम 56 के अंतर्गत प्रदेश में बेरोजगारी पर सरकार और विधानसभा अध्यक्ष से चर्चा कराने की मांग की लेकिन भाजपा आदित्यनाथ सरकार द्वारा युवाओं की बेरोजगारी पर चर्चा से इंकार कर दिया गया जिस पर आराधना मिश्रा मोना ने सरकार पर युवाओं के भविष्य के प्रति गंभीर न होने का आरोप लगाया और कहा प्रदेश में बेरोजगारी से युवा वर्ग के अंदर काफी रोष है, युवा परेशान है लेकिन बीजेपी सरकार सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है, सच्चाई बिल्कुल अलग है। सरकार का दावा है कि बेरोजगारी दर कम हो रही है लगभग चार प्रतिशत है लेकिन हकीकत यह है कि युवाओं ने अब सरकार से रोजगार की उम्मीद लगाना ही बंद कर दिया है जिसकी सच्चाई सीएमआईई के आंकड़े बयां कर रहे हैं। प्रदेश में युवा श्रम भागीदारी दर गिर रही है, 2019 में प्रदेश में युवाओं की श्रमबल भागीदारी 41.02 प्रतिशत थी जो दिसंबर 2022 में गिरकर 22ण्4 प्रतिशत रह गई, इससे साफ-तौर पर भाजपा सरकार की रोजगार देने के दावों की हकीकत पता चल रही है। यदि भाजपा सरकार ने इतने ही रोजगार दिए हैं तो चर्चा से क्यों भाग रही है। आराधना मिश्रा मोना ने नई नियमावली में अपने सुझाव में महिला विधायकों के भागीदारी को सुनियिश्चत करने के लिए कानूनी व्यवस्था का सुझाव दिया और कहा की महिलाओं की सशक्तिकरण से ही प्रदेश का विकास संभव है इसलिए महिला की आवाज विधानसभा में सिर्फ औपचारिकता बनकर न रह जाए इसके लिए कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि महिला विधायकों के प्रश्नों को प्राथमिकता से लिया जाए एवं उनके बोलने के लिएए प्रश्न उठाने के लिए भागीदारी को कानूनी रूप से सुनिश्चित किया जाए।

मोना ने विधानसभा में बिल एवं ऑर्डिनेंस के लिए स्टैंडिंग कमेटी के गठन की मांग की और कहा कि हम कोई भी कानून बनाते हैं तो उसके दूरगामी व्यापक परिणाम होते हैं इसके लिए उस पर विस्तार से मंथन, चर्चा, सुझाव हेतु देश की संसद की तरह स्टैंडिंग कमेटी का गठन किया जाए ताकि कोई भी बिल और ऑर्डिनेंस बनने से पहले स्टैंडिंग कमेटी में भेजा जाए, जिससे विस्तार से उसके परिणामों पर, उसके प्रभाव पर, चर्चा की जा सके। हम जब कोई भी कानून बनाते हैं तो उन कानूनों से पूरे प्रदेश में सामाजिक आर्थिक और अन्य प्रभाव पड़ते है, जिससे प्रदेश का भविष्य तय होता है। इसलिए उन पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता है जिसके लिए स्टैंडिंग कमेटी का गठन किया जाना आवश्यक है।

कागज के गोले फेंकने जैसी प्रवृति खत्म होनी चाहिएः मानवेन्द्र प्रताप

भाजपा के मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि नई नियमावली में वाकआउट पर निश्चित व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित होना चाहिए कि सदन में अध्यक्ष की पीठ पर कागज के गोले फेकने जैसी प्रवृति खत्म होनी चाहिए। बसपा विधानमंडल दल के नेता ने कहा कि नई नियमावली निश्चित रूप ऐतिहासिक कदम है। उन्होने अन्य सदस्यों द्वारा रखे गए सुझावों से संबद्ध करते हुए कहा कि निश्चित रूप से विधानसभाध्यक्ष का यह निर्णय स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय लोकदल के अजय कुमार ने कहा नई नियमावली में बजट सत्र की अवधि बढनी चाहिए। यह भी व्यवस्था होनी चाहिए कि प्रश्नों का कार्यकाल बढाया जाये।

आवश्यकता पड़ने पर अधिकारियों को बुलाने की व्यवस्था होः राकेश सिंह

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सदस्य राकेश सिंह ने यह व्यवस्था हो कि आवश्यकता पड़ने पर जब भी कोई सदस्य पुलिस या प्रशासनिक अधिकारी को बुलाए तो उसे आना चाहिए। सपा की सदस्य डा रागिनी ने प्रश्नकाल का समय बढाया जाना चाहिए। इसी तरह का सुझाव सपा के संग्राम सिंह ने भी दिया उन्होंने कहा कि सत्र की अवधि बढाई जानी चाहिए। उनका कहना था कि अक्सर नए सदस्यों की यह शिकायत रहती है कि पुराने सदस्यों के आगे उन्हें बोलने का अवसर नहीं मिल पाता इसलिए जरूरी है कि सत्र की अवधि बढाई जाए। सपा के ही जगदीश नारायण राय ने कहा कि नियमावली में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि जनता के ज्वलंब मुद्दों पर चर्चा के लिए समय निर्धारित होनी चाहिए। सपा के ही कमाल अख्तर ने कहा कि नई नियमाली में सदस्यों भत्ता आदि बढाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए।

समयबद्ध पदोन्नति शासकीय सेवा का अनिवार्य हिस्साः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● योगी ने की नियुक्ति व कार्मिक विभाग की समीक्षा, सीएम फेलो के रूप में सेवारत युवाओं को शासकीय सेवा में वेटेज के लिए नीति बनाने के दिए निर्देश

● 30 सितंबर तक पूरी की जाए विभागीय पदोन्नति की कार्यवाही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग की समीक्षा की और सभी विभागों में रिक्त पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण संस्थान को उपाम के नवीन परिसर में स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सभी सीएम फेलो अच्छा कार्य कर रहे हैं। शासन के साथ जुड़कर आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्य करने का यह अवसर युवाओं को मूल्यवान अनुभव प्रदान करने वाला है। फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत शोधार्थियों को प्रदेश सरकार के साथ नीति, शासन, प्रबन्धन, कियान्वयन अनुश्रवण के कार्यों में सहभागिता का विशिष्ट अवसर प्राप्त हुआ है। इससे शोधार्थियों को विकास के विभिन्न क्षेत्रों को समझने तथा उनमें सहयोग करने का सुअवसर मिला है, जो उनके भविष्य निर्माण में भी सहायक है। सीएम फेलो की सेवावधि पूर्ण होने के बाद भविष्य में होने वाली शासकीय सेवाओं में इन युवाओं को वरीयता दी जाए। इन्हें आयु में छूट और अनुभव के लिए भारांक दिया जाना चाहिए। इस संबंध में सुस्पष्ट नीति तैयार करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार योग्य, नवाचारी और कर्मठ अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की नीति के साथ कार्य कर रही है। इसी भाव के साथ विवत 6 वर्ष में वरिष्ठ पदों पर तैनाती की औसत अवधि में विस्तार हुआ है। 2012-17 तक जिलाधिकारी स्तर पर जहां औसतन 12 माह का कार्यकाल होता था, आज न्यूनतम 18 माह की अवधि मिल रही है। इसी प्रकार, अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव पद पर 2012-17 के मध्य औसतन कार्यकाल 17 माह का हुआ करता थाए आज औसतन 26 माह की अवधि मिल रही है। इससे अधिकारियों को कार्य करने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शन का मौका भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समयबद्ध पदोन्नति शासकीय सेवा का अनिवार्य हिस्सा है। हर कर्मचारी को नियत समय पर इसका लाभ मिलना ही चाहिए। पदोन्नति की प्रक्रिया अनावश्यक लंबित न रखी जाए। इस वर्ष मुख्य सचिव/अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष स्तर पर की जाने वाली पदोन्नति की कार्यवाही प्रत्येक दशा में 30 सितंबर तक पूरी कर ली जाए।

कर्मचारियों के एसीआर को उनकी कार्यक्षमता/कार्यपद्धति से जोड़ा जाना चाहिए। इस संबंध में तकनीक की मदद से एक बेहतर कार्ययोजना तैयार करें। कर्मचारियों की नियुक्ति, स्थानांतरण, अवकाश प्रबंधन, मेरिट बेस्ड ऑनलाइन ट्रांसफर, वेतन आहरण, सेवा पुस्तिका प्रबंधन और कार्यमुक्ति के लिए मानव संपदा पोर्टल के उपयोग किया जाना चाहिए। इस पोर्टल के अब तक के उपयोग से न केवल शासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ी है बल्कि कर्मचारियों को आसानी भी हुई है। बढती आवश्यकताओं के दृष्टिगत इसे और प्रभावी बनाए जाने की आवश्यकता है।

प्रदेश के कई विभागों ने सरकार को लगाई हजारों करोड़ की चपत

कैग रिपोर्ट

● विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से कुल 3640 करोड़ का नुकसान हुआ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट से सरकारी विभागों में हजारों करोड़ की गड़बड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसमें आबाकारी, विकास प्राधिकारण नगर विकास एवं चिकित्सा, शिक्षा विभाग में बड़ी मात्रा में गड़बड़ियां सामने आई हैं। प्रदेश सरकार को शराब में करीब 1276 करोड़ का नुक्सान हुआ है। कैग रिपोर्ट के मुताकिब स्टांप एवं निबंधन विभाग में 351.30 करोड़ रुपए की अनियमितता पाई गई है। निकायों और प्राधिकारणों में 8170 करोड़ रुपए की गड़बड़ी सामने आई। इसी तरह से बिजली विभाग में 36.22 करोड़ रुपए की गड़बड़ी का मामला प्रकाश मे आया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग में 746.22 करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ है। इसके अलावा विकास प्राधिकरण में 3362 करोड़ रूपए की अनिमितताएं पाई गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते पांच विभागों में कुल 3640 करोड़ का नुकसान हुआ है। इन पांचों विभागों में नंबर एक पर स्टेट जीएसटी विभाग है जिसने 1525 करोड़ के नुकसान की बात स्वीकार की है। दूसरे नंबर पर आबकारी विभाग है जिसमें 1276 करोड़ रुपए की घपला कर सरकारी खजाने का नुक्सान पहुंचाया गया है। तीसरे नम्बर पर खन्न विभाग है जिसमें 13 जिलों में 3588 मामलों में 440 करोड़ रुपए का नुकसान सामने आया है जिसमें रॉयल्टी या तो कम ली गई है या फिर नही ली गई। चौथे नम्बर पर स्टांप व पंजीयन विभाग है जिसमें करीब 708 मामलों में 351 करोड रुपए से अधिक की गड़बड़ी पकड़ी गई है। पांचवें नम्बर पर वाहन व यात्री कर विभाग आया है जिसमें लगभग 48 करोड रुपए की अनिमितताओं को पता चला है।

सपा ने शिक्षा के गिरते स्तर का मुद्दा उठाया, किया वाकआउट

● आजमगढ़ में छात्रा की मौत के मामले की एएसपी स्तर के अधिकारी करेंगे जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद की कार्यवाही

मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भी विधान परिषद सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चली। इस दौरान सपा सदस्यों ने प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर का मुद्दा उठाया और चर्चा कराए जाने की मांग की। सरकार के जवाब से असंतुट सपा सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। वहीं शिक्षक दल की ओर से आजमगढ़ में एक स्कूल में छात्रा की पिछले दिनों हुई मौत के मामले का प्रमुखता से उठाया। इस मामले में सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने सरकार से प्रकरण की जांच एडीशनल एसपी स्तर के अधिकारी से कराए जाने के निर्देश दिए।

शून्यकाल में प्रदेश में शिक्षा के स्तर में निरंतर हो रहे गिरावट का आरोप लगाते हुए सपा के लाल बिहारी यादव, स्वामी प्रसाद मौर्य, नरेश चन्द्र उत्तम, डॉ. मानसिंह यादव तथा आशुतोष सिन्हा ने सदन में सरकार को घेरने की कोशिश की। सपा नेताओं ने इस दौरान अल्प वेतन प्राप्त करने वाले शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से प्रदेश में शिक्षा को पूंजीपतियों के हवाले कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि प्रदेश में दिन-प्रतिदिन शिक्षा के स्तर में सुधार हो रहा है। स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है जबकि स्कूलों के पुराने एवं जर्जर भवनों का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण किया जा रहा है। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट काफी बेहतर हुई है जबकि नकलविहीन बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी बेहतर आने लगे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंत्री के उत्तर से असंतुष्ट सपा के सदस्यों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन किया।

शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने आजमगढ़ में चिल्ड्रेन गर्ल्स स्कूल के प्रधानाचार्य व शिक्षक को जेल भेजने का मामला उठाया। पूरे घटनाक्रम में पुलिस की भूमिका की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की। सरकार की ओर से जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जांच के बाद हत्या के मुकदमे को धारा 306/201 आईपीसी में तरमीम कर दिया गया है। उन्होंने मामले की विवेचना मऊ के सीओ सिटी द्वारा की जा रही है। सभापति ने प्रकरण की जांच एडीशन एसपी स्तर के पुलिस अधिकारी से कराने के सरकार को निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जांच जल्द से जल्द पूरी की जाए।

सदन के पटल पर रखे गए चार विधेयक

- उत्तर प्रदेश नागर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि (संशोधन) विधेयक, 2023
- उत्तर प्रदेश नगर पालिका (संशोधन) विधेयक, 2023
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023
- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2023

गैर इरादतन हत्या में बाप बेटे को 10 वर्ष की सजा

विधि संवाददाता। लखनऊ

गैर इरादतन हत्या के एक मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त राम शंकर सैनी व इसके पुत्र शैलेंद्र सैनी तथा महेंद्र सैनी को सत्र अदालत ने 10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे राहुल मिश्रा ने इन पर 20-20 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सरकारी वकील श्यामेंद्र कुमार शुक्ल के मुताबिक अभियुक्तगण अपने घर के सामने रहने वाले 30 वर्षीय सुयश शुक्ला से गाली गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर उसे लात घुसों व बांस से मारापीटा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फिर जानमाल की धमकी देते हुए उसे उसके घर में बंद कर मेन गेट पर खड़े हो गए। कहने लगे कि घर से बाहर निकले तो सबको मारेंगे। डर के मारे कोई बाहर नहीं निकला। दूसरे दिन अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। 26 अगस्त 2007 को इस मामले की एफ्आईआर मृतक के पिता ओम प्रकाश शुक्ला ने थाना हुसैनगंज में दर्ज कराई थी।

शौचालय घोटाले में दर्ज होगी एफआईआर

संवाददाता। सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में बहुचर्चित स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण शौचालय घोटाला मामले में अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। आरोपी सचिवों पर बर्खास्तगी की तलवार लटक चुकी है सभी सचिवों को जहां नोटिस जारी कर दिए गए है वहीं घोटाले में शामिल सचिव और ग्राम प्रधान समेत अन्यों के विरुद्ध थाने में एफआईआर के लिए एडीओ की ओर से तहरीर दिए जाने के बाद हड़कंप मच गया है। अब आइए पूरा मामला भी आपको बताते है दरअसल सीतापुर के विकासखंड रामपुर मथुरा की 20 ग्राम पंचायतो में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2017-18 , 2018-19 व 2019-20 के मध्य ग्राम निधि 6 में शौचालय निर्माण हेतु पेशित की गई 69 लाख 74 हजार 989 रुपये की अनियमितता के मामले की क्षेत्रीय भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने शिकायत की थी। जिसके बाद तत्कालीन एडीओ पंचायत अभय मौर्य, सचिव मनोज कुमार, रक्षित कुमार और संतोष कुमार को निलंबित कर दिया गया था। इस मामले को लेकर 20 ग्राम प्रधानों को नोटिस जारी हुई थी और घोटाले की इस रकम की वसूली के आदेश भी जारी हो गए थे। इसके बाद सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने जांच टीम पर आरोप लगाए थे कि यह जांच पारदर्शी नहीं हुई है इसमें उच्चाधिकारियों को बचाया गया है। डीएम अनुज सिंह ने एडीएम की अध्यक्षता में कई अधिकारियों की एक जांच टीम बना दी और विधायक द्वारा दिए गए कमियों वाले 70 बिंदुओं पर मजिस्ट्रेटी जांच बैठा दी। निलंबित किए गए तीन आरोपी सचिवों ने इसी बीच शपथ पत्र देकर डीएम के सामने उपस्थित होकर शिकायत की। निलंबित एडीओ अभय मौर्य के माध्यम से तत्कालीन पीडी गजेन्द्र प्रताप सिंह, डीडीओ हरिशचंद्र प्रजापति ने जांच में बचाने के लिए उन लोगो से 20 लाख रुपये लिए थे। मजिस्ट्रेटी जांच में हर मंगलवार को जांच हुई मौके पर

● निलंबित 4 सचिवों की बर्खास्तगी की नोटिस हुई जारी

● रामपुर मथुरा ब्लाक की 20 ग्राम पंचायतों में हुआ है घोटाला

● जिलाधिकारी अनुज सिंह के निर्देश पर हुई है मजिस्ट्रेटी जांच

जाकर भी अधिकारियों ने जांच पड़ताल की और जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित कर दी गई। मगर जांच फिर भी दब गई। पिछले दिनों जिले के प्रभारी मंत्री मंयकेश्वर शरण सिंह जब सीतापुर पहुंचे तो सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने उनके सामने फिर मामला रखा। प्रभारी मंत्री ने जिला अधिकारी से प्रगति रिपोर्ट पूछी तो बताया गया वह चारों सचिवों को बर्खास्त कर रहे है और एफआईआर दर्ज करा रहे है। फिर जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई के लिए सीडीओ को भेजा गया। जिसके बाद ब्लाक रामपुर मथुरा के सहायक विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने रामपुर मथुरा थाना अध्यक्ष को एक लिखित तहरीर देकर जांच आख्या के आधार पर 70 लाख के करीब अनियमितता करने वालों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए कहा गया है, लेकिन जांच में कौन-कौन दोषी पाया गया है उनकी सूची न दिए जाने से थाना अध्यक्ष अब इस मामले में उलझ कर रह गए है। वह उच्चाधिकारियों से अग्रिम आदेश मिलने का इंतजार कर रहे है, फिलहाल घोटाला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होने में हो रही देरी सरकार की मंशा को तो पलीता लगा ही रही है अधिकारियों की कार गुजारियों को भी उजागर कर रही है, तभी तो प्रभावी कार्रवाई में देरी का फायदा उठाकर निलंबित तत्कालीन एडीओ अभय मौर्य हाईकोर्ट तक पहुंच गया। डीएम और विधायक ज्ञान तिवारी को पार्टी बनाया। हालाकिं होईकोर्ट से उसे राहत नहीं मिली। जबकि रामपुर मथुरा ब्लाक की 20 ग्राम पंचायतो में शौचालय निर्माण का यह घोटाला उजागर होने के बाद जिले में बड़े पैमाने पर ऐसा ही घोटाला होने की आंशका जताई गई थी उस पर जांच करने अथवा घोटाला उजागर होने पर ऐसी कार्रवाई की गई हो जो नजीर बने ऐसा अभी तक सामने नहीं आ सका है। हालाकिं जिलाधिकारी अनुज सिंह ब्लाक रामपुर मथुरा की इन 20 ग्राम पंचायतों मे हुए घोटाले मामले में दोषियों की बर्खास्तगी से लेकर एफआईआर की कार्रवाई करने में जुटे हुए है। ऐसा होता है तो करीब 30 से 35 लोगों पर यह गाज गिरेगी जिनमें 20 ग्राम प्रधान, चार सचिव तत्कालीन बीडीओ, एडीओ, बैंक मैनेजर और स्वच्छता से जुड़े कर्मचारी शामिल होगें।

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई गई अमृतकाल के पंच प्रण की शपथ

संवाददाता। सीतापुर

भारत के इतिहास में कई अहम घटनाओं के लिए याद किए जाने वाला 9 अगस्त एक और इतिहास का साक्षी बना। इस दिन यूपी के सीतापुर में भी हजारों लोगों ने अमृतकाल के पंच प्रण की शपथ ली। सीतापुर के कलेक्ट्रेट सभागार से लेकर जिले के गांजरी इलाके में अंतिम छोर पर घाघरा नदी के किनारे बसे गांव दुर्गापुरवा के ग्रामीणों ने पंच प्रण की शपथ लेकर यह संदेश दिया कि वह भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगें। यानी की पहले चरण में पंच प्रण के जरिए स्वाधीनता की अलख जगाई गई। डीएम ने कहा कि हम शपथ लेते है कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेगें। उन्होने यह प्रण किया और कराया कि गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे और देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेगें। पंच प्रण की

● मेरी माटी-मेरा देश, हर घर तिरंगा अभियान का हुआ शुभारम्भ

● ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, ब्लाकों, सरकारी कार्यालयों में शपथ गई दिलाई

● देश की एकता, एकजुटता के लिए प्रयासरत रहने का लिया संकल्प

● गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प किया गया व्यक्त

शपथ के क्रम में भारत की एकता पर सुदृढ़ करने और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने एंव नागरिक होने का कर्तव्य निभाने की शपथ डीएम अनुज सिंह ने दिलाई। इस मौके पर एडीएम रामभरत तिवारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश भी पढ़कर सुनाया। जिसमें कहा गया कि एक दिन जीवन का प्रत्येक क्षण शरीर का प्रत्येक कण मात्र भूमि के लिए जीना ही आजादी के दीवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसी क्रम तहसील बिसवां क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोलोक कोडर का मजरा दुर्गापुरवा में तहसीलदार बिसवां अविचल प्रताप सिंह ने ग्रामीणों को अमृतकाल के पंच प्रण की शपथ दिलाई। इस मौके पर पीएसी टीम प्रभारी डीएन सिंह, लेखपाल राकेश कुमार, अमर सिंह, प्रधान विनोद सहित ग्रामीणों ने शपथ ली। इसके अलावा अन्य सभी ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, ब्लाकों,सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक व व्यासायिक प्रतिष्ठानों में अधिकारियों कर्मचारियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई गई। इसी के साथ मेरी माटी-मेरा देश और हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत हो गई। आइए अब यह भी जान लेते है कि भारत के इतिहास में 9 अगस्त की तारीख क्यों महत्वपूर्ण है।

डीएम ने की पीएम आवास योजना शहरी की समीक्षा

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

बुधवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कलेक्ट्रेट में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की गहन समीक्षा की।

योजना की समीक्षा के दौरान डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 13 करोड़ 71 लाख ,52 हजार 900 की कुल धनराशि लाभार्थी के खातों में भेजने का अनुमोदन दिया, यह धनराशि बैंकों को प्रेषित कर दी गई। आरटीजीएस के जरिए संबंधित लाभार्थी के बैंक खातों में पहुंचेगी।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अपील करते हुए कहा कि आवेदन एवं अन्य कार्यों हेतु किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई भी धनराशि की मांग किये जाने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें एवं उक्त की सूचना एवम् वीडियो उन्हें, एडीएम एवं परियोजना अधिकारी, डूडा को उनके मोबाइल नम्बर 9151999362 पर उपलब्ध कराये। इस योजना में किसी भी स्तर पर लाभार्थी को कोई भी धनराशि नहीं अदा की जानी है।

बुधवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह

● पीएम आवास के नंबर मांगे पैसा, तो करें शिकायत, होगी सख्त कार्यवाही : डीएम

● पीएम आवास के लाभार्थियों के खातों में भेजी 13.7152900 करोड़ की धनराशि

द्वारा दिए अनुमोदन के क्रम में योजना के तहत सत्यापन में पात्र पाये गये 42 लाभार्थियों को प्रथम किश्त का भुगतान रूपया-21 लाख, 713 लाभार्थियों को लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण-(नया) के तहत दूसरी किस्त का भुगतान रूपया-10 करोड़ 69 लाख 50 हजार, 34 लाभार्थियों को लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण विस्तार के तहत दूसरी किस्त का भुगतान रूपया 48 लाख एक हजार 276, 505 लाभार्थियों को लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण विस्तार के तहत तृतीय किश्त का भुगतान रु. 02 करोड़, 33 लाख, एक हजार 624 का किया गया। इस प्रकार कुल धनराशि रूपया- 13 करोड़ 71 लाख ,52 हजार 900 लाभार्थी के बैंक खाते में सीधे प्रेषित की है।

एडीएम संजय सिंह ने बताया कि पीएम आवास योजना-(शहरी) वर्तमान में अंतिम चरण में है। योजना के तहत लाभार्थियों की पात्रता का सत्यापन सूडा से नियुक्ति पीएमसी संस्था स्नोफाउण्टेन कंसल्टेट एवं अरिनेम कंसल्टेंट संस्था द्वारा किया जाता है एवं आवासीय योजना में पात्र पाये जाने पर एसडीएम की अध्यक्षता में गठित समिति जिसमें ईओ एवं पीओ (डूडा) सदस्य के रूप में नामित है। सत्यापन में पात्र पाये जाने भारत सरकार से परियोजना स्वीकृत होने पर तीन किश्तों में जिसमें प्रथम किश्त रुपया-50 हजार, द्वितीय किश्त के रूप में अधिकतम रुपया 1.50 लाख एवं तृतीय किश्त के रूप में अधिकतम रूपया-50 हजार का भुगतान किया जाता है।

मतदाता सूची में नाम शामिल करने का काम 21 तक चलेगा : उपजिलाधिकारी

मोहम्मदी खीरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची का प्रकाशन 8 अगस्त को किया जा चुका है इस संबंध में उप जिलाधिकारी अबनीश कुमार ने बताया

● 01 जनवरी 2024 को जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो रही है,मतदाता सूची मे बढवाए नाम

21 जुलाई से लेकर 21 अगस्त तक मतदाता बनाने का काम बीएलओ के माध्यम से घर घर जाकर किया जा रहा है जो छात्र ,छात्राएं या अन्य 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं वह मतदाता सूची में अपना नाम अंकित करा ले, जिसके लिए प्रत्येक बूथ पर बीएलओ घर-घर जाकर यह काम कर रहे हैं तथा उपजिलाधिकारी ने बताया की जो पहले से मतदाता मतदाता सूची में है उनका वोटर कार्ड आधार कार्ड से लिंक किया जा रहा है वहीं उप जिलाधिकारी ने बताया 80 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं के साथ-साथ दिव्यांगों का भी सत्यापन किया जा रहा है वहीं उप जिलाधिकारी ने बताया कि मत देय स्थलों की जांच तथा मानक पूर्ण करने के लिए तहसीलदार, नायब तहसीलदार, विकास खंड अधिकारी को निरीक्षण के लिए लगाया गया है ,जो मत देय स्थलों का निरीक्षण भी कर रहे हैं, वही उपजिलाधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के कार्य में लगे बीएलओ की शिकायत आने पर निश्चित तौर पर ऐसे लापरवाह के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की भी गई है और शिकायत मिलने पर धारा 32 के अंतर्गत कार्रवाई भी की जाएगी।

अमर शहीदों को याद कर नमन किया

शाहजहांपुर। आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत महापौर श्रीमती अर्चना वर्मा ने नगर क्षेत्र के न्यू सिटी ककरा स्थित शहीद पार्क (जैव-विविधता पार्क) में शिलापट्ट का लोकार्पण किया । इसके उपरान्त महापौर की अध्यक्षता में पंच प्राण प्रतिज्ञा की श्रृंखला में महापौर ने स्वयं एवं उपस्थित सभी को हाथ में मिट्टी लेकर शपथ ग्रहण कराई गई। इस अवसर महापौर ने देश की आजादी में अपना बलिदान करने वाले अमर शहीदों को याद कर नमन किया गया। चौक मंडल अध्यक्ष ने अमर शहीदों के द्वारा दिए बलिदान पर प्रकाश डाला गया। इसके उपरांत माप महापौर जी सहित उपस्थित सभी पार्षदगण, नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित मेरी मिट्टी मेरा देश अभियान के अंतर्गत जारी लिंक पर अपने नगर की मिट्टी को हाथ में लेकर सेल्फी अपलोड की गई।

बस स्टेशन परिसर में कर्मियों ने शुरू किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में रोडवेज कर्मचारियों की नाराजगी दूर न हुई तो वह दिन दूर नहीं जब बसों के पहिए थम जाएगें। कर्मचारियों का गुस्सा बुधवार को धरने के रुप में सामने आया। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिसद के बैनर तले कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और मांगे न माने जाने पर चक्का जाम की चेतावनी दी। कर्मचारियों की मांग है कि वाहन स्वामी आंनन्द कुमार वर्मा की बसे जो संचालित हो रही है उनकी बसों को बस स्टेशन परिसर में खड़ी करने से रोका जाए। कर्मचारी आनन्द कुमार की बसों को हटाए जाने की मांग कर रहे है आरोप है कि क्षेत्रीय प्रबंधक से मिलकर रोडवेज कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। प्रकरण को लेकर पूर्व में अधिकारियों के मध्य वार्ता भी हुई। लेकिन यह वार्ता बेनतीजा रही।

● मांगे न माने जाने पर चक्का जाम करने की दी चेतावनी

● अधिकारियों से हुई वार्ता रही बेनतीजा

● वार्ता विफल होने के बाद धरने पर बैठे कर्मचारी

ऐसे में कर्मचारियों में आक्रोश पनपता जा रहा है। धरने में युवराज त्रिवेदी, यज्ञ शंकर, अम्बुज बाजपेई, प्रवीण श्रीवास्तव, राजीव बाजपेई, राकेश सिंह सहित करीब आधा सैकड़ा कर्मचारी शामिल हुए है।

मेरी माटी मेरा देश मिट्टी को नमन, महापौर और नगर आयुक्त ने शिलापट का किया भव्य उद्घाटन

संवाददाता। बरेली

शहीदों के बलिदान को याद करने के लिये आज बरेली के अक्षर बिहार में नगर निगम द्वारा मेरी माटी मेरा देश मिट्टी को नमन और वीरो को वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस आयोजन में शहीदों के नाम शिलापट और शहीद स्तंभ का उद्घाघाटन किया गया। इस शिलापट में शहरो के 17 शहीद शूरवीरो के नाम अंकित किये गए हैं। महापौर उमेश गौतम ने शहीद स्तम्भ का फीता काटकर उद्घाघाटन किया। शिलापट में सिपाही बन्ने, 2 सिक्ख लाईट इन्फैन्ट्री, वीरगति रू 21.11.1962 , सिपाही स्वरूपी प्रताप सिंह, 2 सिक्ख लाईट इन्फैन्ट्री, वीरगति 21.11.1962 , सिपाही किशन सिंह भन्डारी, 2 गढवाल राईफ्ल, वीरगति 07. 10. 1965 , मेजर स्वदेश नारायण

भटनागर, 4 राजपूत, वीरगति 16. 05. 1965 , गनर यशवन्त सिंह, 57 माउटन रेजिमेन्ट, वीरगति रू 08. 11. 1971 , कैप्टन पी0के0 जौहरी, 4थ्5 गोरखा रेजीमेन्ट वीरगति 21. 11. 1971 , मेजर लाल बहादुर गुरंग, वीर चक्र, 10 महार, वीरगति रू 29. 11. 1971 , पैटी ऑफ्सिर ए0के0 खन्ना, जल सेना, वीरगतिरू 09.12.1971, विंग कमांडर हरशेर सिंह गिल, वीर चक्र, वायु सेना, वीरगति: 13. 12. 1971 , सैकन्ड ले0 अमर दीप सिंह बेदी, वीर चक्र, 8 इंजीनियर रेजिमेन्ट वीरगति रू 18.01.1988, , सिपाही रविन्द्र सिंह पोखिरियाल, 53 इंजीनियर रेजिमेन्ट वीरगति रू 18. 07. 1988 , नायक धर्मपाल, 114 इन्फैन्ट्री टी0ए0 जाट, वीरगति रू 05.03.1993 , नायक खीम सिंह, सेना मेडल, 9 पैरा, वीरगतिरू 29.08.1999 , ले0 पंकज अरोरा, सेना मेडल, 18 मराठा, वीरगति रू 23. 08. 2003 , सिपाही अनिल कुमार सिंह, 22 ग्रेनेडियरस, वीरगति रू 05.01.2002 , नायक भुवन चन्द्र तिवारी, 4010 फील्ड हॉस्पिटल, वीरगति रू 05.04.2002 , ले0 कर्नल नितिन भाटिया, 204 आर्मी एवीएशन, वीरगति रू 21.04.2011 इन शहीदों के नाम शिलापट लगाई गई है ।

काकोरी कांड की वर्षगांठ, शहीदों को सलामी कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता। शाहजहांपुर

काकोरी कांड की वर्षगांठ मनाए जाने एवं चौरी चौरा कांड की स्मृति में पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर खिरनी बाग रामलीला मैदान में शहीदों को सलामी कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने खिरनी बाग स्थित शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पण कर काकोरी कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कीद्य स्कूली बच्चों तथा एनसीसी कैडेट्स के द्वारा रैली भी निकाली गई द्य डीएम तथा अन्य अधिकारियों के द्वारा वीरों को सलामी दी गई द्य रामलीला मैदान में ही मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मिट्टी को एक कलश में एकत्र किया गया द्य इस कार्यक्रम में डीएम के साथ जिले के अन्य सभी महत्वपूर्ण अधिकारी गण मौजूद रहेद्य इसके पश्चात डीएम समस्त उपस्थित अधिकारियों के साथ शहीद पार्क पहुंचे और वहां पर स्थापित वीरों की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया तथा उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। जिलाधिकारी समस्त अधिकारियों के साथ लगभग 10रू30 बजे नगर निगम,टाउन हॉल तिराहा पहुंचे और वहां पर स्थापित वीरों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की । इसके पश्चात डीएम श्री उमेश प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में तथा सीडीओ श्री एस बी सिंह ने विकास भवन परिसर में सभी अधिकारियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई ।

6643 विशिष्ट दिव्यांगों के पहचान पत्र बने

संवाददाता। शाहजहांपुर

जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिला दिव्यांग बंधु कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई बस अड्डों पर तथा बसों में दिव्यांगों के साथ अमानवीय व्यवहार न होने पाए इसके लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को जनपद शाहजहांपुर में लंबित 6643 विशिष्ट दिव्यांग का पहचान पत्र को बनाए जाने में गति प्रदान करने के दिशा निर्देश दिए सामूहिक विवाह तथा छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत अधिक से अधिक दिव्यांग जनों को प्राथमिकता प्रदान किए जाने पर भी विचार विमर्श किया गया डीएम ने जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वच्छ शौचालय निर्माण में दिव्यांग जनों को शत प्रतिशत लाभ दिलाए जाने का प्रयास करें डीएम ने बैठक में परियोजना निदेशक (डीआरडीए एवं डूडा) को निर्देशित किया कि सरकारी योजनाओं में दिव्यांग जनों को 4: आरक्षण के तहत होती है तो तुरंत ही मुझे अवगत कराये तथा इस विषय में कोई भी आंकड़ा उपलब्ध ना होने के कारण जिला

निशुल्क आवास की सुविधाएं दिया जाना सुनिश्चित करें डीएम ने बैठक में चर्चा करते हुए कहा कि प्राय: देखा जाता है कि दिव्यांगों के साथ सार्वजनिक स्थलों पर अमानवीय व्यवहार किया जाता है,उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। इसके अलावा बैठक में मूक महिलाओं के खिलाफहिंसा विषय पर भी चर्चा हुई जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि यदि ऐसी कोई भी घटना दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी से नाराजगी व्यक्त की। बैठक में डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालों में दिव्यांगों के लिए एक अलग लाइन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंबैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ज्ञान देवी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद रस्तोगी, सीओ सिटी बीएस वीर कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिलेभर में अमृतकाल के पंच प्रण की हुई शपथ

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के तहत जिलेभर में उत्साहपूर्वक आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम %मेरी माटी मेरा देश% एवं %हर घर तिरंगा अभियान% के क्रम में बुधवार को जिले भर में अमृत काल के पंचप्रण की शपथ दिलाई गई।

कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, विकास भवन में सीडीओ अनिल कुमार सिंह, पुलिस लाइंस में एसपी गणेश प्रसाद साहा ने पंचप्रण की शपथ दिलाई। पूरे जिले भर में सभी सरकारी, अर्ध सरकारी एवं निजी संस्थाओं, विद्यालयों में पंच प्रण की शपथ ली गई।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को अधिकारी कर्मचारियों को अमृत काल के पंच-प्रण की शपथ दिलाई। डीएम ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अमृत काल के पंचप्रण विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता और नागरिको में कर्तव्य की भावना की शपथ दिलाई। शपथ कार्यक्रम में सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एडीएम संजय कुमार सिंह, एसडीएम विधेश, राजीव निगम, अश्वनी कुमार सिंह, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह, डीपीओ संजय कुमार निगम, प्रशासनिक अधिकारी खुशाल सिंह, सुधीर सोनी, सुरेश कुमार, मो. सलीम, सहित बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट कर्मी मौजूद रहे। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के निर्देशन में जनपद के सभी सरकारी, अर्ध सरकारी, परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयो पर संबंधित कार्यालयाध्यक्ष ने उपस्थित समस्त अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारीगणों, विद्यार्थियों को अमृत काल के पंचप्रण 1- विकसित भारत का लक्ष्य, 2- गुलामी के हर अंश से मुक्ति, 3- अपनी विरासत पर गर्व 4- एकता और एकजुटता, 5- नागरिकों के कर्तव्य का भाव, की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही शपथ लेते हुए फोटो और वीडियो भी भारत सरकार की बेवसाइट पर भी अपलोड किए गए।

किला नदी से निकाली माझा कारीगर की लाश

बरेली। नशे के आदी माझा कारीगर ने किला नदी में कूदकर आत्म हत्या कर ली 24 घंटे बाद उसकी लाश को पुलिस ने नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला स्वाले नगर निवासी 40 वर्षीय फरजान पुत्र सुल्तान की लाश बुधवार दोपहर पुलिस ने गोताखोरों की मदद से कर्मचारी नगर बाईपास पास से गुजरने वाली किला नदी से बरामद कर ली ज्ञात हो कि कल दोपहर फरजान ने किला नदी में कूद कराकर हत्या कर ली थी बताया जाता है कि वह नशे का आदी था और माझा बनाकर गुजारा चलाता था कल सुबह वह घर से निकला था लेकिन कर्मचारी नगर बाईपास के पास किला नदी में कूद कर उसने आत्म हत्या कर ली बताया जाता है की घटना के समय वह नशे की हालत में था घटना की जानकारी पास में कपड़े धो रहे कुछ लोगों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से उसकी लाश को तलाशने की कोशिश शुरू कर दी लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला आज सुबह होते ही फिर से उसकी लाश को तलाशने की कोशिश शुरू की गई और दोपहर में उसकी लाश किला नदी में पाई गई पुलिस ने शव को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा वहीं पुलिस का कहना है कि फरजान की नशे की हालत में नदी में गिरने से मौत हुई है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ योजना के तहत हुआ कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता। बरेली

मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल एवं जिलाधिकारी श्री शिवाकान्त द्विवेदी के निर्देशानुसार महिला कल्याण विभाग की ओर से आज विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री जग प्रवेश की अध्यक्षता में सेफ सिटी परियोजना के अन्तर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया।मुख्य विकास अधिकारी श्री जग प्रवेश द्वारा सेफसिटी परियोजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा गया कि हम सभी को मिलकर एक ऐसे परिवेश का निर्माण करना होगा, जिसमें महिलाएं एवं बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें।कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती मोनिका राणा ने कहा कि कि सेफ सिटी परियोजना के अन्तर्गत शहर को साफ-सुथरा एवं सुरक्षित बनाने हेतु महिलाध् बच्चों को उनके कानूनों, अधिकारों एवं समस्त सहायता नम्बर 112 पुलिस हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पॉवर हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य हेल्पलाइन, 108 एम्बूलेन्स हेल्पलाइन आदि की जानकारी प्रत्येक महिला एवं बच्चों तक पहुंचे ऐसा हम सभी को प्रयास कर सेफ सिटी परियोजना को सफल बनाना है। इसके साथ ही सुश्री सोनम शर्मा महिला कल्याण अधिकारी, महिला शक्ति केन्द्र द्वारा मा0 मुख्यमंत्री महोदय की महत्वाकांक्षी योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना (कोविड), बाल सेवा योजना (समान्य) योजना आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, डीआरडीए श्री तेजवन्त सिंह, अपर चिकित्साधिकारी डॉ0 सी0पी0 सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री देवकी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री कृष्ण चन्द्र, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति श्री दिनेश चन्द्र, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, मण्डलीय सलाहकार बाल संरक्षण यूनिसेफबरेली मण्डल श्री अमेन्द्र सिंह, बचपन बचाओ आन्दोलन श्री विनय कुमार शर्मा, समस्त स्टाफमहिला कल्याण विभाग, पुलिस विभाग से महिला कांस्टेबल, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, चाइल्ड लाइन टीम, आशा बहुएं एवं समस्त जनपदीय स्वैच्छिक संगठन आदि उपस्थित रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

बरेली। मोटरसाइकिल पर बेटे के साथ रिश्तेदार के घर जा रही महिला और उसके बेटे की रास्ते में ही ट्रक की चपेट में आकर मौत हो गई पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।शाही थाना क्षेत्र के गांव कुल्छा गोटिया निवासी नत्थू लाल के 22 वर्षीय बेटे मनोज और उसकी मां नंदो देवी की आज सुबह तड़के सीबीगंज थाना क्षेत्र में झुमका तिराहा के पास हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतको के घर वालों ने बताया कि नंदो देवी बेटे मनोज की मोटरसाइकिल पर आज सुबह आंवला थाना क्षेत्र के गांव डभौरा निवासी अपनी नंद के घर जाने के लिए अपने घर से चली थी लेकिन जब उनकी बाइक झुमका तिराहा पर पहुंची तभी अचानक पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी ट्रक दोनों को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई दुर्घटना के बाद ट्रक का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मृतकों के घरवालों को सूचना दी जो मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त कर ली घरवालों ने बताया कि मनोज के बड़े भाई केदार की भी लगभग 2 वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी मृतका के दो ही बेटे थे।

विश्वास और अनुभव के सौ साल पूरे

लखनऊ। सौ सालों तक लचीलेपनए इनोवेशनए ग्राहक पर केंद्रित रहने की अपनी समृद्ध विरासत के साथ एमजी मोटर इंडिया अपने शताब्दी समारोह की तैयारी में लगा है। एमजी मोटर इंडिया उद्योग में प्रथम पर्सनल एआई असिस्टैंट और श्रेणी की सर्वप्रथम ऑटोनोमस लेवल 2 टेक्नोलॉजी लेकर आया है। ये दोनों टेक्नोलॉजी मिड.साईज़ एसयूवी . एस्टर में दी गई हैं। 100वीं सालगिरह पर कंपनी अपने निष्ठावान ग्राहकों को सम्मानित और पुरस्कृत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए एमजी मोटर इंडिया अनेक ऑफ़र्स के साथ 100.दिवसीय कस्टमर कैम्पेन लेकर आया हैए जिसमें विशेष मूल्यए एक्सचेंज बेनेफिट्सए लॉयल्टी स्कीमए एक्सटेंडेड वॉरंटी और नए ग्राहकों के लिए सर्विस ऑफ़र शामिल हैं। एमजी डीलर्स द्वारा दैनिक उपहारों और नई कारों के लिए लॉयल्टी बोनस द्वारा एमजी मोटर इंडिया अपने वर्तमान ग्राहकों को अपना आभार व्यक्त कर रहा है। ये फ़ायदे प्राप्त करने के लिए एमजी के ग्राहक एमजी सेंटर्स पर आ सकते हैं।

नई सीरीज 18 अगस्त को होगी रिलीज

लखनऊ। गन्स एंड गुलाब्स एक बेहद दिलचस्प कहानी है जो 90 के दशक की शुरुआत में गुलाबगंज नामक एक मनमौजी और अनिश्चित किस्म के कस्बे में रची गई है। यह सीरीज़ नब्बे के दशक के बॉलीवुड के लिए एक सम्मान हैए जिसमें इस दशक के आकर्षण से दर्शकों को रूबरू कराया गया है। सीरीज़ में राजकुमार राव, दुलकर सलमान, आदर्श गौरव, टीजे भानु और गुलशन देवैया जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा इस सीरीज में स्वर्गीय सतीश कौशिक की भी एक शानदार परफ़ॉर्मेंस देखने को मिलेगी। इन कलाकारों ने वाकई में इसके निर्माताओं के विज़न और नज़रिए को जीवंत कर दिखाया है। गन्स एंड गुलाब्स का प्रीमियर 18 अगस्त को केवल नेटफ्लिक्स पर होगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में ली गई अमृत काल के पंच प्रण की शपथ

संवाददाता। चित्रकूट

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान में अमृत काल के पंच प्रण की शपथ जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने अमृत काल के पंच प्रण विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों में कर्तव्य की भावना के प्रति शपथ दिलाई। इस मौके पर एडीएम न्यायिक वंदिता श्रीवास्तव, एडीएम नमामि गंगे सुनन्दू सुधाकरण, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में पुलिस कार्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव समापन समरोह पर मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा अभियान में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला ने सभी शाखाओं में तैनात अधिकारी/कर्मचारियों को पंच प्रण की शपथ दिलाई।

किसान मोर्चा ने की एमएसपी कानून लागू करने की मांग

चित्रकूट। संयुक्त किसान मोर्चा/उप्र किसान सभा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र व किसान सभा जिलाध्यक्ष चुनकूराम पाल की अगुवाई में किसानों ने राष्ट्रपति सम्बोधित दस सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। इसमें एमएसपी कानून लागू करने, किसान परिवारों को कर्ज मुक्त करने, बिजली विधेयक वापस लेने, खीरी में जेल में बन्द किसानों पर फर्जी मामले वापस लेने आदि मांगें शामिल हैं। राष्ट्रपति को सौंपे ज्ञापन में कहा कि ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम नौ अगस्त को पूरे देश में भारत छोड़ो दिवस मनाया जाता है। केन्द्र सरकार जल, जंगल, जमीन पर पूंजीपतियों के साथ साजिश कर रही है।

सरकार ने शिक्षकों की मांगें नहीं मानी तो करेंगे आंदोलन

- बीएसए द्वारा महिला शिक्षकों का बाल्यकाल देखभाल अवकाश अस्वीकृत करने की निंदा

संवाददाता। जालौन, उरई

यदि सरकार शिक्षकों की मांगों को नहीं मानती है तो आंदोलन का विकल्प खुला है। यह बात उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में जिलाध्यक्ष विद्यासागर मिश्रा ने कही है। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा लगातार महिला शिक्षकों का बाल्यकाल देखभाल अवकाश अस्वीकृत करने पर भी रोष व्यक्त किया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक कन्या जूनियर हाईस्कूल में जिलाध्यक्ष विद्या सागर मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष लालजी पाठक ने कहा कि प्रदेशीय नेतृत्व द्वारा प्रदेश सरकार के समक्ष शिक्षकों की मांगें मांग पत्र के माध्यम से लगातार रखीं गई हैं। लेकिन अब तक इन मांगों पर कुछ कार्यवाही नहीं हुई है। जिसके चलते अब संगठन ने आंदोलन का मार्ग चुना है। जब तक संगठन के 18 सूत्रीय मांग पत्र पर सरकार सकारात्मक रुख नहीं दिखाती है तब तक संगठन के प्रत्येक निर्णय को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों को प्राणप्रण से लगना होगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षकों के समक्ष आंदोलन का विकल्प खुला है।

डीएम ने अमृतकाल के पंचप्रण की दिलाई शपथ

उरई, जालौन। बुधवार को जिलाधिकारी चांदनी सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को अमृत काल के पंचप्रण की शपथ दिलाई। 'मैं शपथ लेता हूं कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाऊंगा। मैं शपथ लेता हूं कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।' मैं शपथ लेता हूं कि देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करूंगा और इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करता रहूंगा। मैं शपथ लेता हूं कि देश की एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगा।

देश की एकता व अखंडता को लेकर ली गई शपथ

बिंदकी, फतेहपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें देश की एकता अखंडता को लेकर शपथ ली गई। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये तथा उनके परिजनों को सम्मानित भी किया गया। नगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में नपाप द्वारा मेरी मां की मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पालिका की चेयरमैन राधा साहू ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान हुआ। इस मौके पर मौजूद सभी लोगों ने अमृत काल के पंच प्रण लिए।

उत्तर प्रदेश माध्यामिक शिक्षक संघ ने लम्बित समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

चित्रकूट। जिला विद्यालय निरीक्षक चित्रकूट में प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 26 सूत्रीय मांगो को लेकर माध्यामिक शिक्षक संघ चित्रकूट ठकुराई गुट द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया। साथ ही डीआईओएस के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। माध्यामिक शिक्षक संघ द्वारा भेजे गये ज्ञापन के माध्यम से सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का राजकीयकरण, पुरानी पेंशन, सामूहिक बीमा कटौती, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, वेतन से कर्मचारी भविष्य निधि की कटौती, ई फाइलिंग, एक अप्रैल 2005 के पूर्व के विज्ञापनों के सापेक्ष बाद में चयनित एवम नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन, एनपीएस खाते से अग्रिम निकासी की सुविधा, 2000 के पूर्व नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का विनयमित्तिकरण, विकलांग वाहन भत्तों की दरों का पुनरीक्षण,अध्ययन अवकाश की स्वीकृति, विद्यार्थियों से अवैध वसूली पर रोक, शिक्षकों के अवशेष वेतन देयकों का यथाशीघ्र भुगतान आदि की मांग की गई।

अमृत कलश स्थापित कर किया 'मेरी माटी, मेरा देश' का शुभारंभ

पुखरायां, कानपुर देहात। देश की आजादी में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को अमरौधा के श्री बृज बिहारी मेहरोत्रा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसमें अमृत कलश की स्थापना की गई। वहीं विद्यालय में अमरौधा की नगर पंचायत अध्यक्ष अनीसा बेगम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर बृजबिहारी मेहरोत्रा के शिलापट्ट की स्थापना कराकर लोकार्पण किया। ज्ञात हो कि स्वर्गीय श्री बृजबिहारी मेहरोत्रा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह विधानसभा क्षेत्र घाटमपुर से विधायक और लोकसभा क्षेत्र बिल्हौर से एमपी भी थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामनाथ वर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में देश की राजधानी दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण कराया जाएगा। जिसके लिए देश के कोने कोने से मिट्टी संग्रह की जाएगी। इसी क्रम में बुधवार को निकटवर्ती सात गावों की 111 छात्राओं ने अमृत कलश में मिट्टी संग्रहीत की। नगर पंचायत अमरौधा की ईओ नीति त्रिपाठी, सभासद बल्लूराम कश्यप, दीपक सविता, ब्रजकिशोर श्रीवास्तव, सुरेंद्र गौतम समेत उपस्थित सभी सभासद एवं उनके प्रतिनिधियों ने अमृत कलश में मिट्टी इकट्ठा की।

कब्रिस्तान व कर्बला की जमीन पर कब्जे के विरुद्ध कार्रवाई शुरू

मौदहा, हमीरपुर। नगर की ईदगाह के सामने कब्रिस्तान व कर्बला के रास्ते की भूमि को भूमाफिय़ाओं द्वारा कब्जा कर जमीन बेचे जाने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी ने भूमि की नाप जोख शुरु करा दी है। नगर के ईदगाह से जुड़ी कब्रिस्तान व कर्बला रास्ता में लोगों द्वारा अतिक्रमण कर व भूमाफियाओं द्वारा लगातार जमीनों को बेचने को लेकर ईदगाह के मुतवल्ली हाजी जावेद अख्तर ने जिला अधिकारी सहित उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए ईदगाह से जुड़ी कब्रिस्तान व कर्बला के रास्ते पर अवैध तरीके से भू जमीन बेचे जाने की शिकायत की थी। जिस पर उप जिलाधिकारी राजेश कुमार ने टीम गठित कर उक्त जमीन की नाप जोख करने को आदेशित किया था। बुधवार को लेखपाल सहित व अन्य कर्मचारी ने भूमि की नाप कर बताया की जमीन पर एक दर्जन से अधिक मकान निर्मित व अर्धनिर्मित हो चुके हैं। एसडीएम ने कहा कि अवैध कब्जादारों के खिलाफ कार्रवाई प्रारम्भ की जाएगी।

बेकरी मालिक के घर छापामारी में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद

कायमगंज, फर्रुखाबाद। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कायमगंज जयप्रकाश पाल को मुखबिर द्वारा अवैध अस्लाहए कारतूस तथा धारदार हथियार घर में रखे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक व कस्बा इंचार्ज हरिओम त्रिपाठी व अन्य फोर्स ने नगर के निकट बसे गांव गढ़ी इज्जतखां में यहां के निवासी बेकरी मालिक शाहिद मंसूरी पुत्र शौकत अली के घर पर घेराबंदी करते हुए छापा डाला। लेकिन शाहिद मंसूरी घर पर नहीं मिला। उसके पश्चात उसके यहां हो रहे बेकरी के काम में लगे दो व्यक्तियों को साथ लेकर पुलिस ने घर में प्रवेश किया। घर के अंदर शाहिद मंसूरी की पत्नी मुकीमा उर्फ सीमा मौजूद मिली।

मुखबिर की सूचना के अनुसार महिला को साथ लेकर जब उसके कमरे व्यापक रूप से खंगाले गए। तो कमरे में रखी अलमारी सोफा तथा अन्य में पुलिस को एक अवैध राइफल 315 बोर ,दो अवैध देसी तमंचे 315 बोर तथा 315 बोर के 11 जिंदा कारतूस और 16 खोखा 315 बोर एवं एक अवैध 12 बोर तमंचा व 9 जिंदा कारतूस 12 बोर तथा 02 खोखा 12 बोर, लोहे का एक गड़ासा और साथ ही 4 अदद लोहे की छुरियां बरामद हुईं।

सामान की बरामदगी के बाद पुलिस ने सभी सामानों को सील बंद करते हुए आयुध अधिनियम की धारा 35 के अंतर्गत शाहिद मंसूरी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। आगे कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली पंच प्रण की शपथ

फर्रुखाबाद। जनपद में अधिकारियों व कर्मचारियों ने पंच प्रण की ली शपथ जिले भर के अधिकारियों व कर्मचारियों आदि नें आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'पंच प्रण' की शपथ दिलाई गयी। पंच प्रण लेते हुए सामूहिक व एकल सेल्फी केंद्र सरकार की वेबसाइट मेरी माटी मेरा देश पर अपलोड भी होगी।विकास भवन सभागार में सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ सीडीओ अरविंद कुमार मिश्रा नें पंच प्रण की शपथ दिलायी। इसके अलावा कई सरकारी व गैर सरकारी प्रतिष्ठानों आदि में भी पंच प्रण की शपथ दिलाई गयी। पुलिस लाइन में एसपी विकास कुमार नें पुलिस कर्मियों को पंच प्रण की शपथ दिलायी ।अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह आदि भी रहे ।

क्विक न्यूज

सरकारी जमीन पर टावर लगवा छह साल तक वसूला किराया

फतेहपुर। सरकारी भूमि पर टावर लगवाकर छह साल से लाखों रुपये वसूल लिए। शिकायत पर राजस्व विभाग ने जांच की। सरकारी भूमि का इस्तेमाल होने पर मुकदमा दर्ज कराया है। बिंदकी तहसील में तैनात लेखपाल भान सिंह ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के नंदौली गांव में ग्राम समाज की भूमि है। भूमि जोतकर गांव के सगे भाई सूरजदीन, सूरजपाल ने अपने खेत में कई साल पहले मिला ली थी। भूमि पर एक मोबाइल सर्वर कंपनी का टावर भी लगवा लिया। कुछ दिन पहले बिंदकी एसडीएम से भूमि की पैमाइश कराकर कब्जा मुक्त कराने की शिकायत की गई। मौके पर भूमि की पैमाइश की गई। पैमाइश में पता लगा कि चक रोड की जमीन दोनों ने अपने खेत में मिलाई है। छह साल से टावर लगवाकर किराया वसूल रहे हैं। लेखपाल की तहरीर पर सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

वांछित अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुसमिलिया, जालौन। अपराधियों व अपराध पर रोकथाम के लिए वांछित अपराधियों व वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना डकोर पुलिस ने एक मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर मुअसं 116/2023 धारा 452, 328, 376, 504, 506 भादवि व 67 आईटीएक्ट थाना डकोर में वांछित अभियुक्त देवांशु गुप्ता उम्र 36 वर्ष पुत्र सुरेश कुमार निवासी तुलसीनगर उरई को बरसार रोड उरई ग्राम बरसार से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का कई मामलों में लिप्त होने का अपराधिक इतिहास है।

हार्ट अटैक से सीआरपीएफ उपनिरीक्षक की मौत

फर्रुखाबाद। अवकाश पर घर आये सीआरपीएफउपनिरीक्षक की हृदयगति रुकनें से मौत हो गयी। शव का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरसिंहपुर शाही निवासी 50 वर्षीय भूमिराज पाल सीआरपीएफ में उपनिरीक्षक के पद पर पुलवामा में तैनात थे। वह 28 जुलाई को अवकाश पर घर आये थे और जनपद मैनपुरी में अपनें मकान का निर्माण करा रहे थे । मंगलवार को उनकी हृदयगति रुकने से मौत हो गयी । बुधवार को उनका शव पैत्रक गांव हरसिंहपुर शाही लाया गया। जहाँ सीआरपीएफकी टुकड़ी व कोतवाली के दारोगा आशा राम नें गार्ड ऑफ आनर दिया। जवान की मौत पर भारत माता की जय के नारे लगे।

सांसद की पहल से भरतकूप में खुलेगी एसबीआई की शाखा

चित्रकूट। बांदा-चित्रकूट सांसद आर के सिंह पटेल की पहल से जिले के भरतकूप कस्बे में जल्द खुलेगी भारतीय स्टेट बैंक की शाखा खोली जायेगी।जिससे क्षेत्र के क्रेशर उद्यमियों एवं आमजन मानस को खासी राहत मिलेगी। बुद्धवार को बांदा-चित्रकूट सांसद श्री पटेल ने बताया कि चित्रकूट जिले के भरतकूप कस्बे के क्रशर कारोबारियों एवं आमजन मानस द्वारा लम्बे समय से एसबीआई की शाखा खोलने की मांग की जा रहीं थी। सांसद ने बताया कि जनता की मांग को दृष्टिगत रख उन्होने महाप्रबंधक से वार्ता कर भरतकूप में एसबीआई की ब्रांच खोलने की मांग की।जिस पर बैंक के मुख्य महाप्रबंधक ने लिखित रूप से अवगत कराया है कि भरतकूप कस्बे में ब्रांच स्थापना की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्द ही बैंकिंग सेवा शुरू की जायेगी।

लाभ के साथ बढ़ाई मौजूदगी

लखनऊ। इमामी हेल्दी एंड टेस्टी एडवांस सोया चंक्सने अब बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड के बाजारों में कदम रखा है। यह अत्यावश्यक तत्वों से भरपूर हैं और प्रोटीन, आयरन कैल्शियम, जिंक और डाइटरी फाइबर जैसे 5 आवश?यक पोषक तत्वों से भरपूर है। बिजनेस डेवलपमेंट के वीपी प्रफुल्ल आंचलिया ने कहा, सोया चंक्स ने पांच फीसदी की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है।उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड राज्यों में भी इस प्रोडक्ट के लिए काफी संभावनायें हैं।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन विवरणिका का विमोचन

फर्रुखाबाद। इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थी विज्ञान मंथन विवरणिका का विमोचन किया गया। विमोचन के दौरान चर्चा करते हुए बताया कि विज्ञान तकनीकी का आधार है, इसे हर छात्र तक अक्षरसः पहुंचाना अति आवश्यक है। डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती अंजू राजे ने अपने उद्बोधन में कहा, किसी भी कार्य को सरल करने के लिए जो यत्न और प्रयत्न किए जाते हैं। वही विज्ञान और तकनीक है। एमडी ज्योत्सना अग्रवाल ने बताया कि विज्ञान एक सत्य ज्ञान है।

माध्यमिक शिक्षक संघ ने निकाली बाइक रैली

- डीएम को सौंपा सीएम को संबोधित ज्ञापन

संवाददाता। फतेहपुर

पुरानी पेंशन बहाली, वित्त विहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समान कार्य के लिए समान वेतन, तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण, नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा आदि की मांग को लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने नहर कालोनी प्रांगण से बाइक रैली निकाली।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर सीएम को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर मांगों को पूरा किए जाने की आवाज उठाई। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आलोक शुक्ला की अगुवाई में पदाधिकारी नहर कालोनी में एकत्र हुए। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य कमल सिंह चौहान व अतुल सिंह यादव ने भी हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में शिक्षक बाइकों के साथ रैली की शक्ल में नहर कालोनी से निकले और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते रहे। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट पहुंचकर सीएम को संबोधित एक ज्ञापन डीएम को सौंपकर कहा कि सोलह सूत्रीय मांगों को लेकर काफी समय से माध्यमिक शिक्षक संघ आवाज उठा रहा है लेकिन आज तक एक भी मांग पूरी नहीं की गई। जिससे शिक्षकों में आक्रोश है।

ठगी पीड़ित जमाकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, मांगी रकम

फतेहपुर। ठगी पीड़ित जमाकर्ताओं ने संगठन के बैनर तले कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर भुगतान करो या सत्ता छोड़े के नारे लगाये। पीएम व सीएम को ज्ञापन भेजकर अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी कानून के तहत पैसा वापस दिलाने की मांग की। बुधवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार साहू की अगुवाई में बड़ी संख्या में ठगी पीड़ित जमाकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि केंद्र व राज्य सरकार ने ठग कम्पनीज व सोसाइटीज में डूबी रकम को दो से तीन गुणा एक सौ अस्सी दिन में वापस करने के लिए बड्स एक्ट को अधिसूचित किया। इसके बावजूद जिले में सक्षम व सहायक सक्षम अधिकारी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं।

शिक्षिका से अश्लील हरकतें करने वाला हेडमास्टर निलम्बित

हमीरपुर। जिले में शिक्षिका के साथ अश्लील हरकते करने पर जांच में दोषी पाये गये हेडमास्टर को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बुधवार को निलंबित कर दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी(बीएसए) आलोक सिंह ने बताया कि चार दिन पहले कुरारा ब्लाक के एक प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर द्वारा शिक्षिका के साथ अश्लील हरकते करने की शिकायत शिक्षिका ने जिलाधिकारी, एसपी व बीएसए से की थी।शिक्षिका का आरोप था कि हेडमास्टर से उसे जान का खतरा है। इस पर जिलाधिकारी डा.चंद्रभूषण के आदेश पर तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गयी थी, जांच कमेटी ने कल देर शाम अपनी रिपोर्ट बीएसए को प्रस्तुत की जिसमे हेडमास्टर अमित सिंह को दोषी पाया गया है। आज उन्हे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है,और बीआरसी से संबद्ध कर दिया गया है।

कलश यात्रा के साथ पडाबाग में रामकथा का आज होगा शुभारंभ

फर्रुखाबाद। कलश यात्रा के साथ रामकथा का आज होगा शुभारंभ रामकथा पडाबाग में 10 अगस्त को होगी। इसी दिन सुबह रामकथा से पहले सुबह 10 बजे चौक स्थित रघुनाथ मंदिर से कलश यात्रा निकाली जायेगी जो रेलवे रोड होकर पंडा बाग में समापन होगी। यह जानकारी प. ज्ञानेश गौड़ ने बढ़पुर स्थित उत्सव भवन में प्रेस वार्ता के दौरान दी।उन्होंने बताया कि 10 से 18 अगस्त तक सायंकाल 4 से 7 बजे तक श्री रामकथा मेरे द्वारा संपादित की जायेगी।

नगर के विख्यात श्री पांडवेश्वर नाथ शिवालय में पं0 ज्ञानेश गौड़ द्वारा (वर्तमान निवासी वृंदावन) द्वारा अपने जन्मस्थान व शहर में प्रथम बार श्री राम कथा आयोजन किया जा रहा है। श्री राम कथा मानस मर्मग ज्ञानेश गौड़ ने कथा को सुनने व गाने की महिमा बताते हुए कहा की प्रभू श्री राम जी के जीवन की संपूर्ण लीलाएं मानव कल्याण व सामाजिक एकजुटता के प्रति समर्पित रही है। आज समाज में टूटते हुए पारिवारिक मूल्यों को देखते हुए, श्री राम कथा घर घर सुनाने व समझने की आवश्यकता बढ़ गई है।

पेज एक का शेष

मणिपुर हिंसा...

साथ ही कहा कि लेकिन संसद सत्र के एक दिन पहले ही ये वीडियो क्यों आया और जिस किसी के पास भी यह वीडियो था, उसे यह पुलिस को, पुलिस महानिदेशक को दे देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि समय पर यह वीडियो पुलिस को दिया जाता तो तभी कार्रवाई हो जाती। शाह ने कहा कि वीडियो के सामने आने के तत्काल बाद चेहरों की पहचान करके सरकार ने इस मामले में कार्रवाई की है और नौ लोगों को गिरफ्तार किया जिन पर मुकदमा चल रहा है। मणिपुर मामले में विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी मणिपुर दौरे के दौरान सड़क मार्ग से जाने की जिद पर अड़े रहे, जबकि वह शांति से हवाई मार्ग से जा सकते थे। उन्होंने कहा कि ऐसा समय राजनीति करने का नहीं होता है, यह बात विपक्ष को समझनी चाहिए। मणिपुर में अनुच्छेद 356 लगाने की विपक्ष की मांग पर शाह ने कहा कि मणिपुर की राज्य सरकार सहयोग कर रही है, इसलिए ऐसा नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 356 तब लागू किया जाता है जब राज्य सरकार सहयोग नहीं करती। शाह ने विपक्ष की मांग को खारिज करते हुए कहा कि इसलिए मणिपुर के मुख्यमंत्री को भी बदलने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं तीन दिन मणिपुर में रहे और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय लगातार 23 दिन तक उस राज्य में रहे। शाह ने कहा कि इससे पहले मणिपुर में हिंसा का इतिहास रहा है और कांग्रेस की सरकारों के समय भी वहां नस्लीय हिंसा की घटनाएं होती रहीं, लेकिन कभी कोई गृह मंत्री राज्य में नहीं गया और उनके समय भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संसद में इस मामले पर उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मणिपुर में कुकी और मेइती दोनों समुदायों से बातचीत कर रही है।

राहुल का...

की सच्चाई है कि मणिपुर को आपने बांट दिया है, तोड़ दिया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने हरियाणा और देश के कई अन्य हिस्सों में केरोसिन छिड़क दिया है। राहुल गांधी ने कहा, हिंदुस्तान की सेना एक दिन में शांति ला सकती है, लेकिन आप (सरकार) हिंदुस्तान की सेना का उपयोग नहीं करते। उन्होंने सरकार और प्रधानमंत्री पर अहंकार का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा, रावण सिर्फ दो लोगों की... मेघनाथ और कुंभकर्ण की सुनता था, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ अमित शाह और अडाणी की सुनते हैं। राहुल गांधी ने कहा, लंका को हनुमान जी ने नहीं जलाया था, रावण के अहंकार ने जलाया था। रावण को राम ने नहीं मारा था, रावण के अहंकार ने ही उसे मारा था। कांग्रेस नेता ने भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले साल 130 दिन तक मैंने भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक यात्रा की। मैं समुद्र के तट से कश्मीर की बर्फीली पहाड़ी तक चला। राहुल गांधी ने कहा, जिस चीज के लिए मैं मरने को तैयार हूं, जिस चीज के लिए मोदी जी की जेलों में जाने को तैयार हूं और जिस चीज के लिए 10 साल गाली खाई है... उसे मैं समझना चाहता था। उन्होंने यात्रा के दौरान के कुछ अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा, जब मैं यात्रा कर रहा था तो मुझे भीड़ की आवाज सुनाई नहीं देती थी, जिससे बात करता था उसका दुख और दर्द सुनाई देता था। राहुल गांधी ने कहा, लोग कहते हैं कि ये देश है, कोई कहता है कि अलग-अलग भाषाएं हैं, कोई जमीन, कोई धर्म तो कोई सोना और चांदी की बात करता है। लेकिन सच्चाई है कि यह देश एक आवाज है। इस देश के लोगों की आवाज है। इस देश के लोगों का दर्द है, दुख है, कठिनाइयां हैं। इस आवाज को सुनने के लिए हमें अपने अहंकार को खत्म करना पड़ेगा। तभी हमें इस हिन्दुस्तान की आवाज सुनाई देगी। उन्होंने भाषण की शुरुआत में लोकसभा अध्यक्ष से कहा, पिछली बार मैं जब बोला था तो आपको थोड़ा कष्ट पहुंचाया था क्योंकि मैं अडाणी जी के बारे में केंद्रित था। जिससे आपके वरिष्ठ नेताओं को शायद कष्ट हुआ। ...आपको जो कष्ट हुआ उसके लिए माफी मांगता हूं।

सत्र में...

शाह ने भी स्थिति साफ कर दी है। गोयल ने कहा कि मणिपुर का मुद्दा एक गंभीर विषय है और उस संबंध में हमें एक स्वर में बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति के बदले सार्थक एवं सूक्ष्म चर्चा होनी चाहिए और हमें वहां के लोगों को मरहम लगाने की जरूरत है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष से सवाल किया कि पहले भी देश में इस तरह की घटनाएं हुईं और उन विषयों पर हुई चर्चा का जवाब किसने दिया? उन्होंने कहा कि सदन में इस मुद्दे पर चर्चा होने दें और गृह मंत्री उसका जवाब देंगे।

कोर्ट का...

के तहत मौलिक अधिकार है और कल्याणकारी राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है। इसके साथ ही न्यायालय ने केन्द्र, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और दिल्ली तथा हरियाणा सहित पांच राज्यों को नोटिस जारी किए थे। अदालत ने न्यायालय की रजिस्ट्री को इस मामले को स्वत: संज्ञान लिए गए प्रकरण के रूप में प्रदूषित नदियों का उपचार शीर्षक से पंजीकृत करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा था कि वह सबसे पहले यमुना नदी के प्रदूषण के मामले पर विचार करेगी। न्यायालय ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को इस नदी के किनारे स्थित उन नगर निकायों की पहचान कर उनके बारे में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था, जिन्होंने जल-मल शोधन संयंत्र नहीं लगाए हैं।

फिर विवाद...

क्या है। लोकसभा अध्यक्ष को संबोधित शिकायत पत्र पर हस्ताक्षर करने वाली भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वह (राहुल) स्मृति ईरानी और सभी महिला सदस्यों की ओर फ्लाइंग किस उछालते हुए बाहर निकल गए। उन्होंने कहा, यह सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार है। यह किसी सदस्य का अनुपयुक्त और अभद्र आचरण है। वहीं इंडिया गुट के विपक्षी सदस्यों ने एक विरोधाभासी दृष्टिकोण पेश किया और गांधी के कदम को अपने राजनीतिक विरोधियों के प्रति स्नेह के प्रदर्शन के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने तर्क दिया कि भाजपा की व्याख्या के विपरीत, इस इशारे का उद्देश्य सद्भावना व्यक्त करना था।

ज्ञानवापी परिसर के आसपास मीडिया कवरेज पर पाबंदी: अदालत का आदेश

वाराणसी। वाराणसी की एक अदालत ने बुधवार को मीडिया को ज्ञानवापी परिसर में हो रहे सर्वेक्षण और उसके आसपास के क्षेत्र में कवरेज नहीं करने को कहा और सर्वेक्षण कर रही एएसआई की टीम के सदस्यों को इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया है। ज्ञानवापी मस्जिद की देखरेख करने वाली संस्था अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने ज्ञानवापी परिसर में जारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे को लेकर भ्रामक खबरें फैलाए जाने का आरोप लगाते हुए जिला अदालत से सर्वेक्षण के मीडिया कवरेज पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। संस्था की इस अर्जी पर आज दोपहर बाद सुनवाई हुई।

हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि जिला अदालत के न्यायाधीश एके विश्वेश ने ज्ञानवापी प्रकरण में सुनवाई करते हुए आज मीडिया को निर्देश दिया कि वह इस (ज्ञानवापी) प्रकरण में मौके पर जाकर किसी प्रकार की कवरेज नहीं करेगा। अदालत ने सर्वेक्षण में शामिल एएसआई की टीम के सदस्यों को भी इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने कहा कि इस संबंध में सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां नहीं जाएं जिससे शांति भंग होने की आशंका हो।

हिन्दू पक्ष के दूसरे अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने बताया, अदालत ने निर्देश दिया है कि सर्वेक्षण सुचारू ढंग से चलने दें। मीडिया अपना कवरेज करे लेकिन प्राप्त साक्ष्यों की जानकारी जनता के बीच ना पहुंचाए। उन्होंने बताया, न्यायाधीश ने कहा कि सभी तथ्य और सर्वे की रिपोर्ट गोपनीय रूप से अदालत में जमा होगी और अगर अदालत आदेश देगी तो इसे सार्वजनिक किया जाएगा। इससे पहले दिन में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के संयुक्त सचिव सैयद मोहम्मद यासीन ने कहा था कि अदालत के निर्देश पर ज्ञानवापी परिसर में पुरातात्विक सर्वेक्षण चल रहा है, सर्वे करने वाली टीम या एएसआई के किसी अधिकारी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन इस संबंध में सोशल मीडिया, अखबार और समाचार चैनलों पर लगातार भ्रामक ख़बरें आ रही हैं। यासीन ने ऐसी खबरों का प्रसारणप्रकाशन रोकने का निर्देश देने का अनुरोध करते हुए जिला अदालत में मंगलवार को अर्जी दी थी।

बीजिंग में बाढ़ से तबाही, 33 मरे और 18 लापता

एपी। बीजिंग

चीन की राजधानी में भीषण बाढ़ से तबाही मची है जहां इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 33 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 18 लोग लापता हैं। देश के ज्यादातर उत्तरी हिस्से में असामान्य रूप से भारी बारिश का खतरा अभी भी बना हुआ है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीजिंग शहर की सरकार के अनुसार, पश्चिमी पहाड़ी के बाहरी क्षेत्रों में कई दिनों तक भारी बारिश हुई, जिससे करीब 59,000 मकान ढह गए, लगभग 150,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए और 15,000 हेक्टेयर (37,000 एकड़) से अधिक फसल भूमि में बाढ़ आ गई।

शहर के उप मेयर जिया लिनमाओ ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 100 से अधिक पुलों सहित बड़ी संख्या में सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं और क्षति के स्तर को देखते हुए, पूर्ण कार्य बहाली में तीन साल लग सकते हैं।

चीन के अन्य हिस्सों में भी भारी बाढ़ देखी गई है, जिसमें सप्ताहांत में आए तूफान दोक्सुरी के आंशिक प्रभाव से कई लोग मारे गए और लापता हो गए। बीजिंग के बाहरी प्रांत हेबेई में क्षेत्र की सबसे भीषण बाढ़ देखी गई है। बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम में जुओझोउ में बाढ़ का पानी शनिवार को कम होना शुरू हो गया और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाले गए 125,000 निवासियों में से कुछ को अपने घरों में लौटने की अनुमति मिल गई है। उत्तरपूर्वी प्रांत जिलिन के शुलान शहर में लगातार पांच दिनों तक मूसलाधार बारिश होने के कारण सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं और हजारों लोगों को वहां से निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस दौरान छह लोगों की मौत हो गई और चार लोग लापता हैं। उत्तर में स्थित हेइलोंगजियांग प्रांत में भी नदियाँ उफान पर है। चीन के इतिहास में सबसे घातक और सबसे विनाशकारी बाढ़ 1998 में यांग्त्जी नदी में आई थी, जब करीब 4,150 लोग मारे गए थे। 2021 में मध्य प्रांत हेनान में 300 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। उस वर्ष 20 जुलाई को प्रांतीय राजधानी झेंग्झौ में रिकॉर्ड बारिश हुई थी।

फ्रांस में दिव्यांगजनों के अवकाश गृह में लगी आग, नौ लोगों की मौत

पेरिस। फ्रांस में दिव्यांगजनों के अवकाश गृह में बुधवार को आग लग गई, जिसके कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोगों की मौत की भी आशंका जताई जा रही है। बचाव अभियान के प्रमुख ने यह जानकारी दी। अग्निशमन दल की ओर से चलाए जा रहे बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट-कर्नल फिलिप हाउवेलर ने कहा, फिलहाल हम शवों की तलाश कर रहे हैं। दो लोगों के शव अब तक नहीं मिले हैं। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने ट्वीट कर कहा कि वह घटनास्थल की ओर रवाना हो रही हैं। हौट-राइन क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने कहा कि विंटज़ेनहेम शहर में दिव्यांगजनों के अवकाश गृह में सुबह करीब साढ़े छह बजे आग लग गई, जिसके बाद 17 लोगों को निकाला गया, जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फ्रांस के अग्निशमन विभाग ने दमकल की चार गाड़ियों के साथ 76 कर्मियों को तैनात किया गया, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस घटना को लेकर ट्वीट किया, इस हादसे के मद्देनजर मेरी संवेदनाएं मृतकों, घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमारे सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं को धन्यवाद।

उत्तरी मॉस्को में फैक्टरी में भीषण धमाका

एपी। टालिन (एस्टोनिया)

उत्तरी मॉस्को में बुधवार को हुए भीषण धमाके में रूसी सुरक्षाबलों के लिए ऑप्टिकल उपकरण बनाने वाली फैक्टरी जमींदोज हो गई और 45 लोग घायल हो गए जिनमें छह की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रूस की राजधानी मॉस्को के आसपास के क्षेत्र के गवर्नर अंद्रेई वोरोबियोव ने कहा कि धमाका जोगोर्स्क ऑप्टिक्स विनिर्माण संयंत्र में बने गोदाम में हुआ जहां आतिशबाजी से संबंधित सामग्री रखी थी। वोरोबियोव ने कहा कि कंपनी ने गोदाम को किराए पर दिया था लेकिन बाद में दावा किया कि संयंत्र अधिकांश आतिशबाजी स्वयं उत्पादित करता है।

उन्होंने कहा कि संयंत्र का लंबे समय से ऑप्टिक्स या मैकेनिक्स से कोई लेना देना नहीं है। हालांकि, कंपनी की वेबसाइट पर अब भी लिखा है कि वह इन उत्पादों का निर्माण करने के साथ-साथ चिकित्सा उपकरण भी बनाती है।

धमाके के बाद काले धुएं का गुबार देखा गया। इसने रूसियों को परेशान कर दिया है जिन्होंने रात को ही मॉस्को पर ड्रोन से हमले को देखा था। क्रीमिया के सेवास्तोपोल बंदरगाह पर भी बुधवार को धुएं का गुबार देखने को मिला। गवर्नर ने बताया कि जगोर्स्क संयंत्र में धमाके की वजह से नजदीकी इमारतों की खिड़कियां टूट गईं और आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। उन्होंने बताया कि पांच लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

इससे पहले, अधिकारियों ने दावा किया था कि रूस की वायु रक्षा प्रणाली ने बीती रात मॉस्को को निशाना बनाने आए दो ड्रोन को मार गिराया। उनका दावा था कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर हमले की कोशिश की थी। महापौर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि ड्रोन को उस समय मार गिराया गया जब वे मॉस्को की ओर बढ़ रहे थे और इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इसे आतंकवादी घटना करार दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध जी20 शिखर सम्मेलन में चर्चा के शीर्ष विषयों में से एक होगाः अमेरिका

वाशिंगटन। अगले महीने भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध चर्चा के शीर्ष विषयों में से एक होगा। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित जी-20 देशों के नेता सितंबर में शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, दुनियाभर के सहयोगियों और साझेदारों के साथ बातचीत में हम यूक्रेन में चल रहे युद्ध पर चर्चा करते रहते हैं। यह उन शीर्ष विषयों में से एक है जिस पर हम हमेशा बातचीत करते हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि जी20 में भी यह शीर्ष विषयों में से एक होगा।

विश्व बैंक का समलैंगिकता विरोधी कानून को लेकर युगांडा को वित्त पोषण से इंकार

एपी। कम्पाला

विश्व बैंक ने कहा कि वह युगांडा में इस साल की शुरुआत में समलैंगिकता विरोधी कानून लागू करने के बाद पूर्वी अफ्रीकी देश को और कर्ज देने पर विचार नहीं करेगा। मानवाधिकार समूहों और अन्य ने इस कानून की निंदा की है। विश्व बैंक ने मई में यह कानून लागू किए जाने के बाद युगांडा में एक दल को तैनात किया था और यह तय किया था कि परियोजनाओं को बैंक के पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

● अतिरिक्त कदमों का प्रभाव परखने तक हमारे कार्यकारी निदेशक मंडल को युगांडा को कोई और वित्त पोषण दिए जाने का प्रस्ताव पेश नहीं किया जाएगा

विश्व बैंक समूह ने मंगलवार को एक बयान में कहा, अतिरिक्त कदमों का प्रभाव परखने तक हमारे कार्यकारी निदेशक मंडल को युगांडा को कोई और वित्त पोषण दिए जाने का प्रस्ताव पेश नहीं किया जाएगा।

इसमें कहा गया है, हमारा लक्ष्य उन परियोजनाओं में लैंगिक अल्पसंख्यकों को भेदभाव तथा बहिष्कार से बचाना है जिन्हें हम वित्त पोषण देते हैं। इन कदमों पर अभी प्राधिकारियों के साथ चर्चा की जा रही है। समलैंगिकता विरोधी कानून में कुछ समलैंगिक कृत्यों के लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान है। इस विधेयक पर मई में हस्ताक्षर कर उसे कानून का रूप दिया गया था।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा है कि युगांडा का कानून कठोर और भेदभावपूर्ण है। अमेरिका ने भी युगांडा को आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। अफ्रीका के 54 में से 30 से अधिक देशों में समलैंगिकता अपराध है।

इमरान ने अटक से अदियाला जेल भेजने की अर्जी दी

● अदालत ने सरकार से मांगा जवाब

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक उच्च अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में कैद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की अर्जी पर बुधवार को सुनवाई करते हुए संघीय सरकार और पंजाब सूबे की सरकार से जवाब तलब किया।

इमरान खान ने अटक जेल से अदियाला जेल स्थानांतरित करने की गुहार लगाई है। पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष 70 वर्षीय खान ने सोमवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में याचिका दायर कर अटक जेल से रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल की बेहतर श्रेणी की कोठरी में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी कानूनी टीम और परिवार के सदस्यों, डॉक्टर फैसल सुल्तान और राजनीतिक सहयोगियों से पंजाब सूबे की अटक जेल में नियमित मुलाकात की भी अनुमति मांगी है।

डॉन अखबार के मुताबिक खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने कहा कि वह याचिकाकर्ता को अपनी कानूनी टीम से मिलने की अनुमति देने का आदेश जारी करेंगे।

अटक जेल से अदियाला जेल स्थानांतरित करने की अर्जी पर अदालत ने संघीय सरकार और पंजाब सूबे की सरकार से जवाब तलब किया और इसके साथ ही मामले की सुनवाई 11 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। इस्लामाबाद की निचली अदालत द्वारा शनिवार को तोशाखाना मामले में खान को कदाचार का दोषी करार देने और तीन साल कैद की सजा सुनाए जाने के कुछ देर बाद ही उन्हें लाहौर के जमां पार्क स्थिति उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया था। निचली अदालत ने इस्लामाबाद पुलिस को खान को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था लेकिन लाहौर पुलिस ने पीटीआई अध्यक्ष को गिरफ्तार किया। अदालत ने अदियाला जेल के अधीक्षक को आदेश दिया कि वह खान को गिरफ्तार करें लेकिन इसके बदले उन्हें अटक की जेल में ले जाया गया। खान के वकीलों ने दावा किया कि है कि उनके मुवक्किल को पंजाब सूबे की जेल में परेशान करने वाली स्थिति में रखा गया है और तीसरे दर्जे की सुविधाएं दी जा रही हैं। खान के वकील नईम हैदर पंजोथा ने सोमवार को खान से मुलाकात करने के बाद कहा था कि जिस कोठरी में क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के कैप्टन को रखा गया है उसमें मक्खियों और कीड़ों की भरमार हैं। उन्होंने कहा कि कोठरी छोटी है जिसमें खुला शौचालय है।

भारत में बाल यौन शोषण करने के जुर्म में ब्रिटेन में एक पूर्व अध्यापक को 12 साल की कैद

भाषा। लंदन

भारत में पैसा देकर नाबालिगों से छोटे बच्चों का यौन शोषण करवाने का जुर्म कबूल कर चुके लंदन के एक प्राथमिक विद्यालय के पूर्व उप प्रधानाचार्य को बुधवार को 12 साल की कैद की सजा सुनाई गई।

दक्षिण लंदन के ईस्ट डलविच के मैथ्यू स्मिथ (35) को पिछले साल नवंबर में ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) ने गिरफ्तार किया था क्योंकि जांचकर्ताओं के सामने खुलासा हुआ कि वह डार्क वेब पर अश्लील सामग्री साझा करता है। उसे अब लंदन के साउथवार्क क्राउन कोर्ट ने सजा सुनाई है।

डार्क वेब ढेर सारी आईपी एड्रेस से कनेक्ट और डिस्कनेक्ट होता है, जिससे इसको ट्रैक कर पाना असंभव हो जाता है। यहां उपयोगकर्ता की जानकारी कूट रूप में होती है, जिसे डिकोड करना बेहद मुश्किल होता है।

एनसीए के अनुसार स्मिथ को जब गिरफ्तार किया गया तब वह ऑनलाइन था और भारत में रह रहे एक नाबालिग से पैसे के बदले एक छोटे बच्चे की यौन तस्वीरें भेजने को कह रहा था। उसके कंप्यूटर पर डार्क वेबसाइट एवं फोरम भी खुला था जो बाल यौन उत्पीड़न पर केंद्रित था।

एनसीए की वरिष्ठ अधिकारी हेलेन डोरे ने कहा, वह बड़ा अपराधी है एवं चीजों के साथ छेड़छाड़ करने में माहिर है। उसने अपनी तरफ से किशोरों को छोटे बच्चों का यौन शोषण करने के लिए मजबूर किया।

उन्होंने कहा, वह बच्चों तक पहुंचने के लिए मौके की ताक में रहता था लेकिन वह उनके सामने अपनी यौन अभिरूचि को छिपाने में माहिर था। वह अध्यापक एवं एक परामर्शदाता के रूप में काम करते हुए अपना गुनाह करता था तथा उसपर जो विश्वास व्यक्त करता था, उसके साथ वह विश्वासघात करता था। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि स्मिथ के मन में अपने शिकार यानी जिसे वह नुकसान पहुंचाता था, उसके प्रति रत्तीभर दयाकरूणा नहीं थी।

PUBLIC NOTICE

To be known to all that **I,Devi Prashan S/o Late Om Prakash R/o DDA Janta Flat No.P-26/A-3, Ground Floor,Pocket-P,Dilshad Garden,Delhi-110095** has applied for conversion of DDA **Janta Flat No.P-26/A-3,Ground Floor,Block P, Dilshad Garden,Delhi -110095** from lease hold to free hold in DDA.The original documents i.e. Demand-cum-Allotment Letter of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in P.S.Crime Branch in vide S.O.No. 430 / 2014 LRNo.829008/2021 dated 16.10.2021. Any person(s)claiming any right,interest,having any objection or found in possession of original documents,may write/contact with above named person at above address/phone No. 987 1309333 within 15 days from the date of publication of this notice.The person claiming any right,interest,objections with respect to this property can personally inform or write to
Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1,D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that our client Akshit Monga and Mrs. Renuka Monga are in process to purchase (availing loan from RBL Bank) the Third Floor with Roof/Terrace Rights of Property bearing No. D-106, measuring 277.08 Sq. Yds. situated in the Layout Plan of "The Railway Board Employees Co-operative House Building Society Ltd.) colony known as Anand Vihar, Delhi from - Kanwal Sain husband of late Kiran uppal (acquired half undivided share in the said property vide Relinquishment Deed dated 01.09.2022 (Document No. 8873) and Mrs. Ritu Gupta (acquired half undivided share in the said property vide Sale Deed dated 18.11.2020 (Document No. 6306 purchased along with Kiran uppal)
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage(equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of our client RBL Bank having its registered office at 1st Lane, Shahupuri, Kolhapur-416001 and branch office at First Floor Building No. 1 Okhla Phase-3 New Delhi-110020. This is to state that our client had given a loan to M/s Dangi Enterprises having loan account No. 609000463037, however during the course of organizing all Property papers file was found missing by bank officials. Our client, despite their best efforts, could not locate the file. The documents missing were with respect to property, PLOT NO.674, SECTOR-10, URBAN ESTATE, GURGAON, HARYANA - 122001. We had also lodged a Police Complaint on 02.08.2023 with Gurgaon Police Station. The list of documents which are missing are as follows:
1.Original Possession Certificate dated 29.03.2004 issued by HUDA in favour of Mrs. Darshana Wadhwa in respect of the said property.
2.Original Deed of Conveyance of building site sold by allotment dated 02.04.2004 executed by HUDA in favour of Mrs. Dharshana Wadhwa in respect of the said property, duly registered as Document no. 1181, in Addl. Book no. 1, Vol. no. 7571/914 on pages 158/68-69 on 16.04.2004.
3.Original Sale Deed dated 16.04.2004 executed by Mrs. Dharshana Wadhwa in favour of Mr. Shree Bhagwan Saini and Mrs. Beena Saini in respect of the said property, duly registered as Document no. 1219, in Addl. Book no. 1, Vol. no. 7571/915 on pages 168/46-47 dated 16.04.2004.
4.Original Re-allotment letter dated 13.05.2004 issued by HUDA in favour of Mr. Shree Bhagwan Saini and Mrs. Beena Saini in respect of the said property.
5.Original Sale Deed dated 28.12.2005 executed by Mr. Shree Bhagwan Saini and Mrs. Beena Saini in favour of Mrs. Phool Kumari Thakur in respect of the said property, duly registered as document no. 20243, in Addl. Book no. 1, Vol. no. 8466/943 on pages 90/49-50 on 28.12.2005.
6.Original Re-allotment letter dated 16.02.2006 issued by HUDA in favour of Mrs. Phool Kumari Thakur in respect of the said property.
7.Original ATS dated 11.04.2011 executed between Mrs. Phool Kumari Thakur And Mrs. Ramesh Devi in respect of the said property.
8.Photocopy of Transfer permission letter dated 16.05.2011 issued by HUDA in favour of Mrs. Ramesh Devi in respect of the said property.
9.Original Sale Deed dated 18.05.2011 executed by Mrs. Phool Kumari Thakur in favour of Mrs. Ramesh Devi in respect of the said property, duly registered as Document no. 4125, in Addl. book no. 1, Vol. no. 12955/1290 on pages 36/94-95 dated 18.05.2011.
10.Original Re-allotment letter dated 06.06.2011 issued by HUDA in favour of Mrs. Ramesh Devi in respect of the said property.
11.Permission to mortgage from HUDA in favour of the Bank
If any person has found these original documents, kindly intimate or hand over the same at below address and any person having claim, right, title or interest of any nature whatsoever in the above said misplaced document by way of shares, sale, gift, lease, inheritance, exchange, mortgage, charge, lien, trust, possession, easement, attachment or otherwise howsoever should intimate their objections, if any, in writing within 14 days to Adv. Mr. Kamal Kant Gupta, Advocate at Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower, Sec-4, Vaishali, Ghaziabad, UP, Ph. No. 9810063351 failing which, the claim of the such person/s, if any, will deemed to have been waived and/or abandoned for all intents and purpose.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

प्रपत्र सं. 3
[विनियम-15 (1) (क) /16 (3) देखें]
ऋण वसूली न्यायाधिकरण
चंडीगढ़ (डीआरटी 2)
प्रथम तल एससीओ 33-34-35,
सेक्टर-17 ए, चंडीगढ़ (तृतीय एवं चतुर्थ तल पर
भी अतिरिक्त स्पेस आबंटित)
वाद सं. : ओ.ए./208/2022
ईएक्सएच. नंबर : 16459
ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमावली, 1993 के नियम
5 के उप-नियम (2क) के साथ
पठित अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4)
के तहत सम्मन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
रोहित बेरी

सेवा में,
(1) रोहित बेरी
डी/डब्ल्यू/एस/ओ. एमएन बेरी पुत्र श्री एम.एन. बेरी, निवासी मकान नंबर 1496, सेक्टर-15, पंचकुला, हरियाणा-134113, पलवल, हरियाणा-134113
अन्य पता :
रोहित बेरी पुत्र श्री एम.एन. बेरी, पता एसईएम ओनर्स, एसोसिएशन मैनेजर, कार्यालय 1507, टेकॉम, दुबई यूएई-500001
अन्य पता :
रोहित बेरी पुत्र श्री एम.एन. बेरी पता जे-004, कैपिटल गेटवे, सेक्टर-111, गुरूग्राम, हरियाणा-122101
अन्य पता :
(2) सान्ड्रा रोड्रिगस पत्नी श्री रोहित बेरी निवासी मकान नंबर 1496, सेक्टर-15, पंचकुला, हरियाणा-134113
अन्य पता :
सान्ड्रा रोड्रिगस पत्नी श्री रोहित बेरी निवासी एमएजी 214/108, जुमीराह लेक टावर, दुबई-यूएई-500001
अन्य पता :
सान्ड्रा रोड्रिगस पत्नी श्री रोहित बेरी निवासी जे-004, कैपिटल गेटवे, सेक्टर-111, गुरूग्राम, हरियाणा-122101. गुरूग्राम, हरियाणा-122101

सम्मन

जबकि, ओए/208/2022 माननीय पीठ अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष 02-02-2023 को पेश किया गया था।
जबकि, यह माननीय न्यायाधिकरण रू. 1,61,05,250/- की ऋण वसूली के लिए आपके विरूद्ध दाखिल किए गए (ओए) के संबंध में, अधिनियम की धारा 19(4) के तहत, उक्त आवेदन पर सम्मन/नोटिस जारी करने का अनुग्रह कर रहा है (दस्तावेजों इत्यादि की प्रतियों सहित आवेदन संलग्न है)।
अधिनियम की धारा 19 की उप-धारा (4) के तहत आप प्रतिवादी(यों) को निम्न निर्देश भी दिया जाता है :-
प) सम्मन की तामील के तीस दिन के भीतर कारण बताएं कि प्रार्थित राहत क्यों मंजूर नहीं की जाए ;
पप) मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के अतिरिक्त सम्पत्तियों अथवा आस्तियों का विवरण, प्रस्तुत करें ;
पपप) आप को, सम्पत्ति की कुर्की के लिए आवेदन की सुनवाई तथा आवेदन के निस्तारण के दौरान, प्रत्याभूत आस्तियों अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत विनिर्दिष्ट सम्पत्तियों तथा आस्तियों के संबंध में संव्यवहार अथवा निपटान करने की मनाही की जाती है ;
पअ) आप किसी भी आस्ति जिस पर कोई प्रतिभूति हित सृजित किया गया है तथा/अथवा मूल आवेदन के क्रमांक 3क के तहत आवेदक द्वारा विनिर्दिष्ट अथवा खुलासा की गई सम्पत्तियों तथा आस्तियों का अंतरण बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से, आपके व्यवसाय के साधारण कोर्स को छोड़कर, न्यायाधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना, नहीं करेंगे ;
अ) आप व्यवसाय के साधारण कोर्स में प्रत्याभूत आस्तियों अथवा अन्य आस्तियों तथा सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली राशि का हिसाब रखने तथा ऐसी बिक्री प्राप्तियां इन आस्तियों पर प्रतिभूति हित धारक बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं में अनुरक्षित खाते में जमा करने हेतु जिम्मेदार होंगे।
आपको लिखित बयान दाखिल करने, उसकी प्रति आवेदक को मुहैया कराने तथा दिनांक 07-08-2023 को पूर्वा. 10.30 बजे रजिस्ट्रार के समक्ष पेश हाने का भी निर्देश दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आवेदन की सुनवाई और निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर लगाकर 22-02-2023 को दिया गया।
अधिकारी के हस्ताक्षर
सम्मन जारी करने हेतु प्राधिकृत

नाइजर सेना ने मंत्रियों की नियुक्ति की, वार्ता से इंकार किया

नियामी (नाइजर)। नाइजर में दो सप्ताह पहले सत्ता हथियाने वाली सैन्य सरकार (जुंटा) ने मंत्रिमंडल में नए मंत्रियों की नियुक्ति की और अधिकतर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों का देश में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया क्योंकि सेना खुद यहां सत्ता संभालने का काम कर रही है।

सैन्य सरकार के नेताओं ने सोमवार को नए प्रधानमंत्री का नाम नामित किया, जिसे विश्लेषकों ने यह दिखाने के एक प्रयास के रूप में वर्णित किया कि वे (सेना) पश्चिम अफ्रीकी देश में सरकार चलाने को लेकर काफी गंभीर हैं। एसोसिएटेड प्रेस के पास मौजूद एक पत्र के मुताबिक, उन्होंने (सैन्य सरकार) संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक पश्चिम अफ्रीका राज्य आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्लयूएएस) द्वारा भेजे जाने वाले मध्यस्थता दलों के साथ बातचीत से इनकार कर दिया है, जिन्हें मंगलवार को यहां पहुंचना था। पत्र के मुताबिक, जुंटा ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बातचीत से इनकार किया है।

ईसीओडब्लयूएएस ने धमकी दी थी कि अगर सेना रविवार तक निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को बहाल नहीं करती है तो वह सैन्य बल का प्रयोग करेगा, जिसे जुंटा ने नजरअंदाज किया और उसके खिलाफ आर्थिक समुदाय द्वारा कोई कार्वाई नहीं की गई। सैन्य नेताओं ने अर्थशास्त्री अली महामन लैमिन जीन को प्रधानमंत्री चुना है। जीन पूर्व में अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री थे और 2010 में सेना के तख्तापलट के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। जीन ने बाद में अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक में भी काम किया था।

13वें संशोधन को पूरी तरह लागू करेंगे : विक्रमसिंघे

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को कहा कि प्रांतीय परिषदों की व्यवस्था को और सार्थक बनाने के लिए वह केंद्र सरकार के कामकाज की शक्तियां घटाते हुए 13 वें संविधान संशोधन को पूरी तरह लागू करेंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर अपने प्रस्ताव सौंपने का आह्वान किया है ताकि संसद अंतिम फैसला कर सके।

यह कदम देश के अल्पसंख्यक तमिल समुदाय के साथ विक्रमसिंघे के सुलह प्रयास का हिस्सा है। यह समुदाय उन्हें और शक्तियां देने वाले 13 वें संविधान संशोधन (13ए) को लागू करने की मांग कर रहा है। 1987 में भारत-श्रीलंका समझौता होने के बाद यह 13ए संविधान संशोधन लाया गया था। उसके फलस्वरूप सत्ता के विकेंद्रीकरण के तहत नौ प्रांत बनाए गए तथा उत्तरी एवं पूर्वी प्रांतों को अस्थाई रूप से आपस में मिला दिया गया। संसद में अपने एक विशेष बयान में विक्रमसिंघे ने कहा, कोई भी राजीनतिक दल 13 ए संशोधन के खिलाफ नहीं है। 13 ए के मार्फत सत्ता के विकेंद्रीकरण के तौर तरीकों का गहराई से अध्ययन करने के लिए उन्हें बुलाइए। मैं उनसे अपने प्रस्ताव देने का आह्वान करता हूं ताकि संसद उसपर अंतिम फैसला कर सके। उन्होंने कहा, संसद को ही प्रांतीय परिषदों की भावी भूमिका पर फैसला करना चाहिए।

उन्होंने दोहराया कि वह केंद्र की शक्तियों में कमी लाकर प्रांतीय परिषदों को और सार्थक बनाने के लिए संशोधन लाएंगे। विक्रमसिंघे ने कहा कि प्रांतीय परिषदों की शक्तियों पर संसद में सहमति बन जाने के बाद इन परिषदों के स्थगित चुनाव कराए जा सकते हैं। नौ प्रांतीय परिषदों के चुनाव 2008 से रूके हुए है। उससे पहले चुनाव सुधार के लिए कदम उठाए गए थे।

24 भारतीय भिखारी नेपाल में पकड़े गए, वापस भेजा गया

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने फर्जी दस्तावेज रखने और खुद को प्राकृतिक आपदा का शिकार बताने वाले 12 नाबालिगों सहित भारत के 24 भिखारियों को हिरासत में लिया और बाद में उन्हें वापस (भारत) भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले सभी 24 लोगों को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नेपाल की तरफ वाले इलाके बिर्तामोड की सड़कों पर भीख मांगते हुए हिरासत में लिया गया।पुलिस ने बताया कि वे हाथों में छह महीने के बच्चे समेत कई छोटे बच्चों को लेकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे के लिए भीख मांग रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उनके पास फर्जी दस्तावेज थे और उन्होंने दावा किया कि वे भारत में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित हैं और आपदा की वजह से उन्होंने अपना घर बार खो दिया।पुलिस ने बिर्तामोड़ नगर निगम की मदद से पता लगाया कि वे बिर्तामोड़ बुसपार्क में एक किराए के कमरे में समूहों में रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस की गाड़ी से कांकड़भित्ता इलाके में मेची पुल पर सीमा की दूसरी तरफ ले जाया गया।पुलिस ने बताया कि नेपाल में त्यौहारों का मौसम आते ही नेपाल में सीमा पार से भिखारियों की संख्या बढ़ने लगती है।

बाइडन ने ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया

ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया है और इस कदम को न केवल एरिजोना, बल्कि पूरे ग्रह के लिए हितकारी बताया है। ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की घोषणा के साथ ही मूल अमेरिकी जनजातियों और पर्यावरणविदों की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई है।

बाइडन के इस कदम से ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क के उत्तर और दक्षिण में लगभग।,562 वर्ग मील (4,046 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। यहां घाटियां, पठार और सहायक नदियां हैं। यह बाइडन द्वारा घोषित किया गया पांचवां राष्ट्रीय स्मारक है।

एरिजोना के अदिवासी राष्ट्रपति से पुरावशेष अधिनियम 1906 के तहत अपने अधिकार का उपयोग करके इसे नया राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। बाइडन ने कहा, इन जमीनों को संरक्षित करना न केवल एरिजोना, बल्कि पूरे ग्रह के हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छा कदम है।

ग्रैंड कैन्यन घाटी अमेरिका के एरिजोना राज्य से होकर बहने वाली कोलोरेडो नदी की धारा से बनी तंग घाटी है। यह घाटी अधिकांशत: ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क से घिरी है।

ब्रिटेन के विश्वविद्यालय की साझेदारी से तेलंगाना में नया प्रशीतन केंद्र अस्तित्व में आया

लंदन। भारत में खाद्य एवं टीका आपूर्ति श्रृंखला के वास्ते दीर्घकालिक प्रशीतलन नवोन्मेष को बढ़ावा देने तथा ऊर्जा कुशल प्रशीतन सुविधा की तैनाती बढ़ाने के लिए बर्मिंघम विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में एक नई पहल बुधवार को तेलंगाना में शुरू की गई। यह तेलंगाना सतत शीतलन एवं शीत श्रृंखला उत्कृष्टता केंद्र, तेलंगाना सरकार के तेलंगाना राज्य व्यापार संवर्धन निगम, बर्मिंघम विश्वविद्यालय के सतत शीतलन केंद्र (सीएससी), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एवं जीएमआर ग्रुप की संयुक्त परियोजना है। ब्रिटेन का विश्वविद्यालय ज्ञान साझेदार का काम करेगा तथा वह इस केंद्र को अत्याधुनिक अनुसंधान एवं नवोन्मेष केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद करेगा। वह जरूरतों तथा तेलंगाना एवं भारत में समान प्रशीतन श्रृंखला पर आधारित होगा। इस केंद्र का तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री के टी रामाराव द्वारा हैदराबाद में जीएमआर हवाई अड्डे के पास जीएमआर इनोवेक्स कैंपस में उद्घाटन किया। राव ने कहा, यह उत्कृष्टता केंद्र भारत में अपनी तरह की पहली पहल है। उसमें अत्याधुनिक उपकरण होंगे तथा देश में प्रशीतन श्रृंखला की सभी चुनौतियों का एकल समाधन प्रदान करेगा...।

पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण दल की सुरक्षा कर रही पुलिस टीम पर हमला, एक पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में बुधवार को पोलियो टीकाकरण के लिए घर-घर अभियान के दौरान कर्मियों को सुरक्षा मुहैया करा रहे पुलिस अधिकारियों पर बंदूकधारी हमलावरों ने हमला कर दिया, जिससे एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक स्थानीय अधिकारी नासित शाह ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 27 लाख बच्चों को पोलिया दवा पिलाने के लिए सप्ताह भर चलने वाले अभियान के तीसरे दिन प्रांत के बन्नू जिले में यह हमला हुआ। पुलिस के मुताबिक, किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन पाकिस्तान के पोलिया रोधी अभियान को नियमित रूप से हिंसा का निशाना बनाया जाता रहा है।पाकिस्तानी आतंकवादी अक्सर पोलियो दलों को निशाना बनाते हैं और पुलिस को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपा जाता है।

मेयर ने दुनिया से परमाणु हथियार खत्म करने का आग्रह किया

एपी। तोक्यो

जापान के शहर नागासाकी में अमेरिका के परमाणु बम हमले की 78वीं बरसी बुधवार को मनाई गई। इस अवसर पर मेयर ने विश्व शक्तियों से परमाणु हथियारों को खत्म करने का आग्रह करते हुए कहा कि अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियार रखना भी परमाणु युद्ध के खतरे को बढ़ाने का काम करता है।

नागासाकी के मेयर शिरो सुजुकी की यह प्रतिक्रिया जी-7 औद्योगिक शक्तियों के मई में परमाणु निरस्त्रीकरण पर एक अलग दस्तावेज को स्वीकार करने के बाद आई है, जिसमें परमाणु हथियारों को अपनी रक्षा के रूप में प्रयोग करने का आह्वान किया गया था।

सुजुकी ने बुधवार को अपनी शांति घोषणा में कहा, अब वक्त आ गया है कि हिम्मत दिखाई जाए और अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों पर निर्भरता से मुक्ति के फैसले लिए जाए। उन्होंने कहा, जब तक राष्ट्र अपनी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों पर निर्भर रहेंगे तब तक हम परमाणु हथियार मुक्त विश्व की कल्पना नहीं कर सकते हैं।

सुजुकी ने कहा कि रूस की परमाणु हमले की धमकी ने दूसरे परमाणु संपन्न राष्ट्रों को परमाणु हथियारों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने और क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे परमाणु युद्ध का खतरा और बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि रक्षा के तौर पर परमाणु हथियार रखने की वकालत करने वाला सिर्फ रूस ही एकमात्र देश नहीं है। अमेरिका ने छह अगस्त 1945 को हिरोशिमा पर दुनिया का पहला परमाणु बम गिराया था, जिसमें 140,000 लोगों की मौत हुई थी और पूरा शहर तबाह हो गया था, जबकि दूसरा हमला तीन दिन बाद नौ अगस्त 1945 को नागासाकी पर हुआ था जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 10 अगस्त 2023

वंशवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की विदाई जरूरी

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा ने बुधवार को महात्मा गांधी द्वारा 1942 में आज ही के दिन शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन को याद किया और कांग्रेस तथा विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों पर निशाना साधते हुए आह्वान किया कि वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति देश हित में समाप्त होनी चाहिए। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति वंशवादी राजनीति के साथ आती है।

उन्होंने केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान हुए कई घोटालों के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के घटक दलों... तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के शासन वाले राज्यों में सामने आए घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि वंशवाद की राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को देश के सर्वोत्तम हित में भारत छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ए देश की तीन बीमारियां हैं जिन्हें भारत छोड़ देना चाहिए।

प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, भारत, इसकी सुरक्षा, अखंडता के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इन तीन बीमारियों... घोर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और शर्मनाक तुष्टीकरण को भारत छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने की रक्षा करनी है, राजनीति में शुचिता को वापस लाना है और देश को बचाना है, तो इन तीन अभिशापों को भारत छोड़ना होगा। इस बीच, भाजपा सांसदों ने वंशवादी राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को देश से खत्म करने की मांग करते हुए संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा वंशवादी राजनीति के खिलाफ है न कि किसी नेता के बेटे या बेटी के राजनीति में आने और चुनाव लड़ने के खिलाफ। उन्होंने कहा कि वंशवादी राजनीति का मतलब किसी नेता का बेटा या बेटी है जो पार्टी को प्रमुख के रूप में चलाता है, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बनता है या पार्टी का प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनता है। उन्होंने कहा, इसे परिवारवाद कहा जाता है जिसमें पार्टी के आम कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी की पैकेजिंग और रीपैकेजिंग होती रहेगी लेकिन यह कांग्रेस के नेताओं को देखना है कि उनमें इस महान देश का नेता बनने की कितनी क्षमता है।

भाजपा नेता ने गांधी को जन नायक कहने के लिए कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि लोगों ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को उनके महान योगदान के लिए यह उपाधि दी थी। उन्होंने कहा, जब दरबारी संस्कृति में राग दरबार बजाया जाता है तो कई अप्रिय राग भी सामने आते हैं। प्रसाद ने विपक्ष गठबंधन इंडिया को घमंडिया करार दिया और राजद, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक पर निशाना साधते हुए उनके शीर्ष नेताओं पर वंशवादी राजनीति को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, परिवार का शासन स्वाभाविक रूप से अलोकतांत्रिक और गैर जिम्मेदाराना है। परिवार को अपनी राजनीति जारी रखने के लिए भ्रष्टाचारियों के समर्थन की जरूरत है। तुष्टीकरण उनके राजनीतिक विचारों का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। भाजपा नेता ने देश में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त करने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा, हमें प्रधानमंत्री मोदी पर गर्व है। उन्होंने तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार को खत्म किया है।

नई दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान भारत छोड़ो आंदोलन दिवस मनाने के लिए संसद भवन परिसर में प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसद

संसद ने संविधान अनु. जाति आदेश संशोधन विधेयक को दी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने छत्तीसगढ़ के महरा तथा महारा समुदायों को अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव करने वाले संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक-2023 को बुधवार को मंजूरी दे दी। यह विधेयक छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति सूची के संशोधन के लिए संविधान अनुसूचित जाति आदेश-1950 में संशोधन करता है। विधेयक में छत्तीसगढ़ में महारा और महरा समुदायों को उनके मिलते- जुलते नाम वाले मेहरा, महार और मेहर समुदायों की सूची में शामिल किया गया है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने उच्च सदन में यह विधेयक पेश किया। लोकसभा ने एक अगस्त को इस विधेयक को पारित किया था। राज्यसभा में इस विधेयक के पारित होने के साथ ही इसे संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा में बीजू जनता दल की सुलता देव, भाजपा के सुमेर सिंह सोलंकी, तेलुगू देशम पार्टी के कनकमेदला रवींद्र कुमार, वाईएसआर कांग्रेस के सुभाष चंद्र बोस पिल्लई और वी विजय साई रेड्डी और ऑल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम सदस्य एम थंबीदुरई ने भी भाग लिया।

चर्चा आरंभ होने के ठीक पहले विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर हिंसा पर नियम 267 के तहत चर्चा नहीं कराए जाने के विरोध में सदन से बहिर्गमन किया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कुमार ने कहा कि कहा कि विधेयक छत्तीसगढ़ में इन समुदायों के जीवन और स्थितियों में सुधार लाएगा। इससे इन जातियों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्हें नौकरियों में आरक्षण मिलेगा, शिक्षा संस्थाओं में दाखिले में लाभ मिलेगा, कम ब्याज दर पर कर्ज मिल सकेगा और इसकी सहायता से वे अपने उद्यम शुरु कर सकते हैं।

बारिश के कारण उत्तराखंड में नौ की मौत, धामी ने अतिवृष्टि की जानकारी ली

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर हुई मूसलाधार बारिश के कारण पिछले 24 घंटों में नौ लोगों की मौत हुई है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतिवृष्टि की स्थिति की जानकारी ली और जिलाधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। वर्षा जनित विभिन्न घटनाओं में एक व्यक्ति लापता है और करीब आधा दर्जन लोग घायल भी हुए हैं। केदारनाथ यात्रा मार्ग के आधार शिविर गौरीकुंड में लगातार बारिश के बीच बुधवार तड़के एक झोंपड़ी भूस्खलन के मलबे की चपेट में आ गई जिससे उसमें सो रहे एक नेपाली परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गौरीकुंड गांव में हेलीपैड के समीप स्थित झोंपड़ी के उपर गिरे मलबे से बच्चों की मां जानकी सुरक्षित बाहर निकल आई। हादसे के वक्त बच्चों का पिता सत्यराज नेपाल गया हुआ था। हादसे में घायल बालिका की पहचान आठ वर्षीय स्वीटी के रूप में हुई है जबकि उसकी छोटी बहन पांच वर्षीय पिंकी तथा एक अन्य छोटे बच्चे की मृत्यु हुई है। गौरीकुंड में पांच दिन के भीतर भूस्खलन की यह दूसरी घटना है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, पौड़ी जिले के सतपुली क्षेत्र में एक कार के 500 मीटर गहरे खड्ड में गिर जाने से उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार देर रात बारिश के दौरान गुमखाल में हुए हादसे के वक्त सभी गुमखाल बाजार से जयहरीखाल क्षेत्र में स्थित अपने गांव देवदाली लौट रहे थे। मृतकों में पितापुत्र भी शामिल हैं जिनकी पहचान चंद्रमोहन सिंह बिष्ट (62) और अतुल बिष्ट (35) के रूप में हुई है। अन्य दो मृतकों के नाम दिनेश सिंह (63) और कमल बिष्ट 45) हैं।

एक अन्य घटना में पौड़ी जिले के कल्जीखाल क्षेत्र में मुंडनेश्वर के निकट दोपहर करीब दो बजे एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें सवार एक महिला की मृत्यु हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पौड़ी जिले के कोटद्वार क्षेत्र के चूना महेड़ा गांव में एक मकान भूस्खलन की चपेट में आ गया जिसके मलबे में एक व्यक्ति के दबे होने की सूचना है। उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेशयमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डाबरकोट के पास सुबह करीब आठ बजे एक बस पर पत्थर गिर गए जिससे उसमें सवार एक महिला की मृत्यु हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। हादसे के वक्त बस जानकीचटटी से बड़कोट आ रही थी। उधमसिंह नगर जिले की गदरपुर तहसील में दिनेशपुर में मंगलवार मध्यरात्रि के बाद एक पेड़ गिरने से एक युवक की मृत्यु हो गई। मृतक की पहचान अक्षय (25) के रूप में हुई है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में नहर में नहाते वक्त जवान डूबा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में स्थित एक नहर में बुधवार को नहाने गया सेना का जवान डूब गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बरवाल गांव के रहने वाले कल्कि शर्मा (24) अवकाश पर थे। पुलिस ने बताया कि वह श्रीनगर में तैनात थे। शर्मा पास के ही मगरखंड में नहर में नहाने गए थे लेकिन डूब गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने एक संयुक्त बचाव अभियान में जवान के शव को बाहर निकाल लिया। वहीं उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के 22 वर्षीय युवक शाहबाज अहमद की जम्मू के बाहरी दोमाना इलाके में स्थित एक नहर में डूबने की आशंका जताई जा रही है। हंदवाड़ा के मगम गांव का रहने वाला अहमद उत्तर प्रदेश से एक ट्रक से लौट रहा था और उसने मंगलवार देर रात नहर में नहाने का फैसला किया। पुलिस के मुताबिक, एसडीआरएफ के दल सहित बचावकर्मी लापता युवक को खोज रहे हैं।

क्विक न्यूज

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% कर लगाने के लिए जीएसटी कानून में बदलाव को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ क्लबो मे दांव पर लगाई जाने वाली पूरी राशि पर 28 प्रतिशत कर लगाने के लिए जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) कानूनो मे बदलाव को बुधवार को मंजूरी दे दी। सूत्रो ने यह जानकारी दी। जीएसटी परिषद ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अधिनियमो मे संशोधन को पिछले सप्ताह मंजूरी दी थी। संसद के मौजूदा मानसून सत्र मे इसे पेश किए जाने की संभावना है। सत्र 11 अगस्त तक चलेगा। सूत्रो ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अपनी बैठक मे सीजीएसटी और आईजीएसटी कानूनो मे संशोधन को मंजूरी दे दी है। जीएसटी परिषद ने दो अगस्त को अपनी 51वी बैठक मे कसीनो, घुड़दौड़ और ऑनलाइन गेमिंग मे आपूर्ति पर करधान स्पष्ट करने के लिए सीजीएसटी अधिनियम 2017 की अनुसूची तीन मे संशोधन की सिफारिश की थी। परिषद ने विदेशी संस्थाओ द्वारा प्रदान किए गए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर जीएसटी तय करने के लिए आईजीएसटी अधिनियम, 2017 मे एक प्रावधान डालने की भी सिफारिश की है। ऐसी संस्थाओ को भारत मे जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करना आवश्यक होगा। जीएसटी अधिनियम मे संशोधित प्रावधान एक अक्टूबर से लागू होगे। यह ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन मनी गेमिंग, ऑनलाइन गेम के भुगतान के लिए उपयोग की जाने वाली डिजिटल संपत्तियो और ऑनलाइन गेमिंग के मामले मे आपूर्तिकर्ताओ को परिभाषित करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की बैठक के बाद कहा था कि सीजीएसटी और आईजीएसटी संशोधनो को मानसून सत्र मे संसद मे पेश किया जा सकता है। राज्य अपनी-अपनी विधानसभाओ मे राज्य जीएसटी कानून मे संशोधन को पारित करेगे।

चांद की सतह के और निकट आया चंद्रयान-3

बेंगलुरु। भारत का महत्वाकांक्षी तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 बुधवार को कक्षा मे नीचे लाए जाने की एक और सफल प्रक्रिया से गुजरने के साथ ही चांद की सतह के और नजदीक आ गया। चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण 14 जुलाई को किया गया था और पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा मे प्रवेश किया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक ट्वीट मे कहा, चंद्रमा की सतह के और नजदीका आज की गई प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 174 किमी र 1437 किमी रह गई है। इसने कहा कि अगली प्रक्रिया 14 अगस्त 2023 को पूर्वाह्न 11:30 से अपराह्न 12:30 बजे के बीच निर्धारित है। इसरो ने रविवार को भी चंद्रयान को चांद की कक्षा मे नीचे लाए जाने की इसी तरह की प्रक्रिया को अंजाम दिया था। महत्वाकांक्षी मिशन के आगे बढ़ने के साथ ही चंद्रयान-3 की कक्षा को धीरे-धीरे कम करने और इसकी स्थिति चंद्र ध्रुवो के ऊपर करने के लिए इसरो द्वारा सिलसिलेवार व्यायद की जा रही है। इसरो सूत्रो के मुताबिक, अंतरिक्ष यान को चंद्रमा के करीब लाने के लिए दो और प्रक्रियाएं की जाएंगी। उन्होने कहा कि ए प्रक्रियाएं 14 और 16 अगस्त को 100 किमी की कक्षा तक पहुंचने के लिए की जाएंगी, जिसके बाद लैडर और रोवर से युक्त लैडिंग मॉड्यूल आगे की प्रक्रिया के तहत प्रपल्शन मॉड्यूल से अलग हो जाएगा। इसके बाद, लैडर के डीबूस्ट (धीमे होने की प्रक्रिया) से गुजरने और 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर सॉफ्ट लैडिंग करने की उम्मीद है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयो मे एससी, एसटी व ओबीसी के लिए आरक्षित 42 प्रतिशत पद खालीः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद मे बताया कि 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयो मे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारो के लिए आरक्षित 42 प्रतिशत से अधिक शिक्षण पद खाली पड़े है। राज्यसभा मे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एक लिखित उत्तर मे साझा किए गए आंकड़ो के अनुसार, केंद्रीय विश्वविद्यालयो मे ओबीसी, एससी और एसटी उम्मीदवारो के लिए 7,033 पद स्वीकृत है और इनमे से 3,007 पद खाली है। ओबीसी के लिए 46 प्रतिशत पद (1665) खाली है, एससी और एसटी के लिए रिक्त पद क्रमशः 37 और 44 प्रतिशत है। प्रधान ने कहा, 2023 मे अब तक तीनो श्रेणियो के लिए कुल 517 पद भरे गए है। वर्ष 2023 मे भरे गए पदो मे से अधिकतम ओबीसी श्रेणी (285) के लिए है, इसके बाद एससी (150) और एसटी (82) श्रेणियो के लिए है।

वित्त मंत्रालय ने सीमा शुल्क के नाम पर धोखाधड़ी से लोगों को किया आगाह

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने लोगो को भारतीय सीमा शुल्क के नाम पर पैसे ऐठने वाले धोखेबाजो से बचने को लेकर बुधवार को आगाह किया। वित्त मंत्रालय ने कहा, भारतीय सीमा शुल्क विभाग व्यक्तिगत बैंक खाते मे सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए कोई फोन नही करता या एसएमएस (संदेश) नही भेजता है। मंत्रालय ने कहा, भारतीय सीमा शुल्क के सभी संचार मे एक डीआईएन (डायरेक्टर आइडेंटिफिकेशन नंबर) होता है जो सीबीआईसी (केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड) की वेबसाइट पर मौजूद है और उसे वहां से सत्यापित किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ विस चुनाव के लिए बसपा ने नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की

भाषा। रायपुर

मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने आगामी छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए दो मौजूदा विधायकों समेत नौ उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में 2018 से कांग्रेस का शासन है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत पोयाम ने बताया कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की सूची मंगलवार देर रात जारी की गई, जिसमें एक महिला विधायक समेत दो मौजूदा विधायक शामिल हैं।

पोयाम ने बताया कि वर्तमान विधायक केशव प्रसाद चंद्रा जो जैजैपुर (सक्ती जिला) और इंदु बंजारे जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पामगढ़ (जांजगीर-चांपा जिला) विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों से चुनाव मैदान में उतारा गया है।

सूची के अनुसार वरिष्ठ नेता दाऊराम रत्नाकर (मस्तूरी सीट-अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), ओमप्रकाश बाचपेई (नवागढ़- अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), राधेश्याम सूर्यवंशी (जांजगीर-चांपा), डॉक्टर विनोद शर्मा (अकलतरा), श्याम टंडन (बिलाईगढ़- अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित), रामकुमार सूर्यवंशी (बेलतरा) और आनंद तिग्गा (सामरी-अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। पिछले चुनाव में बसपा ने 4.27 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था तथा दो सीटें- जैजैपुर और पामगढ़ में जीत हासिल की थी, जबकि उसके गठबंधन सहयोगी जेसीसी (जे) को 7.6 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी ने पांच सीटें हासिल की थीं। इस बार के चुनाव में इनमें से किसी भी दल ने अब तक गठबंधन की घोषणा नहीं की है।

मोदी को फिर पीएम बनाने के लिए पूर्वोत्तर एकजुट होगा: शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि मणिपुर में जातीय संघर्ष के बावजूद पार्टी अगले साल होने वाले आम चुनाव में राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीतेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए तैयार होने और पूरे क्षेत्र में संगठनात्मक ताकत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया ताकि वह अधिक से अधिक सीट जीत सके। शर्मा ने यहां क्षेत्र की विस्तारक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, लोग पूछ रहे हैं कि मणिपुर में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहेगा? मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीतेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि अभी झड़पें हो रही हैं, लेकिन जब नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात आएगी तो पूरा पूर्वोत्तर एकजुट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के कारण मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें 2012 की तुलना में उतनी नहीं बढ़ी हैं जब राज्य में विभिन्न मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों ने लंबे समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, यदि सिलचर-जिरिबाम सड़क नहीं होती तो आज की स्थिति में पेट्रोल और डीजल की कीमतें ।,000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई होतीं। वर्ष 2012 में यह मार्ग नहीं था और इन उत्पादों को इंफाल तक हवाई मार्ग से ले जाना पड़ता था और कीमतें 350-400 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई थीं। उन्होंने कहा, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी उस हद तक नहीं बढ़ी हैं जितनी 2012 में थीं। (इंफाल) घाटी में आपूर्ति बाधित नहीं हुई है।

शर्मा ने पार्टी सदस्यों से यह भी कहा कि वे इस बात को लेकर अटकलें न लगाएं कि भाजपा किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कौन सी सीट वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपने सहयोगियों के लिए छोड़ेगी। उन्होंने कहा, राजग एक वास्तविकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें राजग की भावना को बनाए रखना है। हम किस सीट पर चुनाव लड़ेंगे या कोई सहयोगी दल चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा, यहां तक कि उन सीटों पर भी जहां आज के परिदृश्य में भाजपा के पास कोई मौका नहीं है, हमें अपनी ताकत का पता लगाने और उस पर काम शुरू करने की जरूरत है। हमें दीर्घकालिक एजेंडे के साथ काम करना होगा।

शर्मा ने कहा कि भाजपा की असम इकाई के मंत्री और लोकसभा सांसद चुनाव तैयारियों पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में बैठक करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और उस पर सत्ता में अपने कार्यकाल के दौरान देश के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस ने कभी भी सामाजिक उत्थान के लिए काम नहीं किया। इसने कभी भी देश की आर्थिक आजादी के लिए काम नहीं किया। इसने केवल परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी से नगा शांति वार्ता के लिए सम्मानजनक समाधान की अपील की गई

इंफाल। यूनाईटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से एक ज्ञापन सौंपा। मणिपुर में अपने रिहाइश वाले क्षेत्रों में हजारो नगाओं ने प्रारूप समझौते के आधार पर केंद्र और नगा संगठनों के बीच शांतिपूर्ण वार्ता के सफल समापन के वास्ते दबाव बनाने के लिए रैली निकाली। सेनापति जिले के उपायुक्त के माध्यम से सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है, हम भारत सरकार से इस सार्वभौमिक तथ्य को स्वीकार करते हुए प्रारूप समझौते को अक्षरश: सम्मान करने का आह्वान करते हैं कि संप्रभुता लोगों के हाथों में होती है तथा उसके हिसाब से नगा राष्ट्र ध्वज एवं संविधान साझी संप्रभुता का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए।

नगा शांति वार्ता एनएससीएन (आईएम) की इस मांग को लेकर लंबे समय से अटकी हुई है कि नगालैंड को भारतीय संविधान में एक ध्वज एवं भारतीय संविधान में एक अध्याय की अनुमति दी जाए। यूएनसी ने प्रधानमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि किसी अन्य समुदाय की मांगों के समाधान के प्रयास के दौरान नगा क्षेत्रों को नहीं छुआ जाए। नगा संगठन की यह अपील मणिपुर में कुकी समुदाय के लिए पृथक प्रशासन की मांग की पृष्ठभूमि में आई है। ऐसे किसी दुस्साहस के ऐसे गंभीर परिणाम होंगे जिनसे और निर्मम हिंसा भड़केगी। यूएनसी ने पहले ज्ञापन के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से कहा था कि किसी समुदाय की किसी अपील या मांग के समाधान के प्रयास में नगा क्षेत्रों का कोई विखंडन नगा स्वीकार नहीं करेंगे। दिन के समय कड़ी सुरक्षा के बीच तामेंगलोंग, सेनापति उखरूल और चांदेल के जिला मुख्यालयों में

नगालैंड में सबसे कम अपराधः नेफ्यू रियो

कोहिमा। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में दर्ज अपराधों की संख्या सबसे कम है, खासकर महिलाओं के खिलाफ। उन्होंने कहा कि नगालैंड के लोगों को उनकी सत्यनिष्ठा, ईमानदार स्वभाव, सच्चाई और कड़ी मेहनत के लिए जाना जाता है। राज्य का प्रथागत कानून प्रभावी है क्योंकि यहां एक मजबूत पारंपरिक सामुदायिक प्रणाली मौजूद है। गांव, आदिवासी और कुल जैसे विभिन्न स्तर पर लोग अपराधों पर अंकुश लगा सकते हैं और खुद ही समस्याओं पर संज्ञान लेकर उन्हें हल करते हैं। यहां नॉर्थ कोहिमा पुलिस थाने में एक कार्यक्रम में कोहिमा जिले के सात पुलिस थानों में 16 सीसीटीवी कैमरों के उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि नगालैंड के लोगों को सत्यनिष्ठा व ईमानदार स्वभाव और प्रथागत कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने की वजह से ही राज्य के पुलिस थानों में बहुत कम मामले दर्ज होते हैं। नॉर्थ कोहिमा पुलिस थाना राज्य का सबसे पुराना पुलिस थाना है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी लगाना नगालैंड पुलिस के आधुनिकीकरण में एक मील का पत्थर है क्योंकि यह कार्य पुलिस बल में लोगों के विश्वास को बहाल करेगा। आम लोगों को पुलिस थाने में जाने से डर लगता है और पुलिस थानों में अत्याचार, यातना, हिंसा और झूठे आरोपों के बहुत से आरोप लगाए जाते हैं।

मणिपुर हिंसा के खिलाफ ईसाई संगठनों का पंजाब में प्रदर्शन

भाषा। चंडीगढ़, जालंधर, होशियारपुर

मणिपुर हिंसा के विरोध में कई ईसाई और दलित संगठनों के पंजाब बंद के आह्वान के बाद राज्य में कई स्थानों पर दुकाने बंद रही तथा गोलीबारी की एक घटना भी सामने आई। प्रदर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर शैक्षणिक संस्थान बंद रहे तथा प्रदर्शनकारियों ने यातायात भी अवरुद्ध कर दिया। इस दौरान किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियो ने मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध मार्च भी निकाला। वे मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने की घटना का भी विरोध कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि पंजाब बंद के आह्वान के मद्देनजर प्रदर्शनकारियों द्वारा मोगा में एक दुकान बंद करने का आग्रह किए जाने के बाद एक दुकानदार ने कथित तौर पर एक प्रदर्शनकारी पर गोली चला दी। कथित घटना उस वक्त हुई जब कुछ प्रदर्शनकारी जिले के कोट इसे खां इलाके में दुकानदारों से दुकानें बंद करने की अपील कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दुकानदार की एक प्रदर्शनकारी से बहस हो गई और उसने अपने लाइसेंसी हथियार से उस पर गोली चला दी। उसने बताया कि गोली प्रदर्शनकारी के सीने में लगी और उसे अस्पताल रेफर किया गया। बंद के आह्वान का सबसे ज्यादा असर जालंधर, कपूरथला, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जिलों में दिखा।

अधिकारियों ने बताया कि पंजाब बंद आह्वान के तहत जालंधर में कई बाजार बंद रहे तथा दलित और ईसाई समुदायों के प्रतिनिधियों ने शहर के कपूरथला चौक पर धरना दिया। उन्होंने बताया कि रामा मंडी और नकोदर चौक पर पुलिस तैनात की गई है। उन्होंने बताया कि बंद का असर होशियारपुर जिले में भी दिखा। यहां कई स्थानों पर दुकानें और बाजार बंद रहे। अधिकारियों ने बताया कि क्रिश्चियन नेशनल फ्रंट, पेस्टर्स एसोसिएशन, रविदासिया एकता दल, अखिल भारतीय बाल्मीकि समाज जैसे संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने जिले के विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों की घेराबंदी के कारण बिजली घर, चौक टांडा, हाजीपुर क्रॉसिंग, दसुया और माता रानी चौक, मुकेरियां सहित स्थानों पर राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर वाहनों का यातायात अवरुद्ध हो गया।

होशियारपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरताज सिंह चहल ने कहा कि जिले के किसी भी कोने से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है और बंद शांतिपूर्ण रहा। चहल ने कहा कि जिन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन के कारण जाम लगा था, वहां यातायात को विभिन्न वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ दिया गया। फिरोजपुर में, अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थान और बाजार बंद रहे। कुछ बैंकों सहित जो बाजार और दुकानें खुले थे, उन्हें प्रदर्शनकारियों ने बंद करा दिया।

आदि धर्म समाज के अध्यक्ष शाम लाल और अन्य ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में ईसाई समुदाय के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। फिरोजपुर के एसएसपी दीपक हिलोरी ने कहा कि बंद शांतिपूर्ण रहा, किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ।,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अमृतसर में पुलिस उपायुक्त परमिंदर सिंह भंडाल ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। कपूरथला जिले में व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे और बसें सड़कों से नदारद रहीं। ईसाई और अनुसूचित जाति समुदायों के सदस्यों ने जिले के भगत सिंह चौक पर धरना दिया और पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा से निपटने में विफलता के लिए केंद्र और मणिपुर सरकार की आलोचना की। वहीं, लुधियाना में बाजार और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुले रहे। लुधियाना के पुलिस उपायुक्त वरिंदर सिंह बराड़ ने कहा कि शहर में कई संवेदनशील इलाकों में दंगा-रोधी दस्ते और वाहन तैनात किए गए हैं।

भारत ने पाक को 4-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर किया

भाषा। चेन्नई

कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश करते हुए बुधवार को यहां एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के राउंड रोबिन लीग के आखिरी मैच में पाकिस्तान को 4-0 से करारी शिकस्त देकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया और अपने इस चिर प्रतिद्वंदी को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया।

भारत ने प्रत्एक क्वार्टर में एक-एक गोल किया। उसकी तरफ से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (15वें और 23वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए। जुगराज सिंह ने 36वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि आकाशदीप सिंह ने 55वें मिनट में मैदानी गोल दागा। भारत इस तरह से पांच मैचों में चार जीत और एक ड्रॉ से 13 अंक लेकर शीर्ष पर रहा। वह शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में चौथे नंबर पर रहने वाले जापान से भिड़ेगा जबकि पहला सेमीफाइनल दूसरे नंबर पर रहे मलेशिया और तीसरे नंबर की टीम दक्षिण कोरिया के बीच होगा। मलेशिया ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ।-0 की जीत से अपने अंकों की संख्या 12 पर पहुंचा कर कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था। दक्षिण कोरिया, जापान और पाकिस्तान के समान पांच-पांच अंक रहे। दक्षिण कोरिया और जापान ने हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान पांचवें स्थान के प्लेऑफ मैच में चीन से भिड़ेगा।

भारत तकनीकी और कौशल ही नहीं रणनीतिक खेल में भी पाकिस्तान पर हावी रहा और उसने अपने प्रतिद्वंदी को गोल करने के कोई खास मौके नहीं दिए।

पाकिस्तान में शुरू में अधिक आक्रामकता दिखाई जिसका उसे तीसरे मिनट में फायदा मिला जब जवाबी हमले में अब्दुल हन्नान ने गोल कर दिया। भारत ने हालांकि तुरंत ही रिव्यू लिया जिसके बाद यह गोल अमान्य करार दिया गया और पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला। भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने हालांकि बेहतरीन बचाव करके उसे नाकाम कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद लय बनाई और कुछ अच्छे मूव से पाकिस्तानी रक्षकों को व्यस्त रखा। भारत को इसका फायदा पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में मिला जब उसने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जिसे हरमनप्रीत ने गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की अपनी विशेषज्ञता का फिर से अच्छा नमूना पेश किया। भारत को 23वें मिनट पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर भारतीय कप्तान ने अपना और टीम के लिए दूसरा गोल दागा।

भारत को दूसरे क्वार्टर के अंतिम क्षणों में जरमनप्रीत सिंह के प्रयास से पेनल्टी कॉर्नर मिला था लेकिन इस बार पाकिस्तानी रक्षक हरमनप्रीत के शॉट का बचाव करने में सफल रहे। इस तरह से भारत मध्यांतर तक 2-0 से आगे था।

मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने अच्छे प्रयास किए लेकिन वह भारत था जिसने अपनी बढ़त 3-0 करने में देर नहीं लगाई। गुरजंत सिंह ने खेल के 36वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस बार हरमनप्रीत की जगह जुगराज सिंह ने जिम्मेदारी संभाली। उनका ड्रैग फ्लिक इतना ताकतवर था कि पाकिस्तानी गोलकीपर अकमल हुसैन के उस पर हाथ लगाने के बावजूद गेंद गोलपोस्ट के अंदर चली गई।

भारत के पास इसके तीन मिनट बाद गोल करने का एक और मौका था जब हरमनप्रीत गेंद को लेकर सर्किल में गए जिसे उन्होंने आकाशदीप की तरफ बढ़ाया। उन्होंने गेंद को डिफलेक्ट किया लेकिन वह गोल पोस्ट के करीब से बाहर चली गई। भारत ने चौथे क्वार्टर में अधिक आक्रामक रवैया अपनाया। खेल के 48वें मिनट में मनप्रीत सिंह ने पाकिस्तानी सर्किल के दाहिनी तरफ नीलकांत को गेंद थमाई जिन्होंने उस पर करारा शाट जमाया और सुखजीत सिंह ने उसे गोल पोस्ट के अंदर तक पहुंचाया। गेंद हालांकि सुखजीत के हाथ से लग कर गई जिसके कारण अंपायर में गोल अमान्य करार दे दिया। भारत के लिए चौथे क्वार्टर में आकाशदीप ने गोल किया। नीलकांत ने यह मूव बनाया। उन्होंने सर्किल के बाई तरफ मनदीप को गेंद थमाई। उन्होंने पाकिस्तान के दो रक्षकों को छका कर गोल पोस्ट के नजदीक खड़े आकाशदीप को पास दिया जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की।

जापान ने चीन को 2-1 से हराया सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार

भाषा। चेन्नई

जापान बुधवार को यहां अपने अंतिम राउंड रॉबिन लीग मैच में चीन को 2-1 से हराकर 2023 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। मैच के तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुए। जापान के लिए शोटा यामाडा ने आठवें मिनट में और केंटारो फाकुडा ने 54वें मिनट में गोल किए। चीन के लिए एकमात्र गोल 57वें मिनट में सुओझू आओ ने दागा। इस जीत की बदौलत जापान के पांच अंक हो गए हैं जो चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान और गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया के बराबर हैं। लेकिन वह पांचवें स्थान पर बना हुआ है जिससे उसके भाग्य पर फैसला अंतिम दो लीग मैचों के परिणाम से होगा। पहले क्वार्टर में जापान ने आठवें मिनट में ही बढ़त बना ली जिससे चीन की टीम दबाव में आ गई।

दूसरे क्वार्टर में भी जापान ने सकारात्मक खेल दिखाया, हालांकि शुरु में पेनल्टी कॉर्नर से मौका चूक गए। पहले हाफ तक उसन1-0 से बढ़त कायम रखी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने कुछ मौके बनाए लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। अंतिम क्वार्टर में फाकुडा ने 54वें मिनट में जापान की बढ़त दुगनी कर दी लेकिन चीन ने भी तीन मिनट बाद एक गोल कर अंतर कम किया। लेकिन इतना ही काफी नही था और जापान ने अपनी उम्मीदें जीवंत रखीं।

तिलक वर्मा पर भरोसा करें चयनकर्ता: अश्विन

नई दिल्ली। शीर्ष ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने राष्ट्रीय चयनकर्ता और टीम प्रबंधन से अपील की है कि वे तिलक वर्मा जैसी प्रतिभा पर भरोसा करें और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को विश्व कप की टीम में शामिल करें क्योंकि कई बल्लेबाजों के चोटों से उबरने के कारण वह मध्य क्रम में भारत की मुश्किलों को दूर कर सकते हैं। इस तरह की अटकलें हैं कि अगर श्रेयस अय्यर एशिया कप से पहले नहीं उबरते हैं तो अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति वर्मा को एशियाई खेलों की टीम से हटाकर 30 अगस्त से शुरू हो रहे महाद्वीपीय क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाकर उन्हें विश्व कप के लिए तैयार कर सकती है।

अबु कमाल अजराई के गोल से मलेशिया ने कोरिया को हराया

चेन्नई। मलेशिया ने अबु कमाल अजराई के गोल से बुधवार को यहां 2023 एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी (एसीटी) के अपने राउंड रोबिन मैच में गत चैंपियन दक्षिण कोरिया को।-0 से हराया। अजराई ने 22वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागा। यह मैच सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिहाज से हालांकि महज औपचारिकता था क्योंकि दोनों टीम पहले ही नॉकआउट में जगह सुनिश्चित कर चुकी हैं। दोनों टीम ने पहले क्वार्टर में धीमी शुरुआत की। मलेशिया को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे कोरिया के गोलकीपर ने नाकाम कर दिया। अजराई ने दूसरे क्वार्टर में 22वें मिनट में मैदानी गोल दागकर मलेशिया को बढ़त दिलाई। टीम मध्यांतर तक।-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर में मलेशिया ने लगातार हमले किए जबकि कोरिया ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। मलेशिया को हालांकि गोल करने में सफलता नहीं मिली।

अंतिम क्वार्टर में मलेशिया ने रक्षात्मक रवैया अपनाया। कोरिया ने गेंद को अधिक समय अपने पास रखा लेकिन टीम बराबरी का गोल नहीं कर सकी।

इस जीत से मलेशिया भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले से पहले अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है।

पाक ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए अशरफ और शकील को शामिल किया

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान ने बुधवार को आल राउंडर फहीम अशरफ और सऊद शकील को अफगानिस्तान के खिलाफ 22 अगस्त से श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए 18 सदस्ईय टीम में शामिल किया। पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने तैयब ताहिर को भी चुना है जिन्हें वनडे पदार्पण करना हैं। इस महीने के अंत में होने वाले एशिया कप के लिए टीम 17 खिलाड़ियों की कर दी जाएगी। यह श्रृंखला अफगानिस्तान में कराई जानी थी लेकिन राजनीतिक उठापटक के कारण दोनों बोर्ड ने श्रीलंका के तटस्थ स्थल पर सहमति बनाई जो पाकिस्तान के साथ एशिया कप का सह मेजबान भी है। अशरफ ने पाकिस्तान के लिए अंतिम वनडे जुलाई 2021 में खेला था और शकील का इस प्रारूप में अंतिम मुकाबला मार्च 2022 में था। ताहिर ने अभी तक तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

हाल में मुख्य चयनकर्ता नियुक्त हुए पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने टीम के निदेशक मिकी आर्थर और मुख्य कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के साथ सलाह मश्विरे के बाद 18 खिलाड़ियों की सूची जारी की। टीम रवानगी से पहले 14 से 16 अगस्त तक तीन दिवसीय शिविर में अभ्यास करेगी।

पाकिस्तानी टीम : अब्दुल्ला शफीक, फखर जमां, इमाम उल हक, बाबर आजम (कप्तान), सलमान अली आगा, इफ्तिखार अहमद, तैयब ताहिर, सऊद शकील (केवल अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए), मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), शादाब खान (उप कप्तान), मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन अफरीदी।

पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम को आजमाने पर हॉकी का स्वरूप नहीं बदलेगा: एफआईएच अध्यक्ष

भाषा। चेन्नई

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब इकराम ने बुधवार को कहा कि प्रस्तावित पेनल्टी कॉर्नर नियम को आजमाने पर खेल के स्वरूप से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।

नए नियम के अनुसार गेंद को पुश करने वाले खिलाड़ी को छोड़कर आक्रमण करने वाली टीम के बाकी खिलाड़ी स्ट्राइकिंग सर्कल यानी डी से कम से कम पांच मीटर की दूरी से शुरुआत करेंगे।

गेंद को स्ट्राइकिंग सर्किल में शॉट मारने के लिए भेजने से पहले उसका डी से आगे पांच मीटर तक जाना जरूरी है। नया नियम रक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

एफआईएच इस नियम को लेकर बेहद सतर्कता से आगे बढ़ रहा है और सभी को विश्वास में लेना चाहता है क्योंकि वह जानता है कि नया नियम लागू होने पर ड्रैग फ्लिक की कला पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

एफआईएच अध्यक्ष इकराम ने यहां पत्रकारों से कहा, नियमों में कुछ बेहद सकारात्मक बदलाव हुए हैं। कुछ देश पहले से ही प्रयोग के दौर से गुजर रहे हैं और मैं इस पर उनके विचार और समीक्षाएं ले रहा हूं, जो अब तक उत्साहजनक रहे हैं।

उन्होंने कहा, अभी तक मुझे जो सबसे अच्छा विचार मिला वह एक कप्तान का था जिन्होंने कहा कि नियमों में जो भी बदलाव हो, खेल का स्वरूप नहीं बदलना चाहिए। अगर गति मसला है तो फिर अन्य तत्वों पर गौर किया जाना चाहिए। मैं उनकी इस बात से पूरी तरह सहमत हूं।

इकराम ने इस अवसर पर एफआईएच के नए सशक्तिकरण कार्यक्रम की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा, नए सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत हम अपने राष्ट्रीय संघों को कैसे मजबूत किया जा सकता है, इस पर काम कर रहे हैं। एफआईएच प्रो लीग या विश्व कप या ओलंपिक तक ही सीमित नहीं है। एफआईएच 140 देशों से मिलकर बना है, इसलिए हमें उन्हें सशक्त करना होगा।

इकराम ने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इस कार्यक्रम के तहत भारत और पाकिस्तान तथा अन्य देशों में हॉकी उपकरणों की कोई कमी नहीं होगी। हम विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी पहुंच बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

विश्व में शीर्ष तीन में जगह बनाना लक्ष्य: प्रणय

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय भले ही ओलंपिक में जगह बनाने की दौड़ में आगे चल रहे हों लेकिन वह अभी पेरिस के बारे में नहीं सोचना चाहते और इसकी जगह उनका ध्यान विश्व में शीर्ष तीन खिलाड़ियों में जगह बनाने जैसे लघुकालीन लक्ष्यों पर है।

पिछले 12 महीने में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले प्रणय की विश्व रैंकिंग अभी नौ है। उन्होंने मई में मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता जबकि पिछले हफ्ते सिडनी में ऑस्ट्रेलिया ओपन में भी खिताब जीतने के करीब पहुंचे लेकिन अंतत: उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

प्रणय ने पीटीआई से कहा, अभी संभवत: मैं अच्छी स्थिति में हूं। मई के बाद मेरे लिए कुछ टूर्नामेंट अच्छे रहे लेकिन मैं कहूंगा कि मैं कभी संतुष्ट नहीं होता और मैं हमेशा कोर्ट पर उतरकर बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं, यह हमेशा से मेरा इरादा रहा है।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में मैं लगातार क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में खेलने के सफल रहा हूं और अब मैं प्रयास कर रहा हूं कि मैं एक और दौर आगे जाऊं और फाइनल में जगह बनाऊं तथा टूर्नामेंट में जीत दर्ज करूं। मौजूदा सत्र में दो फाइनल के अलावा तीन क्वार्टर फाइनल और एक सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले 31 साल के प्रणय 2017 में विश्व में आठवीं रैंकिंग हासिल की थी लेकिन इसके बाद स्वास्थ्य कारणों से उनकी रैंकिंग 2021 में 33 हो गई। तिरूवनंतपुरम के प्रणय ने हालांकि पिछले साल दिसंबर में शीर्ष 10 में वापसी की और फिर इस साल मई में करियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग हासिल की। उन्होंने कहा, आने वाले महीनों में शीर्ष पांच में आना या दुनिया में शीर्ष तीन में आना चुनौती होगी। मैं अब तक यह कभी नहीं कर पाया।

विश्वकप के नौ मैचों का कार्यक्रम बदला

पाक से 14 अक्टूबर को खेलेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली

चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच एकदिवसीय विश्व कप का बहुप्रतीक्षित मुकाबला अब शुरुआती कार्यक्रम से एक दिन पहले 14 अक्टूबर को खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए टूर्नामेंट के नौ मैच का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की।

नवीनतम अपडेट के बाद पाकिस्तान और इंग्लैंड के तीन-तीन मैच का कार्यक्रम बदला (तारीख या समय) गया है। भारत के दो मुकाबलों की तारीख बदली गई है।

नीदरलैंड के खिलाफ 11 नवंबर को होने वाले भारत के अंतिम लीग मैच का भी कार्यक्रम बदला गया है और अब यह बेंगलुरू में 12 नवंबर को खेला जाएगा। पीटीआई ने हाल में खबर दी थी कि भारत बनाम पाकिस्तान का मैच एक दिन पहले खेला जाएगा। सुरक्षा एजेसियों ने 15 अक्टूबर को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है क्योंकि यह नवरात्रि का पहला दिन होगा। नतीजतन अफगानिस्तान के खिलाफ

नई दिल्ली में 14 अक्टूबर को होने वाला इंग्लैंड का मैच अब 24 घंटे बाद 15 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान को पर्याप्त समय देने के लिए श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में 11 अक्टूबर को होने वाला उसका मैच अब 10 अक्टूबर को खेला जाएगा।

इसी दिन इंग्लैंड को धर्मशाला में बांग्लादेश के खिलाफ दिन-रात्रि मैच खेलना था लेकिन अब यह मैच सुबह साढ़े 10 बजे से खेला जाएगा। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मैच अब 12 नवंबर की जगह 11 नवंबर को खेला जाएगा। बारह नवंबर को काली पूजा है जो बंगालियों के लिए दुर्गा पूजा के बाद दूसरा सबसे बड़ा हिंदू त्योहार है और कोलकाता पुलिस ने मैच के लिए पर्याप्त सुरक्षा मुहैया करने को लेकर अंदेशा जताया है।

बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में 14 अक्टूबर को दिन में होने वाला न्यूजीलैंड का मैच अब 13 अक्टूबर को खेला जाएगा और यह दिन-रात्रि मुकाबला होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम अब लखनऊ में एक दिन पहले 12 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। किसी भी मैच के स्थल में बदलाव नहीं किया गया है। टिकटों की बिक्री 25 अगस्त से शुरू होगी और प्रशंसकों के बाद सभी गैर भारतीय अभ्यास मैच और सभी गैर भारतीय विश्व कप मैच के टिकट खरीदने का विकल्प होगा।

भारत के मैचों के टिकट 30 अगस्त से तीन सितंबर तक उपलब्ध होंगे जबकि सेमीफाइनल और फाइनल के टिकट 15 सितंबर को खरीदे जा सकते हैं।

गिल, किशन वनडे में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल और ईशान किशन ने बुधवार को जारी ताजा वनडे रैंकिंग में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया।

देश में शुरु होने वाले 50 ओवर के विश्व कप से दो महीने पहले गिल दो पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर काबिज हो गए और पाकिस्तान के दो खिलाड़ियों के करीब पहुंच गए। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर बरकरार हैं। गिल वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत 743 रेटिंग अंक पर पहुंच गए। वह तीसरे स्थान पर काबिज फखर जमां (755 रेटिंग अंक) और चौथे स्थान पर काबिज इमाम उल हक (745 रेटिंग अंक) के करीब हैं। किशन ने भी नौ पायदान की छलांग से 36वां स्थान हासिल किया जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हैं जबकि अनुभवी आल राउंडर हार्दिक पंड्या ने 10 पायदान का सुधार किया जिससे वह बल्लेबाजी सूची में 71वें स्थान पर बने हुए हैं। ताजा सूची में कई भारतीय खिलाड़ियों ने ऊपर की ओर कदम बढ़ाए।

वनडे का प्रदर्शन खराब है, इसे स्वीकार करने में कोई शर्म की बात नहीं: सूर्यकुमार यादव

भाषा। प्रोविडेंस (गुयाना)

वनडे विश्व कप करीब ही है जिसे देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन ने विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को खेल के इस प्रारूप के अंतिम ओवरों में कम से कम 45-50 गेंद खेलने के लिए कहा है, हालांकि इसमें उनका रिकॉर्ड सामान्य है और उन्हें इसे स्वीकार करने में कोई शर्म की बात भी नहीं लगती है। वेस्टइंडीज पर तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 गेंद में 83 रन की आक्रामक पारी की बदौलत भारत को सात विकेट से जीत दिलाने के बाद इस बल्लेबाज ने 50 ओवर के खेल में अपने खराब रिकॉर्ड को स्वीकार किया। इस जीत से भारतीय टीम पांच मैच की श्रृंखला में बनी हुई है। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, वनडे में मेरे आंकड़े बहुत खराब हैं और इसे स्वीकार करने में कोई शर्म भी नहीं है। ईमानदार होना सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि आपका रिकॉर्ड हर कोई जानता है। उन्होंने कहा, इसलिए अपने प्रदर्शन के बारे में ईमानदार होना महत्वपूर्ण है। लेकिन सबसे अहम है कि आप इसे कैसे सुधारते हो। कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें इस प्रारूप में ज्यादा खेलने की सलाह दी है। सूर्यकुमार ने कहा, रोहित और राहुल सर ने मुझे कहा कि इस प्रारूप में मैं ज्यादा नहीं खेलता हूं तो आपको इसमें ज्यादा खेलना चाहिए और इसके बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप अंतिम 10-15 ओवर में बल्लेबाजी कर रहे हो तो सोचो कि आप टीम के लिए क्या कर सकते हो। हम तुमसे सिर्फ यही चाहते हैं कि 45-50 गेंद खेलो, अगर आपको 15-18 ओवर तक बल्लेबाजी करने को मिल रहा है तो अपना नैसर्गिक खेल खेलो। अब यह मेरे हाथ में है कि इस जिम्मेदारी को मौके में कैसे तब्दील करूं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में वह अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर करा सके, उन्होंने तीन मैचों में 19, 24 और 35 रन की पारियां खेलीं। अभी तक सूर्यकुमार ने 26 वनडे खेले हैं और 24.33 के औसत से 511 रन बनाए हैं जो उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय के 45.6 औसत से काफी दूर है। उन्होंने 2023 में 10 वनडे खेले थे और महज 14 रन के औसत से रन जुटाए थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने काफी टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं इसलिए यह एक आदत बन चुकी है। हम टी20 नियमित रूप से खेलते हैं और हमें बस इस चीज की जरूरत है कि हम मैदान पर खुद को अभिव्यक्त कर पाएं।

एशियाई खेलों की तैयारी में फंड की कमी से घुड़सवारों की ट्रेनिंग रुकी

भाषा। नई दिल्ली

आगामी एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे इवेंटिग स्पर्धा के घुड़सवारों को करारा झटका लगा है क्योंकि फंड की कमी के कारण भारतीय सेना के मेजर अपूर्वा दाभादे और दफादार विकास कुमार की ट्रेनिंग रूक गई है जिन्होंने खेल मंत्रालय और राष्ट्रीय महासंघ से तुरंत हस्तक्षेप के लिए संपर्क किया है।

मेजर अपूर्वा और दफादार कुमार राष्ट्रीय कोच रोडोल्फे शेरर के मार्गदर्शन में 15 जून से फ्रांस में ट्रेनिंग कर रहे थे ताकि जरूरी एफईआई न्यूनतम पात्रता (एमईआर) हासिल की जा सके जो 23 सितंबर से हांगझोउ में शुरु होने वाले एशियाई खेलों में भागीदारी के मद्देनजर योग्यता हासिल करने का पहला मानदंड है।

लेकिन कोच शेरर को भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) से भुगतान बंद हो गया है जिससे उन्होंने इन दो संभावित घुड़सवारों की ट्रेनिंग भी बंद कर दी।

साथ ही अन्य इवेंटिंग संभावित घुड़सवार - आशीष लिमाए और राजू सिंह - के पास व्यक्तिगत प्रायोजक हैं और वे शेरर के साथ अपनी ट्रेनिंग जारी कर रहे हैं।

मेजर अपूर्वा ने ट्रेनिंग शिविर का इंतजाम करने के लिए खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और ईएफआई के प्रयासों को सराहा और उन्होंने सभी को हस्तक्षेप करके मदद करने के लिए संपर्क किया है।

उनके पत्र के अनुसार, सभी के प्रयासों के कारण ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया जा सका। लेकिन मैं आपका ध्यान इस ओर कराना चाहता हूं कि 30 जुलाई के बाद से हमारे राष्ट्रीय कोच का भुगतान बंद कर दिया गया है जिससे उनके पास राष्ट्रीय कोचिंग शिविर को रोकने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

उन्होंने लिखा, हमारी ट्रेनिंग रूक गई है इससे मेजर अपूर्वा दाभादे और दफादार विकास कुमार की प्रगति पर बड़ा असर पड़ेगा। मौजूदा हालत के बारे में पूछे जाने पर ईएफआई महासचिव कर्नल जयवीर सिंह ने स्वीकार किया कि उन्होंने फ्रांसिसी कोच को भुगतान करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, सरकार की मदद से हमने अपने घुड़सवारों के लिए दो महीने का शिविर आयोजित किया। हमने मंत्रालय से फंड मिलने के बाद कोच को एक महीने का भुगतान कर दिया लेकिन हमें दूसरे महीने के लिए फंड नहीं मिला जिससे हम उन्हें यह राशि नहीं दे सके। जयवीर सिंह ने कहा, हमारा महासंघ आर्थिक रूप से कमजोर है, फंड इकट्ठा करना चुनौतीपूर्ण है। हमने मंत्रालय को इसकी जानकारी दे दी है और जैसे ही हमें राशि मिलेगी, हम ट्रेनिंग शुरु करने के लिए कोच को भुगतान कर देंगे।

शेरर का भारतीय घुड़सवारी से जुड़ाव नया नही है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में इवेंटिंग में दो पदक जीते थे। उन्होंने 28 जुलाई को ईएफआई के अध्यक्ष हरीश खोकर को लिखा था कि भुगतान नहीं किए जाने की स्थिति में वह ट्रेनिंग देना जारी नहीं रख पाएंगे।

भारतीय क्रिकेटरों में जडेजा का सबसे अधिक बार किया गया डोप परीक्षण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी से मई तक भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने तीन बार डोप परीक्षण के लिए नमूना दिया और इस तरह से वह इस अवधि में सर्वाधिक बार परीक्षण करवाने वाले क्रिकेटर बन गए।

नाडा की वेबसाइट पर जारी की गई नवीनतम सूची के अनुसार वर्ष के पहले पांच महीनों में कुल मिलाकर 55 क्रिकेटरों (पुरुष और महिला, 58 नमूने) का डोप परीक्षण किया गया। इनमें से अधिकतर नमूने प्रतियोगिता से इतर लिए गए। इसका मतलब हुआ कि इस साल क्रिकेटरों से एकत्र किए गए नमूनों की संख्या पिछले दो वर्षों की तुलना में कहीं अधिक होने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार नाडा ने 2021 में क्रिकेटरों के 54 और 2022 में 60 नमूने लिए थे।

वर्ष 2023 के पहले पांच महीनों में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का परीक्षण नहीं किया गया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय से भारत की अगुवाई कर रहे हार्दिक पंड्या का अप्रैल में प्रतियोगिता से इतर मूत्र का नमूना लिया गया था।